



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड I—चरण-खण्ड (ii)
PART II—Section I—Sub-Section (ii)

प्राप्ति सं प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 230]
No. 230]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 12, 1991/चैत्र 22, 1913
NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 12, 1991/CHAITRA 22, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे इक यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
(केन्द्रीय प्रत्यक्षकर बोर्ड)

अधिकृत
नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1991

आयोजक

का.प्रा. 258 (प्र) :- केन्द्रीय प्रत्यक्षकर बोर्ड, आयोजक प्रतिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 295 द्वारा प्रदत्त विधियों का प्रयोग करने
हुए, आयोजक नियम, 1982 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम आयोजक (आयोजक मंडोधर) नियम, 1991 है।

2. आयोजक नियम, 1982 में,-

(क) नियम 12 के उप नियम (1) में "धारा 139" शब्द और अंकों के बाद निम्नलिखित शब्द, अंक और लोकक अंतःस्थापित किए जाएंगे और
1 अप्रैल, 1989 के प्रभाव से प्रभाव स्थापित किए गए समूह जाएंगे, अर्थात् :-

"या धारा 142 की उपधारा (1) के बांड (i) ;

(ख) परिणाम -11 में, प्रदत्त संख्याक 2 और 3 के स्थान पर 15 भई 1991 के प्रभाव से निम्नलिखित प्रारूप रखे जाएंगे, अर्थात् :-

"प्रत्यप सं. 2"

भाषा की विवरणी [नियम 12 (1) (ब) (i) विविध] (हमें भी आरा 11 के अधीन छूट का दावा करने वालों से भिन्न) निर्धारितियों के लिए जिनकी कुल भाषा के अन्तर्गत "कारबाह या बृति के लाभ और अधिकाराम" भी है]

1. मूल/संशोधित/आरा 142 (1) (i)/148/237 के प्रधीन
2. यदि संशोधित विवरणी है तो मूल विवरणी फाइल करने का रसीद संख्याक और तारीख

रसीद सं.....
तारीख

- (हपया इस प्रकृति को भरने से पहले संलग्न टिप्पण ड्यूनपूर्वक पढ़ें)
2. निर्वाचन वर्ष 19
 3. स्थायी लेखा संख्याक/जी.आई.आर. सं.

19

5. नाम (पहले उपनाम) (स्पष्ट प्रकारों में)

वार्ड/सकिंस रिंज

6. प्रास्तिति _____ 7. निवास प्रास्तिति _____

8. कार्यालय का पता (स्पष्ट प्रकारों में)

9. निवास का पता (स्पष्ट प्रकारों में)

टेलीफोन

पिन

टेलीफोन

पिन

10. हपया लिखिए :

(क) क्या भाषा भारत के नागरिक है ?

हाँ/नहीं

(ब) क्या भाषा भारतीय उद्घव के अन्तिम है ?

हाँ/नहीं

(ग) क्या भाषा भारिकासी भारतीय है जिनके मामले में भाषा के किसी भाग पर प्रधाया 145 के उपर्योगों के अनुसार कर लाया जाएगा ?

हाँ/नहीं

(यदि हाँ तो पृथक पत्ते पर छोरा दें)

(घ) क्या हिन्दू अविष्कृत कुटुम्ब में कम से कम एक सदस्य ऐसा है जिसकी इस निर्धारण वर्ष के लिए कुल भाषा भारावेय है ?

हाँ/नहीं

(क) क्या वह अपका पहला निर्धारण है ?

हाँ/नहीं

(च) क्या आपका धन-कार के लिए निर्धारण किया गया है ?

हाँ/नहीं

(छ) क्या आपने किसी बोहरे कराधान से राहत का दावा किया है ?

हाँ/नहीं

(i) विवेदों से करार के प्रधीन

हाँ/नहीं

(ii) उन वेशों के बारे में जिनके साथ कोई करार नहीं है देश का नाम

हाँ/नहीं

(ज) क्या इस अधिनियम या प्रत्य विधि के प्रधीन संख्याओं की संपरीक्षा अपेक्षित है ?

हाँ/नहीं

(यदि हाँ तो क्या रिपोर्ट संलग्न है ?

हाँ/नहीं

11. फौम के मामले में, प्रत्यप सं. 11/11क/12 प्रस्तुत करने की रसीद संख्याक और तारीख (जो लागू न हो उसे काट दीजिए).....

भाग-1 भाषा जिसके अन्तर्गत प्रत्य व्यक्तियों को भाषा भी है जो निर्धारिती की कुल भाषा में भिन्निति किए जाने योग्य है और शूद्र क्षुषि भाषा की संरक्षणता

क. वेतन

तरकारी

हाँ/नहीं

नियोजक का नाम और पता

1. वेतन (लाई रेटों सहित)

र.

2. बटाइए आरा 10 के प्रधीन छूट प्राप्त भस्ते

(क) _____ र.

(ब) _____ र.

(ग) _____ र.

(द) _____ र.

र.

- | | |
|--|-----------|
| 3. प्रतिशेष (1-2) | |
| 4. जोड़िए (परिलक्षियाँ का मूल्य और/या बेलन के अवले में साझ़) | |
| (क) | _____ रु. |
| (ख) | _____ रु. |
| (ग) | _____ रु. |
| (घ) | _____ रु. |
| 5. योग (3+4) | _____ रु. |
| 6. कट्टीती कीजिए | |
| (क) सानक कट्टीती | _____ रु. |
| (ख) | _____ रु. |
| (ग) | _____ रु. |
| 7. 6 की कट्टीतियों का योग | _____ रु. |
| 8. “बेलन” शब्द के अधीन प्रभाव आय (5-7) | _____ रु. |

का. गहर सम्पत्ति से आय

- | | | |
|---|-------|---------|
| 1. संचित(यों) पा. पता (हे) | _____ | |
| 2. स्वयं के अधिभोग में | _____ | हा/नहीं |
| 3. या.कि.म./वार्षिक किराया | _____ | रु. |
| 4. घटाइए | _____ | रु. |
| (क) | _____ | रु. |
| (ख) | _____ | रु. |
| (ग) | _____ | रु. |
| 5. 4 का योग | _____ | रु. |
| 6. अतिशेष (3-5) | _____ | रु. |
| 7. अन्य कटीतियाँ : | | |
| (क) सरमल | _____ | रु. |
| (ख) | _____ | रु. |
| (ग) | _____ | रु. |
| (घ) | _____ | रु. |
| (ङ) | _____ | रु. |
| (च) | _____ | रु. |
| (छ) | _____ | रु. |
| (ज) | _____ | रु. |
| (झ) | _____ | रु. |
| 8. 7 की कटीतियों का योग | _____ | रु. |
| 9. "गह संचित से भ्राय" शब्द के लक्षण प्रभार्य भाष्य (6-8) | _____ | रु. |

ग. कारबाह या बूस्ति के लाभ और अभिनाश

१. कारबार या बूलि (सदटे के कारबार से भिन्न):
लाल और लाली लेता के अन्तर शब्द लालशब्द

3. समयोजन का योग			
4. उर्ध्वका 1 ± 3 में समयोजनों के पश्चात् अतिशेष	शुद्ध लाभ/हानि		र.
5. रजस्ट्रीकृत फर्म (फर्मों) के लाभ/हानि में अंश			र.
6. समयोजन :	जोड़िए	कटौती कीजिए	
			र.
7. ग्राम्योजनों का योग			र.
8. उर्ध्वका 5 ± 7 में समयोजनों के पश्चात् अतिशेष	शुद्ध लाभ/हानि		र.
9. अरजिस्ट्रीकृत फर्म/धर्किन संघर्ष/धर्पिट निकाय के लाभ या हानि में अंश	र.	र.	र.
			योग
10. समयोजन :	जोड़िए	कटौती कीजिए	
			र.
11. समयोजनों का योग			र.
12. उर्ध्वका 9 ± 11 में समयोजनों के पश्चात् अतिशेष	शुद्ध लाभ/हानि		र.
13. कारबाह या बूल्ति से प्रभार्य आय (सद्टे के कारबाह से भिन्न) (अर्थात् 4,8 और 12 का परिणाम)			र.
14. सद्टे का कारबाह लाभ-हानि यांसे के अनुसार शुद्ध लाभ/हानि			र.
15. समयोजन :	जोड़िए	कटौती कीजिए	
			र.
16. समयोजनों का योग			र.
17. सद्टे के कारबाह से प्रभार्य आय (14 ± 16)	शुद्ध लाभ/हानि		र.
18. "कारबाह या बूल्ति के लाभ और अधिकार्य" शीर्ष के अधीन प्रभार्य आय ($13 + 17$)			र.

ष. पूंजी अभिलाभ

	अत्यकालिक आस्तियां	वीर्द्धकालिक आस्तियां
1. अंतरित आस्ति की विविधियाँ		
2. अर्जन की तारीख		
3. अन्तरण की तारीख		
4. अंतरण से पूर्व जितने मास आस्ति आस्ति की गई, उसकी संख्या		
5. अंतरण का दंग		
6. प्रतिफल का पूरा मूल्य	र.	र.

7. कटौतियाँ

(i) अर्जेन की सामग्री	रु.	रु.	रु.	रु.
(ii) मुद्राकार की सामग्री	रु.	रु.	रु.	रु.
(iii) अंतरण की सामग्री	रु.	रु.	रु.	रु.
8. 7 की कटौतियों का योग	रु.	रु.	रु.	रु.
9. अतिशेष (6+8)	रु.	रु.	रु.	रु.
10. अन्य कटौतियाँ घटाइए	रु.	रु.	रु.	रु.
11. अतिशेष (9+10)	रु.	रु.	रु.	रु.
वह रकम जो पूँजी अधिलाभ समझे गई है [भारा 50 के अधीन से चिन]				
[कृपया चिनिरिट करें]				
12. जोड़ए कटौती कीजिए :				
(कृपया चिनिरिट करें)				
(क)	रु.	रु.	रु.	रु.
(ख)	रु.	रु.	रु.	रु.
13. योग [12 (क) + 12 (ख)]	रु.	रु.	रु.	रु.
14. योग (11±13)	रु.	रु.	रु.	रु.
15. भारा 50 के अधीन अल्पकालिक पूँजी अधिलाभ				रु.
16. "पूँजी अधिलाभ" शीर्ष के अधीन प्रभार्य आय :	15/9 तक	16/9 से 15/12 तक	16/12 व्हे 31/3 तक	
भारा 50 के अधीन अल्पकालिक पूँजी				
अधिलाभ	रु.	रु.	रु.	रु.
अन्य अल्पकालिक पूँजी अधिलाभ	रु.	रु.	रु.	
दीर्घ कालिक पूँजी अधिलाभ	रु.	रु.	रु.	
योग	रु.	रु.	रु.	सकल योग रु.

उ. अन्य ज्ञोतों से आय

1. (क) लाभाश	रु.
(ख) व्याप	रु.
(ग) लाटरी बर्ग पश्चली दोड आवि से जीत	रु.
(घ) भशीनरी, संयंक, भवन आवि से भाटक आय	रु.
(ङ) अन्य	रु.
2. 1 (क) से 1 (ङ) का योग	
3. घटाइए : कटौतियाँ (कृपया चिनिरिट करें)	
अवक्षयण	रु.
	रु.
	रु.
4. 3. कटौतियों का योग	
5. "अन्य ज्ञोतों से आय" शब्द के अधीन प्रभार्य आय (2-4)	

क. पूर्ववर्ती निपारिण वर्ष से अप्रीनीत अनामेलित हानियां या भत्ते

1. आठवां सालवां छठा पांचवां चौथा तीसरा दूसरा पहला	बालू बर्ब की माय के प्रति है या अस्ति कारबार बृजरा की जाने विवरणों के बालू है बाली रकम अनुसार है, उपर्युक्त (रपया) उपर्युक्त करें करें (हाजरी)
---	--

क. निपारिण धर्ष
(क्राया विनिर्दिष्ट करें)

ख. कारबार हानि
i. सहे से

ii. सहे से भिन्न

ग. अवधायण

घ. विनिधान योग

ङ. कोई अध्य हाजरी/भत्ता
(क्राया विनिर्दिष्ट करें)

2. आठवें पूर्ववर्ती निपारिण धर्ष से पहले अवधायण

नि. धर्ष

रकम (रपया)

छ. कुल माय का विवरण

1. (क) बेतन	(मद क-8)
(ख) गृह सम्पत्ति से माय	(मद ख-9)
(ग) कारबार या वृत्ति के सामांजीर अभिलाभ	(मद ग-18)
(घ) पूँजी अभिलाभ	(मद घ-16)
(ङ) घन्य लोतों से माय	(मद ङ-5)

2. कुल (क से ङ तक)

3. अटाहर : पूर्ववर्ती निपारिण धर्ष से अप्रीनीत अनामेलित हानियां या भत्ते

1. क ख (i) ख (ii) ग (मद-घ)

घ ङ 2.

4. सकल कुल माय (2-3)

5. अटाहर : मायाय 6 के अधीन कटौतियां
(क्रपया विनिर्दिष्ट करें)

उत्तर रकम	अद्वान रकम	कटौती योग्य रकम
(क) (रपया)	(ख) (रपया)	(ग) (रपया)

कुल (ग) का योग इ.

6. कुल आय (4-5) रु.

7. कुल आय (शब्दों में) एस इन्यू के निकटतम गुणज तक पूर्णांकित
(शब्दों में) रु.

8. शुद्ध हृषि आय दर के प्रयोजनों के लिए रु.

9. मद क से छ तक में सम्मिलित आय को रकम जो पति या पत्नी/प्रवासी संग/पूँजी की पत्ती/पुँजी को अवधार मंत्रालय कि रुप व्यक्ति या उद्भूत होने वाली आय है। रु.

10. ऐसे व्यक्ति का नाम और नातेदारी रु.

11. मद क से छ तक में सम्मिलित आय जिस पर विशेष दर से कर प्रभार्य है रु.

भाग 2. करों का विवरण

1. कुल आय पर कर

(क) विशेष दरों से रु.
(ख) सामान्य दरों से रु.

2. घटावद : (क) धारा 88 और 88क के अधीन रिपोर्ट :

सकल रकम (कुपया मद विनियोग करें)	महंक रकम (कुपया)	कर रिपोर्ट अधीन महंक रकम का 20 प्रतिशत (कुपया)	योग रु.
------------------------------------	---------------------	--	---------------

(i) आय 88 के अधीन

(i) योग

(ii) आय 88क के अधीन

(ii) योग

योग (कुपया)

(iii) [पर्याप्त(i)+(ii)]

(ख) आयनकर की ओसत दर से अरजिस्ट्रीड्ड फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय से शेयर की आवत रिवेट रु.

(ग) धारा 89(1) के अधीन राहत रु. योग रु.

3. अतिशेष (1-2)

4. जोड़िए :

(क) विलंब से विवरणी फाइल करने पर ब्याज रु.
(ख) अप्रिम कर के संदाय में अविकल्प के लिए ब्याज रु.
(ग) अप्रिम कर के मास्यगत के लिए ब्याज रु.

5. संवेद्य कुल कर और ब्याज (3+4) रु.

6. पूर्व संदर्भ कर :

(क) अधिग्रहण की किस्तें (चालान संलग्न कीजिए)

पहली

दूसरी

तीसरी

योग

रकम (रुपये)

तारीख

बैंक का नाम

शाखा

(ख) निम्नलिखित से ओत पर कठोरी किया गया/संग्रहीत कर (प्रमाणपत्र संलग्न कीजिए)

(क) बैंकन	रु.
(ख) व्याज	रु.
(ग) साप्ताहिक	रु.
(घ) कोई मर्यादा विवरण (कृपया विवरिषिट कीजिए)	रु.
(ङ) योग [(क) से (घ)]	रु.

रकम

7. स्वतः निर्धारित पर कर (चालान संलग्न कीजिए)

संदर्भ की तारीख

प्राप्त-कर उपर्युक्त 4 से व्याज योग

19 —————

....., रु., रु., रु.

——— 19 —————

8. मार्यादा पूर्वी संवत्त कर, यदि कोई हो (कृपया विवरिषिट करें और संकृत संलग्न करें)

9. योग (6 से 8)

10. संदेश कर/व्याज या देय प्रतिदाय (अधिग्रहण 5 और 9 का अन्तर)

भाग 3. कारबाहर या वृत्ति से मुसंगत जानकारी

1. सामान्य विविधियाँ :

(क) जिस नाम से कारबाहर/वृत्ति भलाई जाती है

.....

(ख) शाखा (शाखाओं) का नाम और पता/पते

.....

.....

(ग) कारबाहर या वृत्ति की प्रकृति

.....

.....

(घ) लेबा पद्धति : वाणिज्यिक/नकद/विश्रित

.....

(ङ) स्टाक मूल्यांकन पद्धति

.....

2. फर्म/व्यक्ति संगम/व्यटिट निकाय के मामले में कृपया निम्नलिखित अतिरिक्त जानकारी प्रस्तुत कीजिए :

न्र. सं. भागीदार/संवस्य का नाम लाभ के प्रेष का अनुपात भागीदार/संवस्य को संदेत भागीदार/संवस्य को संवत्त वेतन भागीदार/संवस्य की संवत्त व्याज परिश्रमिक कमीशन/दोनस

(क)

(ख)

(ग)

(घ)

(ङ)

(च)

3. कारबार या वृति के लाभ और अभिकाष्ट से आय की संगणना में कौटी की जाने वाली रकम

क्र. सं.	विशिष्टियाँ	रकम (र.)
(क)	अवध्यण
(ख)	
(ग)	
(घ)	
(ङ)	
(च)	
(छ)	
(ज)	
(झ)	
(झ)	
(ट)	
(ठ)	

भाग 4. जिसके लिए छूट का दावा किया गया है

आय की प्रकृति	रकम (र.)	दावे के लिए कारण
(क)		
(ख)		
(ग)		
(घ)		

भाग 5—संलग्न घरानों/विवरणों की सूची

2.		
(क)		
(ख)		
(ग)		
(घ)		
(ङ)		
(च)		
(छ)		
(ज)		
(झ)		

सत्यापन

मैं (स्पष्ट अक्षरों में पूरा नाम) जो * का पुत्र/की पुत्री/पत्नी हूँ, मन्यनिष्ठा में घोषणा करता/करती हूँ कि इस विवरण और इससे संलग्न उपबंधों और विवरणों में दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुमार सही और पूर्ण है और उनमें दर्शित कुल आय की रकम और अन्य विशिष्टियों का उल्लेख सही-सही किया गया है और ये निर्धारण वर्ष 19— से मुसंगत पूर्व वर्ष (वर्षों) के संबंध में हैं।

*मैं मन्यनिष्ठा में यह घोषणा भी करता/करती हूँ कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान—

(क) मुझे मेरे नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में धारित किसी आस्ति से कोई अन्य आय न तो प्रोद्भूत हुई है, न उद्भूत हुई है, और न प्राप्त हुई है;

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की आय सहित ऐसी कोई अन्य आय नहीं है जिसकी बाबत में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर में प्रभार्य हैं।

* मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता/करती हूँ कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान—

(क) उस व्यक्ति को, जिसके लिए और जिसकी ओर से यह विवरणी वी जा रही है, *उस व्यक्ति को, जिसकी कुल आय की बाबत मेरा निर्धारण किया जा सकता है, *उस व्यक्ति को, जिसके लिए और जिसकी ओर से यह विवरणी वी जा रही है, *उस व्यक्ति के, जिसकी कुल आय की बाबत मेरा निर्धारण किया जा सकता है नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम मेंधारित किसी आस्ति से कोई आय आय न तो प्रोद्भूत हुई है, न उद्भूत हुई है;

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की आय सहित ऐसी कोई अन्य आय नहीं है जिसकी बाबत उक्त व्यक्ति आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर से प्रभाय है।

*मैं यह भी घोषणा करता/करती हूँ कि मैं यह विवरणी (पदनाम) की हैमियत से तैयार कर रहा/रही हूँ और मैं यह विवरणी तैयार करने और इसको सत्यापित करने के लिए सक्षम हूँ।

स्थान

तारीख

**(नाम और हस्ताक्षर)

* जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

** घोषणा पर हस्ताक्षर करने के पूर्व हस्ताक्षरकर्ता को भारता समाचारन कर लेना चाहिए कि यह विवरणी और इसके साथ के उपबंध और विवरण सही और सभी प्रकार से पूर्ण हैं। कोई भी व्यक्ति जो इस विवरणी या इसके साथ के उपबंध या विवरणों में कोई मिथ्याकथन करेगा, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 277 के अधीन अभियोजन के लिए वार्यी होगा और दोषसिद्धिपर उक्त धारा के अधीन कठिन कारावास और जुमनि से दंडनीय होगा।

आयकर विभाग

आईटीएस. 2

(निर्धारिती धारा अलग कर लिया जाए और रख लिया जाए) टिप्पण

प्रलृप सं. 2

सामान्य

[आयकर अधिनियम, 1961/नियम 12(1)(ब)(i)]

- प्रलृप सं. 2 (कंपनियों और धारा 11 के अधीन सूट का दावा करने वालों से भिन्न) ऐसे निर्धारितियों के लिए है जिनकी कुल आय के अन्तर्गत “कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ” भी हैं।
- सभी भाग और स्तम्भ इसके नीचे उपबंधित रीति से भरे जाने चाहिए। यदि कोई भाग या स्तम्भ लागू न हो तो, कृपया “लागू नहीं होता” उल्लिखित करें और कोई अन्य चिह्न या प्रतीक अंकित न करें। कृपया “अभिलेख के अनुसार” वाक्यांश और इस प्रकार के शब्दों का प्रयोग न करें।
- इन टिप्पणों में प्रत्येक पृष्ठ के नीचे जो संख्यांक दिए गए वे आय की विवरणी से संबंधित पृष्ठों पर तस्थानी मद संख्यांक को निर्दिष्ट करते हैं।
- उस दशा में जब आय के किसी शीर्ष के अंतर्गत दिया गया स्थान अपर्याप्त हो, तब प्रत्येक ऐसे आय के स्रोत की बाबत संगणा, विवरणी प्रलृप में सुसंगत शीर्ष के अंतर्गत उस प्रयोजन के लिए उपदण्डित स्तंभों का प्रयोग करते हुए, पृथक पन्ने पर दें। ऐसी संगणना की कुल राशि, विवरणी प्रलृप में सुसंगत शीर्ष के अंतर्गत दिए गए स्तम्भों में उपदण्डित की जानी चाहिए। इसी प्रकार, इस प्रलृप में मांगी गई अन्य कोई जानकारी जो कि स्थान की कमी के कारण पूर्णरूप न दी जा सके, पृथक पन्ने पर दी जा सकती है।
- इन टिप्पणों में धाराओं और नियमों के जो निर्देश हैं वे क्रमशः आयकर अधिनियम, 1961 और आयकर नियम, 1962 की धाराओं और नियमों के प्रति निर्देश हैं।

पृष्ठ 1

- जो लागू न हो उसे काट दें। यदि यह विवरणी निर्धारण वर्ष 1991-92 के लिए और पहली बार फाइल किए जाने के लिए हैं तो यह मूल विवरणी है। यह उपदण्डित करने के लिए “मूल” को छोड़ दें और बाकी काट दें, जैसे : मूल/इसी प्रकार विवरणी धारा 42(1)(i) के अधीन जारी की गई सूचना के प्रत्यक्षतर में फाइल की जा रही है वह उपदण्डित करने के लिए “मूल” और धारा 142(1)(i) के अधीन जैसा है छोड़ दें और बाकी काट दें।
- वह निर्धारण वर्ष उपदण्डित करें जिसके लिए विवरणी फाइल की गई है। (निर्धारण वर्ष वित्तीय वर्ष के ठीक बाद के बारह मास की अवधि का है। इस प्रकार 1-4-1990 से 31-3-1991 की अवधि के लिए निर्धारण वर्ष 1991-92 होगा।

3. यदि यह संशोधित विवरणी है तो, पहले मूल विवरणी की रसीद संख्या दें और तब उसे फाइल करने की तारीख । उदाहरणार्थः यदि मूल विवरणी 15-6-1991 को फाइल की जाती है और इसके लिए विभाग ने रसीद सं. 4210 जारी की है तो उसे खानों में इस प्रकार उपर्युक्त किया जाएगा :

4	2	1	0	1	5	06	1	9	9	1
---	---	---	---	---	---	----	---	---	---	---

4. करदाना को दिए गए स्थायी सेखा संख्या और वार्ड/सकिल/रेज का यहां हवाला दिया जाएगा। यदि यह इस प्रकार अभी तक नहीं दिया गया तो जी.आई.आर. संख्यांक यदि कोई हो, लिखें। यदि दोनों दिए नहीं गए हैं तो खानों की प्रथम पंक्ति में “नहीं दिया गया” लिखें और खानों की निचली पंक्ति में आवश्यक वार्ड/सकिल/रेज जहां निर्धारण हुआ है या होना है का उल्लेख आय कर के जनसंपर्क अधिकारी या प्राप्ति काउंटर से अभिनिश्चित करने के बाद करें।
5. अपना नाम स्पष्ट अक्षरों में लिखें। जहां लागू हो उपनाम पहले दें। प्रत्येक नाम के पश्चात् एक खाना छोड़ दें। उदाहरणार्थ, सत्य प्रकाश शर्मा के लिए लिखें :

श	र्मा	स	त्य	प्र	का	श
---	------	---	-----	-----	----	---

6. प्राप्ति उपर्युक्त करने के लिए कृपया निम्नलिखित कोड नंबर का प्रयोग कीजिए :

(क) अविक्त	01
(ख) हिंदू अविभक्त कुटुम्ब (नीचे उल्लिखित से भिन्न)	02
(ग) हिंदू अविभक्त कुटुम्ब जिसके कम से कम एक सदस्य की कुल आय पूर्ण वर्ष में 22,000 रु. से अधिक है	03
(घ) अररजिस्ट्रीकृत फर्म	04
(ङ) रजिस्ट्रीकृत फर्म (उससे भिन्न जो वृत्ति में लगी है)	05
(च) रजिस्ट्रीकृत फर्म जो वृत्ति में लगी है।	06
(छ) अवक्तियों का संगम	07
(ज) अवक्तियों का संगम (न्यास)	08
(झ) अप्टिक निकाय	09
(अ) कृत्रिम विधिक अवक्ति	10
(ट) सहकारी सोसाइटी	11
(ठ) स्थानीय प्राधिकारी	16

उदाहरणः उस हिंदू अविभक्त कुटुम्ब की दणा में जिसके कम से कम एक सदस्य की कुल आय 22,000 रु. से अधिक है, सही कोड नंबर 03 होगा।

7. नियाम प्राप्ति उपर्युक्त करने के लिए, निम्नलिखित कोड नंबर का प्रयोग कीजिए:

निवासी 01
अनिवासी 02
निवासी किन्तु भासूली तौर पर निवासी नहीं 03

सुरक्षित उपर्युक्त धारा 6 में है।

8. और 9. अपने कार्यालय और निवास का पिन कोड और टेलीफोन नंबर सहित यदि कोई हो, पूरा पता दें।

10. जो लागू न हो, उसे काट दें।

11. कृपया वी गई खाली जगह में प्रूप्त सं. 11/11क/12, जैसी भी स्थिति हो, की रसीद सं. और फाइल करने की तारीख का उल्लेख कीजिए।

पृष्ठ—2 भाग I

क. वैतन

नियोजकों के नाम और पते दें। यदि आप सरकारी नियोजन में हैं तो “नहीं” काट दें। किसी अन्य दशा में “हाँ” काट दें।

यहां निर्धारण वर्ष के संबंध में जिसके लिए विवरणी वी जा रही है, नियोजक से प्राप्त/प्राप्त सकल वैतन उपर्युक्त करें। [उदाहरणार्थ, वैतन जिसके अन्तर्गत वैतन की बकाया या वैतन अग्रिम भी है, उस छूटी के बदले में जिसका उसने उपयोग नहीं किया है, प्राप्त कोई संवाद, बोनस, मजबूरी, फीस, पेंशन (जिसके अन्तर्गत पेंशन का संराशित मूल्य है), कोई वार्षिकी

- या उपाधान और मकान किराया और परिलिंधियों का मूल्य और वेतन के बदले में लाभ को छोड़ कर सभी अन्य नकद भत्ते । एक से अधिक नियोजकों से प्राप्त/प्राप्य वेतन को सकल वेतन में सम्मिलित करें। सुसंगत उपबंध आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 15 और धारा 17 में । किसी व्यष्टि की दशा में, यदि कोई ऐसी रकम उपदान के रूप में चालू वर्ष में या पूर्व वर्ष में प्राप्त हुई हो, जिसके लिए छूट का दावा किया गया है तो पृथक् विवरण संलग्न किया जाएगा।
2. यहां उस परिमाण तक भत्ते उपदर्शित करें जिस तक वे धारा 10 के अधीन छूट प्राप्त करें।
 3. यहां अतिशेष उपदर्शित करें (अर्थात् 1—2)
 4. परिलिंधियों का मूल्य और वेतन के बदले में (लाभ उनसे भिन्न जिनका वर्णन स्तम्भ 2 में है) को जोड़ें। प्रत्येक मद को उसके धनीय मूल्य सहित दिए गए स्तम्भों में अलग-अलग विनिर्दिष्ट करें। यदि स्थान अपर्याप्त हो तो पृथक् पश्चा संलग्न करें।
- नियोजक द्वारा प्रदत्त परिलिंधियों निम्नलिखित हो सकती है :
- (i) मुफ्त या रियायती वास सुविधा—धारा 17(2)(i) और (ii)
 - (ii) मुफ्त या रियायती फायदे/सुख-सुविधाएं—धारा 17(2)(iii)
 - (क) प्रवहण—नियम 3(ग)
 - (ख) गैस, विश्रृत, जल—नियम 3 (घ)
 - (ग) घरेलू या वैयक्तिक सेवाएं
 - (घ) वैयक्तिक यात्रा
 - (iii) निर्धारिती की बाध्यताओं की बाबत नियोजक द्वारा संदाय (जिनमें आलकों की शिक्षा, आय-कर आदि सम्मिलित है) और नियोजक द्वारा जीवन बीमा या वार्षिकी के लिए संदेश राशियां—धारा 17 (2) (iv) और (v)
 5. यहां मद 3 और 4 की राशि दीजिए। कृपया वेतन प्रमाण पत्र संलग्न करें।
 6. यहां वेतन आय से अनुज्ञेय कटौतियों का दावा कीजिए। प्रत्येक मद अलग-अलग विनिर्दिष्ट करें, उदाहरणार्थ :
 - मानक कटौती : वेतन के 33-1/3 प्रतिशत के बराबर राशि या बारह हजार रुपये, इनमें से जो भी कम हो, “वेतन” शीर्ष के अधीन आय की संगणना में अनुशास्त है।
 - सत्कार भत्ता-धारा 16 (ii)
 - नियोजन पर कर-धारा 16 (iii)
 7. यहां सकल वेतन में से दावा की गई कटौतियों की कुल रकम दीजिए।
 8. यहां “वेतन” शीर्ष के अधीन प्रभार्य आय उपदर्शित कीजिए।
 - ख. गृह संपत्ति से आय
 1. कृपया संपत्ति (संपत्तियों) का/के पूरा/पूरे ऊक पता/पते दीजिए। यदि निर्धारिती एक से अधिक संपत्तियों का स्वामी है तो कृपया उसका एक अलग कागज पर उल्लेख कीजिए और उसे विवरणी के साथ संलग्न कीजिए।
 2. यह उपदर्शित करने के लिए कि संपत्ति स्वामी के अधिभोग में है या नहीं, यथास्थिति, “हां” या “नहीं” शब्द को काढ़ दीजिए।
 3. यहां वार्षिक किराया मूल्य या प्राप्त/प्राप्य वार्षिक किराया, इनमें से जो भी अविक हो, उपदर्शित करें। यदि आय एक से अधिक गृह संपत्ति के स्वामी हैं, यहां उपदर्शित स्तंभों को प्रयोग करते हुए कृपया ऐसी प्रत्येक संपत्ति के बारे में पृथक् संगणना है।
 4. यहां धारा 23 के अधीन अनुज्ञेय कटौतियों का दावा कीजिए, जैसे :
 - (क) नगर पालिका कर, निर्धारिती कटौती का तभी दावा करें जब है: (i) उसके द्वारा बहन किए जाने हैं, किराएँदार द्वारा नहीं, और (ii) वर्ष के दौरान संदर्भ किए गए हैं। कृपया ऐसे संदाय का सबूत संलग्न करें।
 - (ख) नव संनिर्माण भस्त्र/सुसंगत उपबंध धारा 23 (i) के दूसरे परन्तुक में दिए गए हैं।

- (ग) यदि ऐसी एक या अधिक संपत्तियां स्वामी के अधिभोग में स्वयं उसके निवास के प्रयत्नजनों के लिए हैं तो वह संपत्ति जिसके बारे में निर्धारिती यह दावा करता है कि उसका धारा 23 (2) के उपबन्धों के अनुसार वार्षिक मूल्य कुछ नहीं माना जाए, फिर इट की जाएँगी। वर्तमान की प्रत्येक मद, उसके अधीन दावा की गई कटौती-मोम्ब रकम सहित अलग-अलग विनिर्दिष्ट करें।
5. यहां धारा 23 के अधीन दावा की गई कटौती की कुल राशि उपदर्शित की जानी है।
 6. यहां अतिशेष उपदर्शित करें (प्रथम् ३—५)
 7. यहां धारा 24 के अधीन दावा की गई कटौतियों उपदर्शित करें (प्रत्येक मद अन्वय-प्रवय विनिर्दिष्ट करें); जैसे :
 - (1) मरम्मत-निर्धारिती वार्षिक मूल्य के पट्टांश का मरम्मत के रूप में हकदार है, यदि उसे किराएदार द्वारा वहन नहीं किया जाता है—धारा 24 (1) (i)
 - (2) बीमा-धारा 24 (1) (ii)
 - (3) वार्षिक प्रभार-धारा 24 (1) (vi)
 - (4) भूमि का किराया—धारा 24 (1) (v)
 - (5) उधार ली गई पूँजी पर व्याज-धारा 24 (1) (vi)
 - (6) भू-राजस्व धारा—24 (1) (vii)
 - (7) संग्रहण प्रभार (अन्तर्जेय परिमीमा, वास्त्रमिक व्यय या वार्षिक किराया मूल्य का ६ प्रतिशत इनमें जो भी कम ही है) धारा 24 (1) (viii)
 - (8) रिक्त रहने का भत्ता—धारा 24 (1) (ix)
 - (9) किराया जो वसूल नहीं किया जा सकता—धारा 24 (1) (x)
 8. यहां धारा 24 के अधीन दावा की गई कटौती की कुल राशि उपदर्शित की जानी है।
 9. यहां “गृह संपत्ति से आय” शीर्ष के अधीन प्रमाण आय (प्रथम् ६—८) उपदर्शित की जानी है।

पृष्ठ-3

- ग. कारबार या वृत्ति के लाभ और अधिकारभ
1. कारबार या वृत्ति (सट्टे के कारबार से भिन्न) कृपया आय की संगणना में संबंधित निम्नलिखित महत्वपूर्ण दस्तावेजें/जानकारी विवरणी के साथ प्रस्तुत कीजिए :
 1. यदि नियमित लेखा-पुस्तकों रखी जाती हैं तो निम्नलिखित की प्रतियां संलग्न कीजिए :
 - (क) विनिर्माण लेखा, व्यापार लेखा, लाभ और हानि लेखा या आय और व्यय लेखा अवश्य ऐसा ही कोई अन्य लेखा और तुलन-पत्र।
 - (ख) यदि—
 - (1) कोई सांपत्तिक कारबार या वृत्ति है तो स्वत्वधारी का वैयक्तिक लेखा;
 - (2) कोई फर्म, व्यक्ति-संगम या अप्टिनिकाय है तो भागीदारों या सदस्यों के उनके वैयांकतक लेखा;
 - (ग) जहां निर्धारित के लेखाओं की संपरीक्षा की गई है, वहां संपरीक्षित लाभ और हानि लेखा तथा तुलनपत्र और संपरीक्षक की रिपोर्ट और लागत संपरीक्षा रिपोर्ट (यदि लागू हो) की प्रतियां।
 2. यदि नियमित लेखा-पुस्तकों नहीं रखी जाती ये तो एक विवरण संलग्न कीजिए जिसमें कारबार या वृत्ति के व्यापारावर्त या सकल प्राप्तियों, सकल लाभ, व्यय और कारबार और वृत्ति का शुद्ध लाभ की रकमें तथा वे आधार जिन पर इन रकमों की संगणना की गई है, उपदर्शित हों और जिसमें कुल अन्यान्य शृणियों, विविध लेनदारों की रकमों, व्यापार स्टोर का मूल और नकद अतिशेष की स्थिति, जैसी कि वह पूर्व वर्प के अंत में थी, वलाई गई हो।
 3. (क) (1) यदि लेखाओं की संपरीक्षा धारा 44-क्रम के अधीन की जाती है तो अपेक्षित विशिष्टियों सहित ऐसी संपरीक्षा रिपोर्ट।
 - (2) यदि निर्धारिती ने निर्धारित कारबार के लिए प्रतिवारित लाभ की वायत धारा 88 जजग के अधीन कटौती का दावा किया है तो अपेक्षित विशिष्टियों सहित कटौतियों से संबंधित लेखापाल की रिपोर्ट,
 - (3) यदि निर्धारिती ने धारा 32-क्रम या 33-क्रम या 80 जजग के अधीन कटौती का दावा किया है तो ऐसी कटौती/कटौतियों की वायत जिसी दावा किया गया है, लेखापाल की रिपोर्ट (रिपोर्ट)।
 - (ख) यदि धारा 44-क्र, 44-ख, 44-खद और 44-खस्क के उपबन्ध लागू होने हैं तो उनकी वायत व्यौरे दीजिए।

4. संविदा कार्य में लगे निर्धारिती द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली अतिरिक्त जानकारी : यदि उम व्यक्ति द्वारा दी जाने वाली सामग्री का मूल्य, जिसके साथ संविदा की गई है या जिसके द्वारा प्रतिधारित प्रतिभूति निष्ठेप की रकम को (किए गए काम के लिए देय संदाय में से) दर्शित सक्षम प्राप्तियों में सम्मिलित नहीं किया गया है, तो कृपया सामग्री का मूल्य और प्रतिभूति निष्ठेप की रकम को दर्शित करने वाला विवरण संलग्न करें।
5. चलचित्र फिल्मों के निर्माणाओं द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली अतिरिक्त जानकारी : कृपया यह उपर्युक्त करें कि क्या चलचित्र फिल्मों के निर्माण में लगे व्यक्तियों को संदाय का कथन द्वारा 285-ख के अधीन संबद्ध निर्धारण अधिकारी को प्रस्तुत कर दिया गया है।
6. किसी व्यापारी, दलाल, अभिकर्ता या स्टाक या वस्तु विनिमय के प्रबन्ध से संबंधित कोई अन्य व्यक्ति, उन सभी व्यक्तियों के नाम और पतों का ब्यौरा प्रस्तुत करेगा जिन्हें उसने या एक्सचेंज ने पूर्व वर्ष में कोई राशि या संकलित राशियां संदत्त की हैं :
- (क) "अन्तर" के रूप में 2,000 रुपये से अधिक;
 - (ख) आस्तियों के अन्तरण के संबंध में 10,000 रुपये से या अधिक, चाहे वे आस्तियों के विक्रय के रूप में हो, विनिमय के रूप में हो या किसी और रूप में, या जिसकी ओर से भा जिससे उसने या एक्सचेंज ने कोई राशि प्राप्त की है, विशिष्टियों सहित (ऐसे संदायों और प्राप्तियों की रकम, तारीख भाग्दि)।
7. यदि निर्धारिती ने पूर्व वर्ष के दौरान किराया, कमीशन, रायलटी या बलाली या किसी वार्षिकी का (जो "बेतन" शीर्ष के अधीन निर्धारण योग्य वार्षिकी नहीं है), और जो एक हजार रुपये से अधिक है, संदाय किया है तो पाने वालों के नाम और पते तथा संदस्त रकमें दर्शित करने हुए (संदाय की प्रकृति के अनुसार) विवरणी के साथ एक अलग कागज पर अलग अलग विवरण प्रस्तुत किया जाना चाहिए। यदि पाने वाला कोई व्यक्ति अनिवार्य है तो यह उपर्युक्त किया जाना चाहिए कि क्या कर की स्रोत पर कटौती की गई है और उसे केन्द्रीय सरकार के नाम जमा कराने के लिए संदत्त किया गया है या नहीं। कृपया 10,000 रुपये से अधिक मूल्य के विक्रय और क्रप के मामलों में व्यक्तियों के नाम और सकल रकमों को अन्तर्विष्ट करने वाला विवरण भी संलग्न करें।
8. यदि निर्धारिती धारा 192, 193, 194-क, 194-ख, 194-ब, 194-ग, 194-प, 194-इ, या 195 के अधीन स्रोत पर कर की कटौती के दायित्वाधीन है तो उल्लेख कीजिए कि क्या संबंधित निर्धारण अधिकारी को विहित त्रिवरणियां प्रस्तुत कर दी गई हैं और ऐसी विवरणी (विवरणीयां) प्रस्तुत करने को तारीख (तारीखें) उत्तीर्ण कीजिए।
- लाभ और हानि लेखा के अनुसार युद्ध लाभ/हानि**
- यहां कारबार वृत्ति (सट्टे के कारबार से भिन्न) से लाभ और हानि लेखा के अनुसार लाभ/हानि का उल्लेख कीजिए। जहां निर्धारिती का एक से अधिक कारबार या वृत्ति है या किसी समाप्त कर दिए गए कारबार/वृत्ति से कोई समझी जाने वाली आय या आय है वहां ऐसे प्रत्येक कारबार वृत्ति के लिए संगता (इस उत्तराधार में दिए गए उपरी प्रणा का प्रयोग करते हुए) अलग कागज पर दी जानी चाहिए और उसे विवरणी के साथ संलग्न किया जाना चाहिए।

2. समायोजन :

- क. कृपया ऐसी रकमों के परिवर्तन और कटौतियों को उपर्युक्त कीजिए जिन्हें धारा 28 से 44-ग तक के अनुसार लाभ/हानि लेखा में समायोजित नहीं किया गया है।
- ख. कृपया विवरणी के साथ निम्ननिष्ठित भी प्रस्तुत करें :
1. अवधारण भस्ता के संबंध में विशिष्टियां :
- (क) आस्तियों के प्रत्येक ब्लाक की बाबत :
 - (1) पूर्व वर्ष के आरम्भ में उन आस्तियों का वर्णन जो ब्लाक का भाग है, उनका अवलिखित मूल्य, वर्ष के दौरान खरीदी गई आस्तियों का वर्णन और लागत तथा वर्ष के दौरान येची गई किसी आस्ति का वर्णन और विक्रय कीमत;
 - (2) वर्ष के अंत में अवलिखित मूल्य;
 - (3) वह दर जिस पर अवधारण का दाढ़ा किया गया है और अवधारण की रकम।
- (ख) उन आस्तियों का विवरण जो आस्तियों के ब्लाक का भाग है और वर्ष के दौरान शत-प्रतिशत अवधारण के लिए पात्र है। यह भी उल्लेख कीजिए कि क्या इन आस्तियों में से किसी का वर्ष के दौरान विक्रय किया गया था और यदि ऐसा है तो ऐसी प्रत्येक आस्ति की बाबत विक्रय कीमत का अलग-अलग ब्यौरा दीजिए।

- (ग) उन आस्तियों का विवरण जो आस्तियों के ब्लाक का भाग है जो विद्युमान है किन्तु जिमका अबलिखित मूल्य घटा कर मूल्य कर दिया गया है वयोंकि किसी ऐसी शास्ति के प्रत्यरुप पर जो ब्लाक का भाग है वर्ष के दीरान प्राप्त प्रतिफल का कुल मूल्य वर्ष के दीरान खरीदी गई उस ब्लाक की आस्ति को नागर महित कर्द वर्ष के आवधि में उक्त ब्लाक के अवलिखित मूल्य से अधिक है।
2. विनिधान भत्ता/विनिधान निषेप लेखा की बाबत विशिष्टियाँ :
- (क) वर्ष के दीरान खरीदे गए ऐसे पोत या वायुयान या प्लाट या मशीनरी का ब्यौरा जिसकी बाबत विनिधान भत्ते का दावा किया गया है और उसकी दर (आस्ति के अर्जन के समर्थन में सबूत भी संलग्न कीजिए)।
- (ख) विनिधान निषेप लेखा स्कीम 1986 के अनुसार विकास बैंक में किए गए निषेप(निषेपों) का ब्यौरा [धारा 32क्ष्व (1) (क)]निषेप[(निषेपों) का सबूत संलग्न कीजिए]।
- (ग) अप किए गए ऐसे पोत या वायुयान या प्लाट या मशीनरी का ब्यौरा जिसकी बाबत विनिधान निषेप लेखा के अधीन कटीती का दावा किया गया है [धारा 32क्ष्व (1) (ख)] (अप के समर्थन में सबूत संलग्न कीजिए)।
- (घ) विनिधान निषेप लेखा स्कीम 1986 या विनिधान निषेप लेखा स्कीम 1986 (चाय) के अनुसार निकाली गई रकम से खरीदी गई आस्तियों का ब्यौरा (नई आस्ति के क्रम यथास्थिति भारतीय औद्योगिक विकास बैंक या राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक से निकाली गई रकम और निकाले जाने की तारीख (तारीखें) से संबंधित सबूत संलग्न कीजिए।
- (ङ) राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक से निकाली गई रकम (रकमों) में से विनिधान निषेप लेखा स्कीम 1986 (चाय) के अनुसार उत्तर वर्ष को रकम का विवाजत शीर निकाली गई रकम (रकमों) की तारीख (तारीखें) देने हुए ब्यौरा।
3. जोड़िए और कटीती कीजिए वाले स्तम्भों के नीचे समायोजनों को संकलित रकम अलग-अलग उपर्युक्त कीजिए।
4. शुद्ध लाभ/हानि प्रथात् 1 और 3 के समायोजनों के पश्चात् प्रतिशेष (यहां उपर्युक्त किया जाना चाहिये)।
5. रजिस्ट्रीकृत फर्म (फर्मों) के लाभ/हानि में अंशः स्थान एक फर्म से प्राप्त होने वाले अंश को उपर्युक्त करने के लिए है। यदि निर्धारितों एक से अधिक रजिस्ट्रीकृत फर्मों में भागीदार हैं तो यहां उपर्युक्त इन्हीं स्तम्भों का उपयोग करने हुए रजिस्ट्रीकृत फर्मों के लाभ/हानि में ऐसे अंश का अलग-अलग उल्लेख कीजिए और उसे विवरणी के साथ लगाइए। कृपया फर्म (फर्मों) में वैयक्तिक लेखा (लेखाओं) की प्रति (प्रतियों) को संलग्न कीजिए।
6. समायोजन: “जोड़िए” और “कटीतों कोजिए” स्तम्भों के नीचे उन परिवर्धनों और कटीतियों का उल्लेख कीजिए जिनकी बाबत निर्धारिती ऊपर 5 में वर्णित रजिस्ट्रीकृत फर्म के लाभ/हानि में अंश के संबंध में वायित्वाधीन है उसका हक्कार है और जिनका ऐसी रजिस्ट्रीकृत फर्म के मामले में पहले समायोजन नहीं किया गया है।
7. जोड़िए और कटीती कीजिए वाले स्तम्भों के नीचे समायोजनों की संकलित रकम अलग-अलग उपर्युक्त कीजिए।
8. यहां शुद्ध लाभ हानि (प्रथात् 5 और 7 के समायोजनों के पश्चात् प्रतिशेष) उपर्युक्त किया जाना चाहिये।
9. 1. कृपया यहां शिल गए स्थान में अलग-अलग अररजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्याप्ति निकाय के लाभ या हानि में अंश का उल्लेख कीजिए और इन सभी का कुल जोड़ बाहरी स्तम्भ में ले जाइए (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)। यदि दिया गया स्थान पर्याप्त नहीं है तो अलग कागज का उपयोग कीजिए और उसे विवरणी के साथ लगाए। जहां ऐसी आय यहां निर्धारिती की आय में गम्भिलित न की गई हो जैसे धारा 86(5) के पन्द्रुक के खंड (क) के अन्तर्गत आने वाली आय तो उसका ब्यौरा और सम्मिलित न किए जाने का कारण एक अलग पश्चे पर उल्लिखित कर विवरणी के साथ संलग्न किया जाना चाहिए। इसके प्रतिरिक्त यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि उक्त अंश कुल आय में केवल दर के प्रयोजनों के लिए सम्मिलित किए जाने के लिए या अन्यथा है। यदि हानि हो तो कृपया धारा 77(2) के अन्तर्गत आने वाली हानि को अपवर्जित कीजिए।
2. निर्धारिती को विवरणी के साथ निम्नलिखित भी प्रस्तुत करने चाहिये :—
- (i) यदि किसी अररजिस्ट्रीकृत फर्म का भागीदार या किसी व्यक्ति संगम/व्याप्ति निकाय का सदस्य हो तो ऐसी अररजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्याप्ति/निकाय में उराका/उसके वैयक्तिक लेखा (लेखों),
- (ii) समाप्त किए जाने वाले कारबार वृत्ति से संबंधित पूरा ब्यौरा अलग कागज पर,

- (iii) धारा 32क/32कब/33कब्र/80जव (5) के अधीन उसकी आय समझी जान वाली रकम (रकमों) का ब्लौरा,
- (iv) यदि किसी निर्धारिती ने पूर्व व्रत के दौरान धारा 2(24)(x) में विनिर्दिष्ट किसी निधि के अभिवाय के रूप में किसी कर्मचारी में ऐसी आय प्राप्त की है जो “कारबाहर या वृत्ति के लाभ और अभिवाय” शब्द या “अभिवाय से आय” शब्द के अधीन करने प्रभावी है तो ऐसी आय और इसके साथ-साथ धारा 36(1)(v)(क) में उल्लिखित नियत तारीख को या उसके पूर्व सुमंगल निधियों में कर्मचारी के लेवा में निर्धारिती द्वारा जमा की गई राशियों का ब्लौरा।

III. यदि दिया गया स्थान पर्याप्त नहीं है तो ब्लौरा अलग कागज पर दीजिए और उसे विवरणी के साथ लाएँ।

10. “जोड़िए” और “कटौती कीजिए” स्तम्भों के नीचे उन परिवर्धनों और कटौतियों का उल्लेख कीजिए जिनकी बाबत निर्धारिती ऊपर 9 में दर्शित अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के लाभ/हानि में अंश के संबंध में दायित्वाधीन है/उसका हकदार है और जिनका ऐसी अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के मामले में पहले समायोजन नहीं किया गया है।
11. जोड़िए और कटौती कीजिए वाले स्तम्भों के नीचे समायोजनों की संकलित रकम को अलग-अलग उपर्युक्त कीजिए।
12. शुद्ध लाभ/हानि (अर्थात् 9 और 11 के समायोजनों के पश्चात् अतिशेष) यहां उपर्युक्त किया जाना चाहिए।
13. 4, 8 और 12 का परिणाम यहां उपर्युक्त किया जाए, [अर्थात् “कारबाहर या वृत्ति से परिणामिक आय या हानि” (सदू कारबाहर से भिन्न)]।
14. सदू के कारबाहर में आय की रकम का उल्लेख कीजिए। यदि यह रजिस्ट्रीहाफर्म/प्ररजिस्ट्रीहाफर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के अंश को प्रकट करती है तो उसका संघर्ष रूप से उल्लेख किया जाना चाहिए और ऐसी रजिस्ट्रीहाफर्म/प्ररजिस्ट्रीहाफर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय का पूर्ण ब्लौरा जैसे भागीदारों/सदस्यों के नाम, उनके लाभ बांटने के अनुशासन और ऐसी रजिस्ट्रीहाफर्म/प्ररजिस्ट्रीहाफर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय में निर्धारिती के वैयक्तिक व्यापारों की प्रति भी प्रस्तुत की जानी चाहिए और विवरणी के साथ लगाई जानी चाहिए।
15. समायोजन: कृपया उन रकमों के परिवर्धन और कटौतियों को उपर्युक्त कीजिए जिन्हें या तो लाभ और हानि खाते में समायोजित नहीं किया गया है, या यदि समायोजित किया गया है तो वे अनुज्ञेय रकमों में अधिक या कम है। उन परिवर्धनों कटौतियों का भी उल्लेख किया जाना चाहिए जिनकी बाबत निर्धारिती रजिस्ट्रीहाफर्म/प्ररजिस्ट्रीहाफर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के लाभ/हानि में अंश के संबंध में दायित्वाधीन है उसका हकदार है और जिसका ऐसी रजिस्ट्रीहाफर्म/प्ररजिस्ट्रीहाफर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के मामले में पहले समायोजन नहीं किया गया है।
16. समायोजनों की कुल रकम जोड़िए और कटौती कीजिए स्तम्भों के नीचे अलग-अलग उपर्युक्त कीजिए।
17. यहां सदू के कारबाहर से प्रभावी आय (अर्थात् 14 और 16 का समायोजन अतिशेष) उपर्युक्त कीजिए।
18. “कारबाहर या वृत्ति से लाभ और अभिलाभ शीर्ष के अधीन प्रभावी आय” (अर्थात् 13+17) यहां उपर्युक्त कीजिए। यदि 17 की रकम हानि की है तो उसे 13 के प्रति समायोजित बहीं किया जा सकता। ऐसी दशा में 13 की रकम 18 के सामने पुनः उपर्युक्त की जानी चाहिए।

पृष्ठ 4

घ. पूंजी अभिलाभ

1. अन्तर्गत आस्तियों का विवरण दें। अल्पकालिक और दीर्घकालिक आस्तियों के लिए पृथक स्तम्भ दिए गए हैं। तदनुसार अन्तर्गत आस्तियों की विशिष्टियां संबंधित स्तम्भों में दी जाएँ। यदि अन्तर्गत में दो से अधिक अल्पकालिक/दीर्घकालिक आस्तियां अन्तर्वर्लित हों तो पृथक संगणना, पश्चा, दिए मापे फार्म में, विवरणी के साथ संलग्न करें।
2. यहां निर्धारिती द्वारा आस्तिं के अर्जन की तारीख उपर्युक्त कीजिए।
3. यहां वह तारीख लिखें जिसको आस्ति अन्तर्गत की गई है।
4. कृपया निर्धारिती द्वारा अन्तर्गत में पूर्व आस्ति धारण की अवधि मासों में उपर्युक्त कीजिए।
5. कृपया निम्नलिखित में से कौन सा अन्तर्गत का ढंग अन्तर्वर्लित है, उपर्युक्त कीजिए:—
 - (i) आस्ति का विक्रय, विनियम या व्याप; या
 - (ii) उसमें किसी अधिकार का व्याप, या
 - (iii) किसी विधि के अधीन उसका अनिवार्य अर्जन, या

- (iv) उस दशा में जब कि आस्ति के स्वामी द्वारा उसे अपने द्वारा छलाए जा रहे किसी कारबाह में व्यापार स्टाक में संपरिवर्तित कर दिया गया है या उसके द्वारा इस रूप में मान लिया गया है, ऐसा संपरिवर्तन या मानना; या
- (v) कोई संव्यवहार जिसमें संपत्ति अन्तरण अधिनियम, 1882 (1882 का 4) की धारा 53 के लिए किसी स्थावर संपत्ति का कबजा लिया जाना या रखे रहना अनुशासन किया जाना अन्तर्वलित हो; या
- (vi) कोई संव्यवहार (चाहे किसी सहकारी सोसाइटी, कंपनी या अन्य व्यक्ति संगम में उसका सदस्य बन कर या उसमें शेयर अर्जित करके या किसी करार द्वारा या किसी समझौता द्वारा किसी अन्य ढंग से, जो भी हो) जो किसी स्थावर संपत्ति के अन्तरण का प्रभाव रखता हो या उसके उपभोग के लिए समर्थ बनाता हो।

अनिवार्य अर्जन की दशा में, कृपया अलग पन्ने पर, उस अधिनियम का, जिसके अधीन उक्त अर्जन किया गया है और साथ ही अधिसूचना की तारीख तथा संबंधित प्राविकरण द्वारा संपत्ति के कबजे का उल्लेख करें।

6. यहां वह सकल रकम, जो आस्ति के अन्तरण से प्राप्त की गई है प्राप्त हो, उपर्युक्त की जानी है।

7. कृपया यहां उपर्युक्त करें:—

(i) अर्जन की लागत: यह निर्धारित द्वारा आस्ति के अर्जन में उपगत लागत है या धारा 49 और धारा 55(2) के निवन्धनों के अनुसार लागत।

(ii) सुधार की लागत: “गुडविल” के संबंध में यह “शून्य” है जबकि अन्य आस्तियों के संबंध में यह आस्ति के सुधार में उपगत लागत है—धारा 55(1)(ख)।

(iii) अन्तरण की लागत: यह आस्ति के अन्तरण के संबंध में लागत है—धारा 48(1)(क)(i)।

8. यहां 7 की कटौतियों की कुल राशि उपर्युक्त करें।

9. यहां अतिशेष रकम (6-8) उपर्युक्त करें। यदि इसका परिणाम हानि हो तो, उसे (--) क्रण विह द्वारा उपर्युक्त करें।

10. अन्य कटौतियां: यहां अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूँजी अभिलाभों के संबंध में अनुज्ञेय कटौतियां अलग-अलग उपर्युक्त की जाएंगी। कृपया प्रत्येक मद, उसके अधीन कटौती-योग्य रकम सहित विनिर्दिष्ट करें। यदि स्थान अवश्यित हो तो अलग पन्ने का प्रयोग करें। यदि किसी दीर्घकालिक पूँजी आस्ति की बाबत 9 पर अतिशेष हानि हो तो ऐसी हानि की रकम धारा 48(3) के उपबन्धों के अनुसरण में होंगी।

अनुज्ञेय कटौतियां निम्नलिखित हैं:—

I. अल्पकालिक पूँजी अभिलाभ:

(i) वह रकम जो धारा 54ब(1), 54घ(1) या 54छ(1) के अधीन छूट प्राप्त है।

(ii) वह नकम जो धारा 54ब(2), 54घ(2) या 54छ(2) के अधीन जमा की गई है।

II. दीर्घकालिक पूँजी अभिलाभ:

(i) वह रकम जो धारा 53, 54(1), 54(ख)(1), 54ब(1), 54च(1) या 54छ(1) के अधीन छूट प्राप्त है।

(ii) वह रकम जो धारा 54(2), 54ब(2), 54घ(2), 54छ(1), 54च(4) या 54छ(2) के अधीन जमा की गई है।

(iii) धारा 48(2) के अधीन।

11. कृपया यहां अतिशेष रकम (9—10) उपर्युक्त करें। यदि 9 के अतिशेष का परिणाम हानि हो तो उसे यहां दोहराया जाए।

12. यहां “पूँजी अभिलाभ” शब्द (धारा 50 के अधीन से भिन्न) के अधीन आय समझी गई रकम उपर्युक्त करें। कृपया प्रत्येक मद, उसके अधीन सम्मिलित किए जाने योग्य रकम सहित अलग-अलग विनिर्दिष्ट करें। ऐसी समझी गई आय से संबंधित सुसंगत उपबन्ध धारा 45(2), 3(3), 4(5), 54(2), 54ब(2), 54घ(2), 54छ(2), 54च(4) और 54छ(2) में है।

13. यहां पूँजी अभिलाभ समझी गई कुल रकम (धारा 50 के अधीन से भिन्न) उपर्युक्त की जानी है। यह अल्पकालिक और दीर्घकालिक आस्तियों के संबंध में अलग-अलग उपर्युक्त की जाए।

14. यहां अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूँजी अभिलाभों के लिए 11 और 13 के शुद्ध परिणाम अलग-अलग उपर्युक्त करें।

15. यहां धारा 50 के अधीन अल्पकालिक पूँजी अभिनाम उपर्दर्शित करें। उसके सुरंगत छोरों का उल्लेख किया पृथक् पश्चे पर करें और विवरणी के साथ संलग्न करें।
16. धारा 50 के अधीन अल्पकालिक पूँजी अभिनाम की अवधिभार रकम (रकमें) “पूँजी अभिनाम” शीर्ष के अन्तर्गत अन्य अल्पकालिक और दीघकालिक पूँजी अभिनाम/हानि अन्तःस्थ स्तम्भों में और हतकी सकल रकम कुल योग में उपदर्शित करें।

ड. अन्य स्रोतों से आय:

1. (क) कृपया लाभांश की सकल रकम उल्लिखित करें। निम्नलिखित जानकारी देते हुए पृथक् पश्चा संलग्न करें:—

- (i) कंपनी का नाम;
- (ii) शेयरों की संख्या;
- (iii) लाभांश की सकल रकम;
- (iv) स्रोत पर कटौती किया गया कर।

यदि निर्धारिती ने धारा 2(22)(ग) के अधीन उल्लिखित प्रकृति की कोई राशि प्राप्त की है और जो लाभांश ममकी गई है तो कंपन का नाम और पता, प्राप्त संदाय की प्रकृति और इस प्रकार प्राप्त राशि बताते हुए विवरण प्रस्तुत करें।

कृपया लाभांश अधिपत्र और अन्य समर्थक साक्ष्य संलग्न कीजिए।

- (ख) कृपया प्राप्त किए गए/प्राप्त ब्याज की सकल रकम को उल्लिखित करें। प्राप्त किया गया/प्राप्त ब्याज की प्रत्येक मद्द के संबंध में जानकारी देते हुए पृथक् पश्चा संलग्न करें और समर्थक साक्ष्य संलग्न करें।
- (ग) यहां लाटरी, वर्ग पहेली श्रीर दीड़ आदि से हुई जीत की सकल रकम लिखें और समर्थक साक्ष्य संलग्न करें। यदि दो या अधिक मद्द हों तो पृथक् संगणना संलग्न करें।
- (घ) यहां किराए पर दो गई मशीनरी, प्लांट या फर्नीचर से आय उपर्दर्शित कीजिए और भवन से ऐसी आय भी जहां उसका किराए पर देना उक्त मशीनरी, प्लांट या फर्नीचर को किराए पर देने से अपूर्यकरणीय हो, यदि यह “कारबार या बृत्ति से लाभ और अभिनाम” शीर्ष के अधीन आयकर से प्रभार्य न हो।
- (ङ) “अन्य स्रोतों से आय” शीर्ष के अधीन प्रभार्य अन्य आय विनिर्दिष्ट करें।

2. यहां सकल प्राप्तियों की कुल राशि उपर्दर्शित की जानी है।

3. अधीन दावा की गई कटौतियों की मद्द और रकमें विनिर्दिष्ट करें। सुरंगत उपबन्ध धारा 57 में हैं।

4. यहां दावा की गई कटौतियों का योग उपर्दर्शित करें।

5. यहां “अन्य स्रोतों से आय” शीर्ष के अधीन प्रभार्य आय लिखें।

पृष्ठ—5

- (च) पूर्ववर्ती निर्धारण वर्षों से अप्रतीत अनामेलित हानियां या भत्ते।

1. यह निर्धारण वर्ष जिसके लिए विवरणी फाइल की जा रही है से ठीक पूर्ववर्ती आठ निर्धारण वर्षों से अप्रतीत अनामेलित हानियों या भत्तों के ब्यौरे यहां दीजिए।

यदि दिया गया स्थान पर्याप्त नहीं है तो यहां उपर्दर्शित स्तम्भों का प्रयोग करते हुए अलग पश्चे पर ब्यौरे दीजिए और विवरणी के साथ लगाईए।

यदि जहां लाभ अप्रतीत हानियों/भत्तों तथा चाल् अवक्षयण को आमेलित करने के लिए पर्याप्त नहीं है, सबोंच्च न्यायालय के अद्यतन निर्णय के अधीन रहते हुए, उनकी निम्नलिखित रकम में कटौती की जानी चाहिए:

आम् वैज्ञानिक अनुसंधान अय [धारा 35(1)]

चाल् अवक्षयण [धारा 32 (1)]

अप्रतीत कारबार हानियां [धारा 72 (1)]

अनामेलित परिवार नियोजन संबंधन पूँजी अय [धारा 36(1)(ix)]

अनामेलित अवक्षयण [धारा 32 (2)]

अनामेलित वैज्ञानिक अनुसंधान पूँजी अय [धारा 35(4)]

अनामेलित विकास भत्ता [धारा 33क (2) (ii)]

चालू विकास भत्ता [धारा 33क (2)(i)]

अनामेलित विनिधान भत्ता [धारा 32क (3)(ii)]

चालू विनिधान भत्ता [धारा 32क (3) (i)]

2. आठ पूर्ववर्ती निर्धारण वर्षों से पूर्वतर अवधि से संबंधित अनामेलित अवक्षयण यहाँ उपर्युक्त करें।

३. कुल आय का विवरण।

1. यहाँ आय के विभिन्न शीणों के अधीन मद क से छ के सामने कर से प्रभार्य रकमों का उल्लेख कीजिए। यह वहीं होनी चाहिए जो अमरण: मद क 8 और छ 9 के सामने पृष्ठ 2 पर, मद ग 18 के सामने पृष्ठ 3 पर और मद घ 16 और छ 5 के सामने पृष्ठ 4 पर उपर्युक्त की गई है।

2. यहाँ क से छ की कुल राशि उदार्शित की जाए।

3. पूर्ववर्ती निर्धारण वर्षों से अग्रीत अनामेलित हानियां और/या भत्ते जैसा कि चालू वर्ष की आय के प्रति भुजरा किए जाने के लिए विवरणी के पृष्ठ 5 पर मद च में दावा किया गया है, का यहाँ उल्लेख करें।

4. कर के लिए प्रभार्य सकल कुल आय (2—3) यहाँ दीजिए।

5. I. वे कटौती जिनका दावा निर्धारिती अध्याय 6-के के अधीन करना चाहता है, यहाँ उल्लेख करें।

II. कृपया संदाय/अभिदाय की मदवार सकल रकम, अर्थक रकम और कटौती योग्य शुद्ध रकम लिखें। यदि दिया गया स्थान अपर्याप्त हो तो, संगणना, पृथक पश्च पर वे और उसे विवरणी के साथ संलग्न करें।

III. कृपया दावा के समर्थन में संदाय अभिदाय का सबूत भी संलग्न करें।

अध्याय 6-के अधीन पात्र कटौतियों का संबंध निम्नलिखित से है:

(i) राष्ट्रीय बचत स्कीम, 1987 के अधीन निशेष या जीवन बीमा निगम की आस्थगित वार्षिकी योजना में संदाय। ये अधिकतम सीमा 40,000 रु. के अधीन रहते हुए, 100 प्रतिशत की दर से कटौती योग्य है। (धारा 80 गणक)

(ii) साधारण शेयर बचत स्कीम के अधीन किया गया विनिधान-यह अधिकतम सीमा 10,000 रु. के अधीन रहते हुए, 100 प्रतिशत की दर से कटौती योग्य है। (धारा 80 गणक)

(iii) चिकित्सा बीमा के लिए साधारण बीमा निगम को संदर्भ प्रीमियम चिकित्सा बीमा के लिए संदर्भ प्रीमियम की बाबत अधिकतम सीमा 3000 रु. है। (धारा 80 घ)

(vi) असुविधाग्रस्त आयितों के चिकित्सीय उपचार आदि पर उपगत व्यय की बाबत कटौती। अधिकतम सीमा 6000 रु. है। (धारा 80घघ)

(v) कतिपय निधियों, पूर्त संस्थाओं आदि को दान। कतिपय निधियों, पूर्त संस्थाओं आदि को केवल वही नकद दान धारा 80ठ के अधीन कटौती के लिए पात्र होगा जिसका योग राशि 250 रु. से अधिक है। संपूर्ण अधिकतम सीमा सकल कुल आय की 10 प्रतिशत है (जिसमें से वह रकम घटा दी जाएगी जिस पर कोई कर संदेय नहीं है या जिसके प्राप्त निर्देश से करदाता अध्याय 6-के अधीन किसी कटौती का हकदार है)। (धारा 80ठ)

(vi) सुसज्जित या असज्जित निवास स्थान के लिए संदर्भ किराया। करदाता, जो कोई मकान किराया भत्ता प्राप्त नहीं कर रहा है, वर्गीकृत शहरों में से किसी एक में जिसमें नगर वस्ती भी है, स्थित निवास स्थान के लिए संदर्भ किराए की बाबत कटौती का पात्र है। कुल आय के 10 प्रतिशत से अधिक संबंध किराया की बाबत, संपूर्ण अधिकतम सीमा 1000 रु. प्रतिमास या कुल आय के 25 प्रतिशत के, इनमें से जो भी कम हो, अधीन रहते हुए, कटौती अनुभेद है। (धारा 80ठछ)

(vii) वैशानिक अनुसंधान, ग्राम विकास के लिए दान वैशानिक अनुसंधान या ग्राम विकास या प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए कतिपय दोनों या वनरोपण के लिए संदर्भ कोई राशि की बाबत धारा 80 छठक के अधीन 100 प्रतिशत कटौती उपलब्ध है।

(viii) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए, पिछड़े क्षेत्रों में नये स्थापित औद्योगिक उपकरणों या होटल कारबार से लाभों और अभिलाभों का 20 प्रतिशत। (धारा 80जज)

(ix) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए, कुछ क्षेत्रों में नये स्थापित लवू औद्योगिक उपकरणों से लाभों और अभिलाभों का 20 प्रतिशत। (धारा 80 जजक)

- (x) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए, भारत से बाहर परियोजनाओं से लाभों और अभिलाभों का 50 प्रतिशत। (80 जज्ञ)
- (xi) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए, विनिर्दिष्ट माल या वाणिज्य के नियत से यदि विक्रय आगम संपरिवर्तनीय विदेशी मुद्रा में प्राप्त है प्राप्त लाभों और अभिलाभों का 100 प्रतिशत। (धारा 80 जज्ञ)
- (xii) कुछ शर्तों और विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के अधीन रहते हुए, विदेशी पर्यटकों के प्रति की गई सेवाओं के लिए अनुमोदित होटलों या यात्रा अधिकारियों या पर्यटन आपरेटरों की आय, यदि प्राप्तियां लाभ और हानि लेखा में नामे डाले गए और आरक्षित लेखा में जमा किए गए सुसंगत पूर्व वर्ष के ऐसे लाभ के अन्तिशेप को जोड़ कर, ऐसी सेवाओं से लाभ के 50 प्रतिशत तक विदेशी मुद्रा में संपरिवर्तनीय है। (धारा जज्ञ)
- (xiii) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए, 31-3-1981 के पश्चात् स्थापित श्रीद्वयिक उपकरणों आदि में लाभ और अभिलाभों का 20 प्रतिशत। (31-3-1990 के पश्चात् नए स्थापित श्रीद्वयिक उपकरणों आदि से लाभों और अभिलाभों का 25 प्रतिशत (धारा 80म)
- (xiv) कतिपय दशाओं में नवस्थापित श्रीद्वयिक उपकरणों या पोतों या होटल कारबार से लाभ और अभिलाभ की बावजूद कटौती। (धारा 80 अ)
- (xv) कुक्कुट पालन के कारबार से लाभ और अभिलाभ का 33½ प्रतिशत (धारा 80अआ)
- (xvi) लाभांश, ब्याज, आय आदि। कतिपय शेयरों, यूनिटों आदि निक्षेपों पर ब्याज के रूप में आय, 13000 रु. की संपूर्ण अधिकतम सीमा तक कटौती के लिए पात्र है। (धारा 80)
- (xvii) परिवर्तनीय सीमाओं और कतिपय शर्तों के अधीन रहते हुए, सहकारी सोसाइटियों की विनिर्दिष्ट आय। (धारा 80त)
- (xviii) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए भारतीय भाषाओं में पाद्यपुस्तकों के लेखाओं की वृत्तिक आय का 25 प्रतिशत। (धारा 80थथक)
- (xix) प्राच्यार्थों, शिक्षकों आदि की दशा में कतिपय विदेशी झोतों से पारिश्रमिक आदि-संपूर्ण अधिकतम सीमा ऐसे पारिश्रमिक की 50 प्रतिशत या भारत में विदेशी मुद्रा विनिमय के अनुसार लाए गए पारिश्रमिक का 75 प्रतिशत इनमें से जो भी अधिक हो है। (धारा 80 द)
- (xx) लेखकों, नाटककारों, कलाकारों, संगीतज्ञों, अभिनेताओं या खिलाड़ियों (जिनके अन्तर्गत खेल कूद में भाग लेने वाले भी हैं) की दशा में कतिपय विदेशी झोतों से वृत्तिक आय संपूर्ण अधिकतम सीमा ऐसे पारिश्रमिक की 50 प्रतिशत या भारत में विदेशी मुद्रा विनिमय के अनुसार लाए गए पारिश्रमिक का 75 प्रतिशत, इनमें से जो भी अधिक हो, है। (धारा 80 बव)
- (xxi) भारत के बाहर की गई सेवाओं के लिए प्राप्त पारिश्रमिक सम्पूर्ण अधिकतम सीमा ऐसे पारिश्रमिक की 50 प्रतिशत या भारत में विदेशी मुद्रा विनिमय के अनुसार लाए गए पारिश्रमिक का 75 प्रतिशत, इनमें से जो भी अधिक हो, है। (धारा 80ददक)
- (xxii) उन व्यष्टियों द्वारा जो पूर्णतः अन्धे हैं या स्थायी रूप से विकलांग हैं या मानसिक मंदता से ग्रस्त हैं, 15,000 रु. की कटौती का दावा किया जा सकता है। (धारा 80 प)

6. यहां कर से प्रभार्य कुल आय (4=5) दी जानी है।
7. यहां उपबंधित रीति से दस रुपये के निकटतम गुणज तक पूर्णांकित कुल आय का शब्दों और अकों दोनों में उल्लेख कीजिए।
8. यहां सुसंगत वित्त अधिनियम की पहली अनुसूची के भाग 4 के अनुसार संगणित शुद्ध कृषि आय दी जानी है।
9. यहां अन्य व्यक्तियों को उद्भूत आय, जो निर्धारिती की कुल आय में सम्मिलित की गई है, दी जानी है।
10. यहां ऐसे अन्य व्यक्ति का नाम और मात्रेवारी दीजिए।
11. यदि किसी आय पर कर, विशेष दर से जैसे लाठरी आदि से जीत की बाबत धारा 115खब्र के अधीन या अनिवारी भारतीय की दशा में धारा 115इ के अधीन या अधिनियम के किसी अन्य उपबंध के अधीन अधिकतम सीमान्त दर से प्रभार्य हैं जो उसका व्यौरा पृथक पश्चे पर दीजिए, यदि कोई है।

पृष्ठ—6

भाग—2.

करों का विवरण

1. यहां कुल आय पर संदेय कुल कर दिया जाना है।

2. यहां निम्नलिखित उपर्युक्त करें—

(क) धारा 88 और 88क के अधीन बावाकृत रिबेट। वे निम्नलिखित हैं :

I. अधिनियम की धारा 87 में अनुध्यात है कि किसी निर्धारिती की कुल आय पर उक्त आय-कर की रकम की संगणना करने में, जिसके लिए वह किसी निर्धारित के लिए प्रभार्य है, आय-कर की रकम में से (जो अध्याय 8 के अधीन कटौतियों को अनुज्ञात करने से पूर्व संगणित की गई है) धारा 88 और 88क के उपबन्धों के अनुसार और उनके अधीन रहते हुए, इन धाराओं में विनिर्दिष्ट कटौतियां अनुज्ञात भी जाएंगी। इसमें आगे यह उपबंध भी है कि धारा 88 या धारा 88क के अधीन कटौतियों की रकम का योग किसी भी दशा में निर्धारिती की कुल आय पर उस आय-कर की रकम से (जो अध्याय 8 के अधीन कटौतियों को अनुज्ञात करने के पूर्व संगणित की गई है) अधिक नहीं होगा, जिससे वह किसी निर्धारण वर्ष के लिए प्रभार्य है।

II. धारा 88 और 88क के उपबंध उस निर्धारिती को लागू हैं जो—

(क) कोई व्यष्टि है, या

(ख) कोई हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब है, या

(ग) ऐसे व्यक्तियों का संगम या व्यष्टियों का निकाय है, जिसमें, दोनों दशाओं में, केवल पति, पत्नी हैं जो गोदा राज्य तथा दादरा और नागर हृतेली तथा दमण और दीव संघ राज्य शेषों में प्रवृत् सामुदायिक संपत्ति की पद्धति से शासित होते हैं।

धारा 88 के अधीन इस धारा के अधीन कोई निर्धारिती उसकी कुल आय पर किसी निर्धारण वर्ष के लिए प्रभार्य आय-कर की रकम में से (जो अध्याय 8 के अधीन कटौतियों के अनुज्ञात करने से पूर्व संगणित की गई है) जिसके लिए वह प्रभार्य है, उसकी उपधारा (2) में निर्दिष्ट कुल राशियों के योग के 20 प्रतिशत के बराबर रकम की कटौती का हकदार होगा।

ये राशियां निम्नलिखित हैं—

जीवन बीमा प्रीमियम, भविष्य निधि अभिदाय, आवासीय गृह संपत्ति के क्रय/निर्माण के लिए सरकार, वैक आदि से लिए गए ऋण की/का किस्त/भागत: संदाय/प्रतिसंदाय के लिए किया गया भुगतान। लेखक, नाटककार, कलाकार, संगीतज्ञ अभिनेता, या खिलाड़ी (जिसके अन्तर्गत खेल-कूद में भाग लेने वाला भी है) की दशा में अर्हक रकमों की संपूर्ण अधिकतम सीमा 70000 रु. की है, किसी व्यष्टि या किसी हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब या किसी व्यक्तियों के संगम या व्यष्टियों के निकाय की दशा में 50,000 रु. है।

धारा 88 के अधीन बावा की गई रिबेट का योग में उपर्युक्त किया जाना चाहिए।

धारा 88क के अधीन: इस धारा के अधीन कोई निर्धारिती जिसने कर से प्रभार्य आय में से पूर्व वर्ष में कठिपय नए शेयर या यूनिट अर्जित किए हैं अपनी कुल आय पर किसी निर्धारण वर्ष के लिए प्रभार्य आय-कर की रकम में से (जो अध्याय 8 के अधीन कटौती अनुज्ञात करने से पूर्व संगणित की गई है) ऐसे निर्धारितों के शेयरों या यूनिटों की लाग के बीस प्रतिशत के बराबर रकम की कटौती का हकदार होगा।

ये शेयर और यूनिट निम्नलिखित हैं—

(i) ऐसे साधारण शेयर जो पात्र पूँजी पुरोधरण का भाग बनाते हैं, या

(ii) धारा 10 के खण्ड (23ब) के अधीन विनिर्दिष्ट किसी पारस्परिक निधि की या भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) की धारा 3 के अधीन स्थापित भारतीय यूनिट ट्रस्ट की किसी स्कीम के अधीन पुरोधृत यूनिट, यदि ऐसी यूनिटों में अभिदाय की राशि, ऐसी स्कीम के अधीन केवल पात्र पूँजी पुरोधरण को अंतिम अभिदाय के छह मास के भीतर प्रतिशत की जाती है।

अधिकतम अर्हक रकम, जिसकी बाबत कोई निर्धारिती इस धारा के अधीन रिबेट का दावा कर सकेगा 25,000 रु. है।

- धारा 88क के अधीन दावाकृत रिबेट का योग मद 2(क) (ii) योग में उपर्युक्त किया जाना चाहिए।
 मद 2(क) (i) और 2(क) (ii) की रकम का योग मद 2(क) (iii) में उपर्युक्त किया जाना चाहिए।
 (ख) अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय से शेयर आय की बाबत आयकर की ओसत दर से रिबेट। कृपया ऐसे रिबेट (रिबेटों) की संगणना के ब्यारे संलग्न करें।
 (ग) धारा 89(1) के अधीन राहत। कृपया ब्यारे संलग्न करें।
 2(क), (ख) और (ग) की रकम का योग कृपया बाह्य स्तंभ में उपर्युक्त करें।

3. यहां संदेय आपनकर की अतिशेष रकम उपर्युक्त करें (अर्थात् 1-2)

4. यहां विलम्ब से विवरणी फाइल करने के लिए अप्रिम कर के संशय में व्यतिक्रम के लिए या अप्रिम कर के आस्थगत के लिए प्रभार्य ब्याज अलग-अलग दीजिए। इनकी संगणना धारा 234 क, धारा 234 ख और 234 ग में अधिकथित रीति से की जाएगी।
5. यहां संबेद कर और ब्याज की कुल रकम ($3 + 4$) उपर्युक्त की जानी है।
6. संबंधित स्तंभों में (क) अप्रिम कर की किसी भी और (ख) स्रोत पर कटौती/संगूहीत किए गए करों का ब्यौरा दें। धारा 206 ग के अंतर्गत स्रोत पर “कोई अन्य आय” के सामने उपर्युक्त किया जाएगा।
7. स्वतः निर्धारण पर (अर्थात् विवरणी फाइल करने से पहले) संदर्भ कर और ब्याज का ब्यौरा दें और इस प्रकार संदर्भ रकम के समान में चालान संलग्न करें।
8. यहां अन्य पूर्व सदत कर, यदि कोई हैं, उपर्युक्त किए जाने हैं। कृपया ऐसे संदाय का सबूत भेजन करें।
9. यहां संदर्भ कर/ब्याज की कुल राशि दी जानी है (अर्थात् 6 + 7 + 8)।
10. यहां यथांस्थिति, संदेय कर/ब्याज या शोध्य प्रतिदाय उपर्युक्त किया जाना है। प्रतिदाय को उपर्युक्त करने के लिए इसे अंक (--) के चिह्न से घोषिए।

पृष्ठ—7

भाग—III

कारबार या वृत्ति से संबंधित जानकारी—

1. (क) वह/वे पूरा नाम और पता/पते दीजिए जिसमें/जहाँ कारबार/वृत्ति की जारी है। यदि दिया गया स्थान पर्याप्त नहीं है, तो कृपया ऐसा/ऐसे नाम और पता(पते) ग्रलग-कागज पर लिखें और विवरणी के साथ संलग्न करें।
 (ख) शाखा (शाखाओं) का(के) पूरा नाम और पता (पते) दीजिए।
 (ग) कारबार की दशा में कृपया यह विनिर्दिष्ट कीजिए कि यह व्यापार/विनिर्माण/थोक/खुद्रा विक्रय/निर्यात/आयात आदि है और वह/वे मुख्य मद (मदें) कौन सी है/हैं जिनका व्यापार किया जा रहा है। यदि वृत्ति है तो वृत्ति के नाम का उल्लेख कीजिए।
 (घ) मुसंगत पर निशान लगाइए और अन्य को काट दीजिए।
 (ङ) कृपया उल्लेख कीजिए कि यह “सामन” या “बाजार कीमत” या “अन्य” है। यदि “अन्य” है तो उसका नाम और पक्षति दीजिए।
2. कृपया यहां समुचित स्तंभों में पूर्ण जानकारी दीजिए।
3. I. यहां कारबार या वृत्ति के सामनों और अभिलाभों से आय की संगणना में दावा की गई कटौतियों की विनिर्दिष्ट विधिपूर्वक दीजिए। यदि कटौती का दावा विनियान नियोग नेत्रा की बावत किया जाता है तो कृपया आवश्यक प्रमाणपत्र संलग्न कीजिए।

II. कृपया दिए गए स्थान में अवक्षयण के कारण की गई कटौती को उपर्दर्शित कीजिए । शेष स्थान का प्रयोग निम्नलिखित के संबंध में अनुज्ञय कटौतियों को उपर्दर्शित करने के लिए कीजिए :

मद	धारा
(i) विनिधान भत्ता	32क
(ii) विनिधान निक्षेप लेखा	32कब्र
(iii) विकास भत्ता	33क
(iv) चाय विकास भत्ता	33कब्र
(v) पुनर्वास भत्ता	33ब्र
(vi) वैज्ञानिक अनुसंधान पर व्यय	35
(vii) पेटेंट अधिकार या प्रतिलिप्यधिकार पर व्यय	35क
(viii) व्यवहार ज्ञान पर व्यय	35कब्र
(ix) संगमों और संस्थाओं को	
(क) ग्रामीण विकास कार्यक्रमों	35गगक
(ख) प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के कार्यक्रमों को या बनरोपण के लिए संदाय	35गगब्र
(x) प्रारम्भिक व्ययों का अपाकरण	35घ
(xi) कुछ खनियों के पूर्वक्षण पर व्यय	35इ
(xii) कर्मचारियों को बोनस	36(1)(ii)
(xiii) उधार ली गई पूँजी पर ब्याज	36(1)(iii)
(xiv) डूबंत क्रृष्ण	36(1)(vii)
(xv) सत्कार व्यय	37
(xvi) निम्नलिखित व्यय :	
(क) विज्ञापन	37
(ख) यात्रा	37

पृष्ठ—8

भाग—4

आय जिसके लिए छूट का दावा किया गया है ।

- यहां आय जिसके लिए छूट का दावा किया गया है, उपर्दर्शित की जाएगी । ऐसी आय की मद के लिए जिसके लिए छूट का दावा किया गया है, कृपया उसकी प्रकृति, वह रकम जिसके लिए छूट का दावा किया गया है और उस दावे के लिए कारण विनिर्दिष्ट करें ।

भाग—5

संलग्न दस्तावेजों/विवरणों की सूची

- यहां आय की विवरणी के साथ संलग्न दस्तावेजों/विवरणों का पूरा व्यौरा दें ।
सत्यापन

उस पर हस्ताक्षर करने से पहले सत्यापन के नीचे दिए गए विनिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें । सत्यापन में सभी सुसंगत को भरें । उपर्दर्शित रूप में स्थान और तरीखें लिखें । जहां आवश्यक हो, विवरणी के साथ मुख्तारनामा का दस्तावेज संलग्न करें ।

प्रस्तुति सं. 3

आय की विवरणी

[नियम 12(1)(ब) (iii) देविए]

रसीद सं.

[ऐसे निर्वासितियों के लिए (कंपनियों और उन व्यक्तियों से, जो पूर्त और धार्मिक प्रयोजनों के लिए धारित संपत्ति से आय प्राप्त करते हैं तथा धारा 11 के अधीन छूट का दावा करते हैं, भिन्न) जिनकी कुल आय के अन्तर्गत काशबार या वृत्ति के लाभ और अधिलाभ नहीं हैं।]

तारीख—

(छपया इस प्रस्तुति को भरने से पहले संलग्न टिप्पण ध्यानपूर्वक पढ़ें।)

1. मूल संशोधित धारा 142 (1) (i)/148/237 के अधीन

2. निर्धारण वर्ष 19—□□ - □□

3. यदि संशोधित विवरणी है तो मूल विवरणी काफ़िल करने का रसीद संचालक और तारीख

4. स्थाई लेखा संख्यांक जी. आई. आर. सं. □□□□□□□□

□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□

वार्ड/सर्किल □□□□□□□□□□□□
रेंज

5. नाम (पहले उपनाम) (स्पष्ट अक्षरों में)

6. प्रास्तिति □□ 7. निवास प्रास्तिति □□

□□□□□□□□□□□□□□□□□□
□□□□□□□□□□□□□□□□

8. कार्यालय का पता (स्पष्ट अक्षरों में)

9. निवास का पता (स्पष्ट अक्षरों में)

□□□□□□□□□□□□□□□□
□□□□□□□□□□□□□□□□

टेलीफोन □□□□□□ पिन □□□□□□

टेलीफोन □□□□□□ पिन □□□□□□

10. छपया लिखिए:

(क) क्या आप भारत के नागरिक हैं ?

हाँ/नहीं

(ड) क्या यह आपका पहला निर्धारण है ?

हाँ/नहीं

(ख) क्या आप भारतीय मूल के व्यक्ति हैं ?

हाँ/नहीं

(ज) क्या आपका धन-कर के लिए निर्धारण किया गया है ?

हाँ/नहीं

(ग) क्या आप अनिवासी भारतीय हैं, जिनके मामले में आय

(ठ) क्या आपने किसी दोहरे करावान से राहत का दावा किया है ?

के किसी भाग पर अध्याय 12 के उपबंधों के अनुसार कर

(i) विदेशों से करार के अधीन

हाँ/नहीं

लगाया जाएगा ? (यदि हाँ तो छपया पृथक पत्र पर व्यौरा दें) हाँ/नहीं

(ii) उन देशों के बारे में जिनके साथ काई करार नहीं हैं

हाँ/नहीं

(घ) क्या हिन्दू अविभक्त कुदुर्ब में कम से कम एक सदस्य

देश का नाम—

ऐसा है जिसकी कुल आय इस निर्धारण वर्ष के लिए

कर योग्य है ?

हाँ/नहीं

भाग—1

आय, जिसके अन्तर्गत अन्य व्यक्तियों की आय भी है जो निर्वासिति की कुल आय में सम्मिलित किए जाने योग्य है और शुद्ध छपया आय की संगणना

क—वेतन

सरकारी

हाँ/नहीं

नियोजक का नाम और पता

1. वेतन (सभी भत्तों सहित)

.....रु.

2. घटाइए धारा 10 के अधीन छूट प्राप्त भत्ते

.....रु.

(क)

.....रु.

(ख)

.....रु.

(ग)

.....रु.

.....रु.

3. अतिक्रम (1—2)

.....रु.

4. जोड़िए (परिलिंग्योधीर/या
वेतन के स्थान पर साप)

- (क) र.
 (ख) र.
 (ग) र.
 (घ) र.

5. योग ($3+4$) र.

6. कटौती कीजिए (क) मानक कटौती
 (ख) र.
 (ग) र.

7. 6 की कटौतियों का योग र.

8. "वेतन" शीर्ष के अधीन प्रभाव्य आय ($5+7$) र.

ब—गृह संपत्ति से आय

1. संपत्ति का पता
 2. स्वयं के प्रधिभाग में हाँ/नहीं 3. बा. कि.मू. वार्षिक किरणा
 4. घटाइए (क) र.
 (ख) र.
 (ग) र.
 5. 4 का योग
 6. अनियंत्र ($3+5$) र.
 7. अन्य कटौतियाँ
 (क) मरम्मत र.
 (ख) र.
 (ग) र.
 (इ) र.
 (च) र.
 (ए) र.
 (अ) र.
 (झ) र.
 8. 7 की कटौतियों का योग
 9. "गृह संपत्ति से आय" शीर्ष के अधीन प्रभाव्य आय ($6+8$) र.

ग. पूँजी अभिलास

अत्यकालिक आमदारी

दीर्घकालिक आस्तियाँ

1. अंतरित आमदा की शिखिट्याँ
 2. अर्जन की आरंभिक
 3. अनुरण की सारीष
 1024 GI/91—4

4. भंतरण से पूर्व धारित प्राप्ति के मासों की सं.	_____	_____	_____	_____	_____
5. भंतरण का दंग	_____	_____	_____	_____	_____
6. प्रतिफल का पूरा मूल्य	_____	र.	_____	र.	_____
7. कटीतियाँ :					
(i) अर्जन की लागत	_____	र.	_____	र.	_____
(ii) सुधार की लागत	_____	र.	_____	र.	_____
(iii) अंतरण की लागत	_____	र.	_____	र.	_____
8. 7 की कटीतियों का योग	_____	र.	_____	र.	_____
9. अतिशेष (6—8)	_____	र.	_____	र.	_____
10. अन्य कटीतियाँ घटाइए	_____	र.	_____	र.	_____
11. अतिशेष (9—10)	_____	र.	_____	र.	_____
12. जोड़िए/घटाइए	_____	र.	_____	र.	_____

वह रकम जो पूंजी अभिलाख समझी गई है (धारा 50 के अधीन से भिन्न)

(कृपया चिनिकिट करें)

(क)	_____	र.	_____	र.	_____	र.
(ख)	_____	र.	_____	र.	_____	र.
13. योग [12(क) + 12 (ख)]	_____	र.	_____	र.	_____	र.
14. योग (11±13)	_____	र.	_____	र.	_____	र.

15. धारा 50 के अधीन अस्पकालिक पूंजी अभिलाख

16. "पूंजी अभिलाख" शीर्ष के अधीन प्रभार्य आय :

	15. 9 तक	16. 9 से 15. 12 तक	16. 12 से 31. 3. तक
धारा 50 के अधीन अस्पकालिक पूंजी अभिलाख	_____	र.	_____
अन्य अस्पकालिक पूंजी अभिलाख	_____	र.	_____
दीर्घकालिक पूंजी अभिलाख	_____	र.	_____
कुल	_____	र.	_____
			कुल योग _____ र.

(अ) अन्य स्रातों से प्राप्त

1. (क) सामर्थ्य	_____	र.
(ख) ध्यान	_____	र.
(ग) नाटरी, वर्ण पक्षली, दीड़ आदि से जीत	_____	र.
(घ) मशीनरी, प्लॉट, भवन आदि से आय	_____	र.
(ङ) अन्य	_____	र.
2. 1(क) से 1(ङ) का योग	_____	र.
3. घटाइए: कटीतियाँ (कृपया चिनिकिट करें)	_____	र.
अवधायण	_____	र.
4. 3 की कटीतियों का योग	_____	र.
5. "अन्य स्रातों से प्राप्त" शीर्ष के अधीन प्रभार्य आय (2—4)	_____	र.

क. पूर्व निर्धारण वयों से प्रथमीक अनामेलिस हानिया

१.	आठवां सत्रा छठा पास्त्रा चौथा तीसरा दूसरा पहला	बालू वर्ष की आय के विवर मुजरा की गई रकम (रु.)	लिखिए कि यह अवधारित की गई है या अन्तिम विवरणों के अनुसार है
क.	निवारण वर्ष (कृपया विनियोग करें)	योग	
ख.	पूर्जी अभिनाभ हाजिर		
ग.	कोई अन्य हाजिर		

८८. कुल ग्राम का विवरण

भाग २. फरों का विवरण

1. कुल ग्राम पर कर
 (क) विशेष दरों से _____ रु.
 (ख) सामान्य दरों से _____ रु. योग _____ रु.

2. घटाइएः (क) धारा 88 और 88क के प्रधीन रिकेटः (कृपया मर्यादित करें)	सकल रकम (रु.)	प्रहृत रकम (रु.)	कर रिबेट अथवा प्रहृत रकम का 20 प्रतिशत (रु.)
(i) धारा 88 के प्रधीन			
(ii) धारा 88क के प्रधीन	(i) योग	(ii) योग	(iii) [अर्थात्] (i) + (ii)]
(मा) धारा 89(1) के प्रधीन राहत	रु.	रु. योग	रु.
3. प्रतिवेष (1-2)	—	—	—
4. जोखिएः			
(क) विलंब से विवरणी फाइल करने पर ब्याज	रु.		
(ख) अधिम कर के संदर्भ में अविक्रम के लिए ब्याज	रु.		
(ग) अधिम कर के आस्थान के लिए ब्याज	रु. योग	रु.	
5. संवेद्य कुल कर और ब्याज (3+4)	—	—	—
6. पूर्व संदर्भ कर	(क) अधिम कर की किस्त (चालान संलग्न कीजिए)	पहली	दूसरी
		तीसरी	योग
रकम (उपर)			
तारीखः			
बैंक का नाम :			
शाखा :			
(ख) निम्नलिखित से लोत पर काठा गया/बमूल किया गया कर (प्रमाण संलग्न कीजिए)	—		
(क) बेतन	रु.		
(ख) ब्याज	रु.		
(ग) लाभांश	रु.		
(घ) कोई अन्य शाय (कृपया विविदित कीजिए)	रु.		
(ङ) योग [(क) से (ख)]	रु.		
7. स्वतःनिर्धारण पर कर (चालान संलग्न कीजिए)	रकम		
	आयकर	उपर 4 के अनुसार ब्याज	योग
संदाय की तारीखः			
	—	—	—
8. अन्य पूर्व संदर्भ कर, यदि काही हो (कृपया विविदित करें और सबूत संलग्न करें)	रु.		
9. योग (6 से 8)	—	—	—
10. संवेद्य या प्रतिवेद्य कर/ब्याज (अर्थात् 5 और 9 का अन्तर)	—	—	—

भाग 3. आय जिसके लिए छट का दावा किया गया है

आय की प्रकृति

रकम (₹.)

दावे के लिए कारण

1.
(क)
(ख)
(ग)
(घ)

भाग 4. संलग्न दस्तावेजों/विवरणों की सूची

1.
(क)
(ख)
(ग)
(घ)
(ङ)
(च)
(छ)
(ज)
(झ)

2 सत्यापन

*..... (स्टट अध्यरों में पूरा नाम) जो *का पुत्र/की पुत्री हूं सत्यनिष्ठा में घोषणा करता/करती हूं कि इस विवरण और इससे मंजूर उपायों और विवरणों में दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है और उनमें दर्शित कुप्रथम आय की रकम और अन्य विशिष्टयों का उल्लेख सही-सही किया गया और ये निर्धारण वर्ष 19... से सुरक्षित पूर्ण वर्ष (वर्ष) के संबंध में हैं।

*मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता/करती हूं कि उक्त पूर्ण वर्ष (वर्ष) के दौरान:-

(क) मुझे मेरे नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में धारित किसी आस्ति से भीई प्राप्य आय न तो प्रोटमूलद्वारा है और न प्राप्त हुई है;

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की आय सहित ऐसी कोई प्राप्य आय नहीं है जिसकी बाबत मैं आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर से प्रभावी हूं।

*मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता/करती हूं कि उक्त पूर्ण वर्ष (वर्ष) के दौरान--

(क) *उस व्यक्ति के, जिसके लिए और जिसकी घोर से यह विवरणी दी जा रही है, *उस व्यक्ति को जिसकी कुल आय की बाबत मेरा निर्धारण किया जा सकता है, *उस व्यक्ति को जिसके लिए और जिसकी घोर से यह विवरणी दी जा रही है, *उस व्यक्ति के, जिसकी कुल आय की बाबत मेरा निर्धारण किया जा सकता है, नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में धारित किसी आस्ति से कोई अन्य आय न तो प्रोटमूलद्वारा है, न उद्भूत हुई है, और न प्राप्त हुई है और न प्राप्त हुई है;

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की आय सहित ऐसी कोई अन्य आय नहीं है जिसकी बाबत उक्त व्यक्ति आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर से प्रभावी है।

*मैं यह भी घोषणा करता/करती हूं कि मैं यह विवरणी (पदनाम) की हस्तियत से तैयार कर रहा/रही हूं और मैं यह विवरणी तैयार करने और इसको सत्यापित करने के लिए सक्षम हूं

स्थान

तारीख

** (नाम और हस्ताक्षर)

*जो लागू न हो उसको काट दीजिए।

*घोषणा पर हस्ताक्षर करने के पूर्व हस्ताक्षरकर्ता को अपना समाधान कर लेना चाहिए कि यह विवरणी और इसके साथ के उपायों और विवरणी सही और सभी प्रकार से पूर्ण है। कोई भी व्यक्ति जो इस विवरणी या इसके साथ के उपायों या विवरणों में कोई मिथ्या कथन करेगा, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 277 के अधीन अभियोगन के लिए दाया होगा और सिद्धि पर उक्त धारा के अधीन कठिन कारावास और जुमानि से दण्डनीय होगा।

आय कर विभाग

आई.टी.एस. 3

टिप्पणी : (निर्धारिती द्वारा प्रलग कर लिया जाए और रख लिया जाए)

प्रृष्ठ सं. 3

[आय कर अधिनियम, 1961 नियम 12(1)(ख) (iii)]

सामान्य :

I. प्रृष्ठ सं. 3 ऐसे निर्धारितियों (कंपनियों और उन व्यक्तियों से, जो पूते या धार्मिक प्रयोजनों के लिए धारित संपत्ति से आय प्राप्त करते हैं, तथा धारा 11 के अधीन छूट का दावा करते हैं, भिन्न) के लिए है, जिनकी कुल आय के अन्तर्गत “कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ” नहीं है।

II. सभी भाग और स्तम्भ इसके नीचे उपबंधित रीति से भरे जाने चाहिए। यदि कोई भाग या स्तम्भ लागू न हो तो, कृपया “लागू नहीं होता” उल्लिखित करें और कोई चिन्ह या प्रतीक अंकित न करें। कृपया “अभिलेख के अनुसार” वाक्यांश या तदर्थक का प्रयोग न करें।

III. इन टिप्पणियों में प्रत्येक पृष्ठ के नीचे जो संख्यांक दिए गए हैं वे आय की विवरणी के संबंधित पृष्ठों पर तत्स्थानी मद संख्याओं को निर्दिष्ट करते हैं।

IV. उस दशा में जब आय के किसी शीर्ष के अन्तर्गत दिया गरा स्थान अपर्याप्त हो, जब आय के प्रत्यक्ष ऐसे स्त्रोत की बाबत संगणना विवरणी प्रृष्ठ में सुसंगत आय के शीर्ष के अधीन उस प्रयोजन के लिए उपदर्शित स्तम्भों का प्रयोग करते हुए, पृथक पन्ने (पफ्फों) पर दें। ऐसी संगणना की कुल राशि विवरणी प्रृष्ठ में सुसंगत शीर्ष के अधीन दिए गए स्तम्भों में उपदर्शित की जानी चाहिए। इसी प्रकार, इस प्रृष्ठ में मांगी गई अन्य कोई जानकारी, जो कि स्थान की कमी के कारण पूर्व रूप से न दी जा सके, पृथक पन्ने पर दी जा सकती है।

V. इन टिप्पणियों में धाराओं और नियमों के जो निर्देश हैं वे क्रमशः आयकर अधिनियम, 1961 और आयकर नियम 1962 की धाराओं और नियमों के प्रति निर्देश हैं।

पृष्ठ 1

1. जो लागू न हो उसे काट दें। यदि यह विवरणी निर्धारण वर्ष 1991-92 के लिए है और पहली बार फाइल की गई है तो यह मूल विवरणी है। यह उपदर्शित करते के लिए “मूल” को छोड़ दें और बाकी काट दें, उदाहरणार्थ मूल/संशोधित/धारा 142(1)(i)/148/237 इसी प्रकार यह उपदर्शित करते के लिए कि विवरणी धारा 142(1)(i) के अधीन जारी की गई सूचना के अनुसरण में फाइल की गई है, ‘मूल’ और धारा 142(1)(i) के अधीन को ऐसे ही छोड़ दें और बाकी काट दें।

2. वह निर्धारण वर्ष उपदर्शित करें जिसके लिए विवरणी फाइल की गई है। (निर्धारण वर्ष विस्तीय वर्ष के ठीक बाद के बारह मास की अवधि है। इस प्रकार से 1-4-1990 से 31-3-1991 की अवधि के लिए निर्धारण 1991-92 होगा।)

3. यदि यह संशोधित विवरण है, पहले मूल विवरणी की रसीद संख्या दें और तब उसे फाइल करने की तारीख। उदाहरण : यदि मूल विवरणी 15-6-1991 को फाइल की जाती है और उसके लिए विभाग ने रसीद संख्या 4210 जारी की है तो उसे खानों में इस प्रकार उपदर्शित किया जाएगा :

4	2	1	0	—	1	5	—	0	6	—	1	9	9	1
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

4. करदाता को दिए गए स्थाई लेखा संख्या और डैवा/सर्किल/रेज का यहां हवाला दिया जाएगा। यदि यह इस प्रकार नहीं दिया गया है तो जी.आई.आर. संख्यांक, यदि कोई हो, लिखें। यदि दोनों नहीं दिए गए हैं तो खानों की पहली पंक्ति में “नहीं दिया गया” लिखें और जहां निर्धारण किया गया है या किया जा सकता है वहां आयकर कार्यालय के जनसंपर्क अधिकारी या पावती काउन्डर सं अभिनिश्चित करने के पश्चात् खानों की निचली पंक्ति में आयकर वार्ड/सर्किल/रेज का उल्लेख करें।

5. अपना नाम स्पष्ट अक्षरों में लिखें। उपनाम पहले दें। प्रत्येक नाम के पश्चात् एक खाना छोड़ दें। उदाहरण: सत्य प्रकाश शर्मा के लिखें :—

स	र्मा	स	त्य	प्र	का	ण
---	------	---	-----	-----	----	---

6. प्रास्थिति उपर्दर्शित करने के लिए, कृपया निम्नलिखित कोड नम्बर का प्रयोग कीजिए :

(क) व्यक्ति	01
(ख) हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब (नीचे उल्लिखित में भिन्न)	02
(ग) हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब जिसके काम से कम एक सदस्य की कुल आय पूर्व वर्ष में 22,000 रु. में अधिक है	03
(घ) अरजिस्ट्रीकृत फर्म	04
(ङ) रजिस्ट्रीकृत फर्म (उसमें भिन्न जो वृत्ति में लगी है)	05
(च) रजिस्ट्रीकृत फर्म जो वृत्ति में लगी है	06
(छ) व्यक्तियों का गंगम (ए ओ पी)	07
(ज) व्यक्तियों का संगम (न्यास)	08
(झ) व्यष्टि निकाय (बी ओ आई)	09
(ण) कृषिम विधिक व्यक्ति	10
(ट) सहकारी सोमाहटी	11
(ठ) स्थानीय प्राधिकारी	16

उदाहरण : उस हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब की दशा में जिसके कम से कम एक सदस्य की कुल आय 22,000 से अधिक है, तभी कोड नम्बर 03 होगा।

7. निवास प्रास्थिति उपर्दर्शित करने के लिए निम्नलिखित कोड नम्बर का प्रयोग कीजिए :—

निवासी	01
अनिवासी	02
निवासी किन्तु मामूली तौर पर निवासी नहीं	03
सुसंगत उपबंध धारा 6 में है।	

8 और 9. अपने कार्यालय और निवास का पिन कोड और टलीफोन नंबर महिन, यदि कोई हो, पूरा पता दें।

10. जो लागू न हो उसे काट दें।

पृष्ठ 2 भाग-I

क. वेतन

नियोजकों के नाम और पते दें। यदि आप सरकारी नियोजन में हैं तो “नहीं” काट दें। किसी अन्य दशा में “हाँ” काट दें।

1. यहाँ निर्धारण वर्ष के संबंध में जिसके लिए विवरणी दी जा रही है, नियोजक से प्राप्त/प्राप्य सकल वेतन उपर्दर्शित करें (उदाहरणार्थ वेतन, जिसके अन्तर्गत वेतन की बकाया या वेतन अग्रिम भी है, उस छुट्टी के बदले में, जिसका उसने उपभोग नहीं किया है, प्राप्त कोई संदाय, बोनस, मजदूरी, फीस, पेंशन (जिसके अन्तर्गत पेंशन का संशोधित मूल्य है, कोई वार्षिकी या उपदान और मकान किराया और सभी अन्य नकद भत्ते, (वेतन के बदले में प्राप्त परिलक्षितों और लाभों के मूल्य को छोड़कर) एक से अधिक नियोजकों से प्राप्त/प्राप्य वेतन को सकल वेतन में सम्मिलित करें। सुसंगत उपबंध आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 15 और धारा 17 में है। किसी व्यष्टि की दशा में यदि ऐसी रकम उपदान के रूप में सात वर्ष में या पूर्व वर्ष में प्राप्त हुई हो, जिसके लिए छूट का दावा किया गया है तो एक पृथक विवरण संलग्न किया जाए।

2. वहाँ उस परिमाण तक भत्ते उपदर्शित करें जिस तक वे धारा 10 के अधीन छूट प्राप्त हैं।

3. यहाँ अतिशेष उपदर्शित करें (अर्थात् 1-2)

4. वेतन के बदले में परिलक्षितों और लाभों (स्तम्भ 2 में वर्णित से भिन्न) के मूल्य को जोड़ें। प्रत्येक मद को उसके धनीय मूल्य सहित दिए गए स्तम्भों में अलग अलग विनिर्दिष्ट करें। यदि स्थान अपर्याप्त हो तो पृथक पक्षा संलग्न करें।

नियोजक द्वारा प्रदत्त परिलक्षितों निम्नलिखित हो सकती हैं :

- (i) मुफ्त या रियायती वास सुविधा—धारा 17(2)(i) और (ii)
- (ii) मुफ्त या रियायती फायदे सुख सुविधाएँ—धारा 17(2)(iii) :
- (क) प्रवरण—नियम 3(g)

(ख) गैस, बिद्युत, जल नियम 3 (घ)

(ग) घरेलू या वैयक्तिक सेवाएं

(घ) वैयक्तिक यात्रा

(इ) अन्य कोई मद (वौधारीजिएः)

(iii) निर्धारिती की वाध्यताओं की दावत नियोजक द्वारा संदाय (जिनमें चालकों की शिक्षा, आय कर आदि सम्मिलित हैं) और नियोजक द्वारा जीवन वीमा या वार्षिकी के लिए संवेद राशियाँ—धारा 17(2)(iv) और (v)

5. यहाँ मद 3 और 4 की राशि दीजिए। कृपया वेतन प्रमाणपत्र संलग्न करें।

6. यहाँ वेतन आय में अनुज्ञेय कटौतियों का दावा कीजिए। प्रत्येक मद अलग अलग विनिर्दिष्ट करें, उदाहरणार्थः

—मानक कटौती: वेतन के 33-1/3 प्रतिशत के बराबर राशि या बारह हजार रुपये, इनमें से जो भी कम हो वेतन शीर्ष के अधीन आय की संगणना में अनुज्ञात है।

—सत्कार भत्ता धारा 16(ii)

—नियोजन पर कर-धारा 16(iii)

7. यहाँ सकल वेतन में से दावा की गई कटौतियों की कुल रकम दीजिए।

8. यहाँ “वेतन” शीर्ष के अधीन प्रभार्य आय उपर्दर्शित कीजिए।

ख. गृह संपत्ति से आय

1. कृपया संपत्ति/(संपत्तियों) का/के पूरा/पूरे डाक पता/पते दीजिए। यदि निर्धारिती एक से अधिक संपत्तियों का स्वामी है तो कृपया उसका एक अलग कागज पर उल्लेख कीजिए और उसे विवरणी के साथ संलग्न कीजिए।

2. यह उपर्दर्शित करने के लिए कि संपत्ति स्वामी के अधिभोग में है या नहीं, यथास्थिति, “हाँ” या “नहीं” शब्द को काट दीजिए।

3. यहाँ वार्षिक किराया मूल्य या प्राप्त/प्राप्त वार्षिक किराया, इनमें से जो भी अधिक हो, उपर्दर्शित करें। यदि आप एक से अधिक गृह भंपत्ति के स्वामी हैं, यहाँ उपर्दर्शित स्थानों का प्रयोग करते हुए ऐसी प्रत्येक संपत्ति के बारे में पृथक संगणना दें।

4. यहाँ धारा 23 के अधीन अनुज्ञेय कटौतियों का दावा कीजिए जैसे:

(क) नगरपालिका या : निर्धारिती कटौती का तभी दावा करें जब वे (i) उसके द्वारा वहन किए जाते हैं, किराएदार द्वारा नहीं और (ii) वर्ष के दौरान संदत किए गए हैं: कृपया ऐसे संदाय का मध्यूत संलग्न करें।

(ख) नव संनिर्माण भवा : सुसंगत उपबंध धारा 23(i) के दूसरे परन्तुक में दिए गए हैं।

(ग) यदि ऐसी एक या अधिक संपत्तियां स्वामी के अधिभोग में स्वयं उसके निवास के प्रयोजनों के लिए हैं तो संपत्ति, जिसके बारे में निर्धारिती यह दावा करना है कि उनका धारा 23(2) उपबंधों के अनुसार वार्षिक मूल्य “कुछ नहीं” माना जाए, विनिर्दिष्ट की जाएंगी।

कटौती की प्रत्येक मद उसके अधीन दावा की गई कटौती योग्य रकम सहित अलग अलग विनिर्दिष्ट करें।

5. यहाँ धारा 23 के अधीन दावा की गई कटौती की कुल राशि उपर्दर्शित की जानी है।

6. यहाँ अनिश्चय उपर्दर्शित करें (अर्थात् 3-5)

7. यहाँ धारा 24 के अधीन दावा की गई कटौतियों उपर्दर्शित करें (प्रत्येक मद अलग अलग विनिर्दिष्ट करें) जैसे :

(1) मरम्मत—निर्धारिती वार्षिक मूल्य के घूषांक का मरम्मत के रूप में हकदार है, यदि उसे किराएदार द्वारा वहन नहीं किया जाता है—धारा 24(1)(i)।

(ii) बीमा धारा 24(1)(ii)

(iii) वार्षिक प्रभार—धारा 24(1)(iv)

(iv) भूमि का किराया—अधारा 24(1)(v)

(v) उधार ली गई पूँजी पर व्याज—धारा 24(1)(vi)

(vi) भू राजस्व—धारा 24(1)(vii)

(vii) संग्रहण प्रभार (अनुज्ञेय पर्सिस्मा वास्तविक व्यवय या वार्षिक किराया मूल्य का 6 प्रतिशत, इनमें से जो भी कम हों, हैं)---धारा 24(1)(viii)

(viii) रिक्त रहने का भत्ता—धारा 24(1)(iv)

(ix) किराया जो बसूल नहीं किया जा सकता—धारा 24(1)(x)

8. यहां धारा 24 के अधीन दावा की गई कटौतियों की कुल राशि उपदर्शित की जानी है।

9. यहां “ग्रह संपत्ति में आव” शीर्ष के अधीन प्रभार्य आय (अर्थात् 6-8) उपदर्शित की जानी है।

पृष्ठ 3**ग. पूँजी अभिलाभ**

1. अन्तरित आस्तियों का विवरण है। अल्पकालिक और दीर्घकालिक आस्तियों के लिए पृथक स्तम्भ दिए गए हैं। तदनुसार अन्तरित आस्तियों की विशिष्टियां संबंधित स्तम्भों में दी जाएँ। यदि अन्तरण में दो से अधिक अल्पकालिक/दीर्घकालिक/आस्तियों अंतर्वलित हों तो पृथक संगणना पश्चा दिए गए फार्म में, विवरणी के साथ संलग्न करें।

2. यहां निर्धारिती द्वारा आस्ति के अर्जन की तारीख उपदर्शित कीजिए।

3. यहां वह तारीख लिखें जिसको आस्ति अंतरित की गई है।

4. कृपया यहां मासों में वह अवधि जिसमें निर्धारिती ने अंतरण से पूर्व आस्ति धारित की है उपदर्शित करें।

5. कृपया यहां उपदर्शित करें कि अंतरण की निम्नलिखित रीतियों में से कौन सी रीति अपनाई गई है:—

(i) आस्ति का विक्रय विनियम या त्याग; या

(ii) उसमें किसी अधिकार का त्याग, या

(iii) किसी विधि के अधीन उसका अनिवार्य अर्जन, या

(iv) उस दशा में जब कि आस्ति के स्वामी द्वारा उसे अपने द्वारा चलाए जा रहे किसी कारबार में व्यापार स्टाक में संपरिवर्तित कर दिया गया है या उसके द्वारा इस रूप में मान लिया गया है, ऐसा संपरिवर्तन या मानना; या

(v) कोई संव्यवहार जिसमें संपत्ति अंतरण अधिनियम 1882 (1882 का 4) की धारा 53क में निर्दिष्ट प्रकृति की किसी संविदा के भागिक पानन के लिए किसी स्थावर संपत्ति का कछा लिया जाना या रहे रहना अनुजात किया जाना अन्तर्वलित हो; या

(vi) कोई संव्यवहार (चाहे किसी महकारी सोसाइटी, कंपनी या अन्य धर्कित संगम में उसका सदस्य बन कर या उसमें शेयर अर्जित करके या किसी कारबार द्वारा या किसी समझौता द्वारा किसी अन्य ढंग से जो भी हो) जो किसी स्थावर संपत्ति के अंतरण का प्रभाव रखता हो या उसके उपभोग के लिए समर्थ बनाता हो।

अनिवार्य अर्जन की दशा में, कृपया अलग पत्रे पर उप अधिनियम का जिसके अधीन उक्त अर्जन किया गया है और साथ ही अधिसूचना की तारीख तथा संबंधित प्राधिकरण द्वारा संपत्ति के कब्जे का उल्लेख करें।

6. आस्ति के अंतरण से बसूल/बसूली योग्य रकम यहां उपदर्शित की जानी है।

7. कृपयां यहां उपदर्शित करें :

(i) अर्जन की लागत: यह निर्धारिती धारा आस्ति के अर्जन में उपगत लागत है या धारा 49 और धारा 55(2) के निबन्धनों के अनुसार लागत।

(ii) मुधार की लागत: “गुणविल” के संबंध में यह “शून्य” है जबकि अन्य आस्तियों के संबंध में यह आस्ति के मुधार में उपगत लागत है—धारा 56(1)(ख)

(iii) अन्तरण की लागत: यह आस्ति के अन्तरण के संबंध में लागत है—धारा 48(1)(क)(i)

8. यहां 7 की कटौतियों की कुल राशि उपदर्शित करें।

9. यहां अतिशेष रकम (6-8) उपदर्शित करें। यदि इसका परिणाम हानि हो तो उसे (-) अंडा चिन्ह द्वारा उपदर्शित करें।

10. लन्ध कटौतियां: यहां अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूँजी अभिलाभों के संबंध में अनुज्ञेय कटौतियां अलग अलग उप-वर्गित की जाएँगी। कृपया प्रत्येक मद उस अधीन कटौती योग्य रकम सहित विनिर्दिष्ट करें। यदि स्थान अपर्याप्त हों तो यन्य पत्रों का प्रयोग करें। यदि दीर्घकालिक पूँजी आस्ति के संबंध में 9 के अतिशेष का परिणाम हानि हो तो, ऐसी हानि की रकम धारा 48(3) के उपबन्धों के अनुसार निकाली जानी चाहिए।

अनुच्छेद कटौतियां निम्नलिखित हैं :

1. अल्पकालिक पूँजी अभिलाभ :

- (i) वह रकम जो धारा 54(i) 54ब(1) या 54छ(1) के अधीन छूट प्राप्त है।
- (ii) वह रकम, जो धारा 54ब(2), 54ब(2) या 54छ(2) के अधीन जमा की गई है।

II. दीर्घकालिक पूँजी अभिलाभ :

- (i) वह रकम जो धारा 53, 54(1), 54ब(1), 54ब(1) 54छ(1) या 54छ(1) के अधीन छूट प्राप्त है।
- (ii) वह रकम जो धारा 54(2), 54ब(2), 54ब(2), 54छ(1), 54छ(4), या 54छ(2) के अधीन जमा की गई है।
- (iii) धारा 48(2) के अधीन।

11. कृपया यहां अनिश्चय रकम (9-10) उपर्युक्त करें। यदि 9 के प्रतिरोध का परिणाम हासि हो तो उसे यहां दोहराया जाए।

12. यहां “पूँजी अभिलाभ” (धारा 50 के अधीन से भिन्न) शीर्ष के अधीन आय समझी गई रकम उपर्युक्त करें। कृपया प्रत्येक मद उसके अक्षीन सम्बन्धित किए जाने योग्य रकम सहित अलग विनिर्दिष्ट करें। ऐसी समझी गई आय से संबंधित सुसंगत उपबंध धारा 45(2)/(3)/(4)/(5), 54(2), 54ब(2), 54ब(2), 54छ(2), 54छ(4) और 54छ(2) में हैं।

13. यहां पूँजी अभिलाभ (धारा 50 के अधीन से भिन्न) समझी गई कुल रकम इसमें उपर्युक्त की जानी है। यह अल्पकालिक और दीर्घकालिक आस्तियों के संबंध में अलग अलग उपर्युक्त की जाए।

14. यहां अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूँजी अभिलाभों के लिए 11 और 13 के शुद्ध परिणाम अलग अलग उपर्युक्त करें।

15. यहां धारा 50 के अधीन अल्पकालिक पूँजी अभिलाभ उपर्युक्त करें। उसका सुसंगत व्यीरा एक अलग पन्ने पर दें और उसे विवरणी के साथ संलग्न करें।

16. धारा 50 के अधीन अल्पकालिक पूँजी अभिलाभ “पूँजी अभिलाभ” शीर्ष के अधीन अन्य अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूँजी अभिलाभ/हासि की अवधिवार रकम आंतरिक स्तम्भों में प्रदर्शित करें और इनकी कुल रकम कुल योग में।
क. अन्य दस्तों से आय :

1. (क) कृपया लाभांश की सकल रकम उल्लिखित करें। निम्नलिखित जानकारी देते हुए पृथक पश्चा संलग्न करें :—
- (i) कंपनी का नाम;
 - (ii) शेयरों की संख्या;
 - (iii) लाभांश की सकल रकम;
 - (iv) स्वोल पर काटा गया कर।

यदि निर्धारिती ने धारा 2(22)(ग) के अधीन उल्लिखित प्रकृति की कोई राशि प्राप्त की है और जो लाभांश समझी गई है तो कंपनी का नाम और पता प्राप्त संदाय की प्रकृति और इस प्रकार प्राप्ति राशि बताते हुए विवरण प्रस्तुत करें।

कृपया लाभांश अधिपति और अन्य समर्थक साक्ष्य संलग्न कीजिए।

- (ख) कृपया प्राप्त किए गए/प्राप्त ब्याज की सकल रकम को उल्लिखित करें। प्राप्त किया गया/प्राप्त ब्याज की प्रत्येक मद के संबंध में जानकारी देते हुए पृथक पश्चा संलग्न करें और समर्थक साक्ष्य संलग्न करें।
- (ग) यहां लाटरी वर्ग पहेली और दौड़ आदि से हुई जोत की सकल रकम लिखें और समर्थक साक्ष्य संलग्न करें। यदि दो या अधिक मदें हों तो पृथक संगणना संलग्न करें।
- (घ) यहां किराए पर दी गई मशीनरी प्लांट या फर्नीचर से आय और उस भवत से ऐसी आय जिसके किराए पर देने के उक्त मशीनरी प्लांट या फर्नीचर को किराए पर देने से अलग न किया जा सके, यदि यह “कारवार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ” शीर्ष के अधीन आय कर में प्रभार्य नहीं है उपर्युक्त करें।
- (ङ) “अन्य दस्तों से आय” शीर्ष के अधीन प्रभार्य अन्य आय विनिर्दिष्ट करें।
2. यहां सकल प्राप्तियों की कुल राशि उपर्युक्त की जानी है।
 3. तद्धीन दावा की गई कटौतियों की मदें और रकमें विनिर्दिष्ट करें। सुसंगत उपबंध धारा 57 में है।
 4. यहां दावा की गई कटौतियों का योग उपर्युक्त करें।

5. यहां “अत्य स्त्रीतों से आव” शीर्षि के अत्रोत प्रभार्य आय उपदर्शित को जानी है।

पृष्ठ 4

ड. पूर्व निर्वाचन वर्षों में अत्यनीत अनामेलित हानियां

1. “पूर्जी अभिनन्दन” और “अत्य स्त्रीतों से आव” शीर्षि के अत्रोत अनामेलित हानियों का ब्यौरा है। गुरुंगत उपत्रंघ आय कर अधिकारियम की धारा 74 और 74क में हैं।

यदि दिया गया स्थान अपर्याप्त है तो यहां उपदर्शित स्तम्भों का प्रयोग करते हुए एक अन्य पन्थे पर ब्यौरा दें और उसे विवरणी के साथ लगायें।

च. कुल आय का विवरण

1. यहां आय के विभिन्न शीर्षि के अधीन मरक से घके सामने कर से प्रभार्य रकम लिखें। ये वहां होनी चाहिए जो क्रमशः पृष्ठ 2 पर मरक 4 और घ 9 पृष्ठ 3 पर मरक 16 और घ 5 के सामने वर्णित की गई है।

2. यहां क से व की कुल राशि उपदर्शित की जाए।

3. यहां पूर्व निर्वाचन वर्षों से यातोत अनामेलित उपदर्शित करंजिता चालू वर्ष की आय के विषद्द मुजरा करने का पृष्ठ 4 पर मरक 4 में दावा किया गया है।

4. कर से प्रभार्य मरक कुल आय (2-3) यहां उपदर्शित की जाती है।

5. 1. यहां अध्याय 6-क के अधीन निर्वाचिती धारा दावा की गई कटौतियां उपदर्शित की जाएं।

2. कावा संदाय/प्रभिदाय की मदानुसार सकत रकम अर्द्धकरन और शुद्ध कटौती योग्य रकम लिखें। यदि दिया गया स्थान अपर्याप्त हो तो संगणना पृष्ठक पन्थे पर दें और उसे विवरणी के साथ संलग्न करें।

3. कृपया दावा के समर्पन में संदाय/प्रभिदाय का सबूत भी संलग्न करें।

अव्याप्त 6-क के अधीन पात्र कटौतियों का संबंध निम्नलिखित से है:

(1) राष्ट्रीय बचत स्कीम 1987 के अधीन निक्षेप या जीवन बीमा निगम की आस्थगित वार्षिक योजना में संदाय : ये अधिकतम सीमा 40,000 रु. के अधीन रहते हुए 100 प्रतिशत की दर से कटौती योग्य है। (धारा 80गक)

(2) साधारण शेयर बचत स्कीम में विनियात : यह अधिकतम सीमा 10,000 के अधीन रहते हुए 10 प्रतिशत की दर से कटौती योग्य है। (धारा 80गज)

(3) चिकित्सा बीमा के लिए साधारण बीमा निगम को गंदत प्रीमियम : चिकित्सा बीमा के लिए गंदत प्रीमियम की बाबत अधिकतम सीमा 3000 रु. है। (धारा 80घ)

(4) अग्रुविधाग्रस्त अतिथियों की विकित्सा उपचर ग्राफि के लिए उपगत व्यय को बाबत कटौती : अधिकतम सीमा 6,000 रु. है। (धारा 80घव)

(5) कठिपथ निधियों पूर्व संस्थाओं आदि को दाव : कठिपथ निधियों, पूर्व संस्थाओं आदि को केवल वही नकद दान धारा 80ठ के अधीन कटौती के लिए पात्र होगा यदि उप रकम का योग 250 रु. ने अधिक है। संपूर्ण अधिकतम सकल कुल आय की 10 प्रतिशत है। (जिसमें से वह रकम घटा दो जाएगी जिस पर कोई संदेश नहीं है या जिसके प्रति निर्देश से करदाता अध्याय 6-क के अधीन किसी कटौती का हकदार है)। (धारा 80ठ)

(6) सुसज्जित या अमज्जित निवास स्थान के लिए गंदत किराया : करदाता जो कोई मकान किराया भत्ता प्राप्त नहीं कर रहा है वर्गीकृत गहरों में से किसी एक में जिसमें नगर बस्ती भी है, स्थित निवास स्थान के लिए संदेश किराया भत्ता, संपूर्ण अधिकतम सीमा 1000 रु. प्रतिमास या कुल आय के 25 प्रतिशत के इनमें से जो जी कम हो अधीन रहते हुए कटौती अनुज्ञेय है। (धारा 80ठछ)

(7) वैज्ञानिक अनुग्राहान, ग्राम विकास के लिए सात वैज्ञानिक अनुग्राहान या ग्राम विकास या प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए या वनरोपण के लिए कोई गंदत रकम कठिपथ दानों की बाबत धारा 80 छठक के अधीन 100 प्रतिशत कटौती के लिए उपलब्ध है।

(8) लाभांश, ब्याज, आय आदि कठिपथ लेयरों, यूनिटों आदि में निक्षेपों पर ब्याज के रूप में आय, 13000 रु. की संपूर्ण अधिकतम सीमा तक कटौती के लिए पात्र है। (धारा 800)

- (9) परिवर्तनीय सीमाओं और कतिपय शर्तों के अधीन रहते हुए सरकारी सोसाइटियों की विनिर्दिष्ट आय (धारा 80ज)
- (10) प्राचार्यों, शिक्षकों आदि की दशा में कतिपय विदेशी स्वतों से पारिश्रमिक आदि : संपूर्ण अधिकतम सीमा ऐसे पारिश्रमिक की 50 प्रतिशत या भारत में विदेशी मुद्रा विनियमन के अनुसार लाए गए पारिश्रमिक का 75 प्रतिशत, जो भी अधिक हो, है (धारा 80द)
- (11) भारत से बाहर की गई सेवाओं के लिए प्राप्त पारिश्रमिक : संपूर्ण अधिकतम सीमा ऐसे पारिश्रमिक की 50 प्रतिशत या भारत में विदेशी मुद्रा विनियमन के अनुसार लाए गए पारिश्रमिक की 75 प्रतिशत जो भी अधिक हो, है। (धारा 80दद)
- (12) उन व्यष्टियों द्वारा, जो पूर्णतः अन्धे हैं या स्थायी रूप से विकलांग हैं या मानसिक मंदता से ग्रस्त हैं, 15,000 ₹ की कटौती का दावा किया जा सकता है (धारा 80प)

6. यहां कर से प्रभार्य कुल आय (4-5) दी जानी है।

7. यहां उपबंधित रीति से, दस रुपये के निकटतम गुणज तक पूर्णकित कुल आय का शब्दों और अंकों दोनों में उल्लेख कीजिए।

8. यहां सुसंगत वित्त अधिनियम की पहली अनुमूली के भाग 4 के अनुसार संगणित शुद्ध कृषि आय दी जानी है।

9. यहां अन्य व्यक्तियों को उद्भूत आय, जो निर्धारिती की कुल आय में सम्मिलित की गई है, दी जानी है।

10. यहां ऐसे अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) का नाम और नातेदारी दीजिए।

11. यदि किसी आय पर कर, विशेष दर से जैसे लाटरी आदि से जीत की बाबत धारा 115 कर के अधीन या अनिवासी भारतीय की दशा में धारा 115द के अधीन या अधिनियम के किसी अन्य उपबंधों के अधीन अधिकतम भार्जित दर से प्रभार्य है तो उसका ब्यौरा पृथक पन्ने पर दीजिए।

भाग 2

पृष्ठ 5

करों का विवरण

1. यहां कुल आय पर सदेय कुल कर दिया जाना है।

2. यहां निम्नलिखित उपर्युक्त करें —

(क) धारा 88 और 88क के अधीन दावाकृत रिवेट वे निम्नलिखित हैं :

I. अधिनियम की धारा 87 में अनुध्यात है कि किसी निर्धारिती की कुल आय पर उक्त आय कर की रकम की संगणना करने में जिसके लिए वह किसी निर्धारित के लिए प्रभार है, आय-कर की रकम में से (जो अध्याय 8 के अधीन कटौतियों को अनुज्ञात करने से पूर्व संगणित की गई है) धारा 88 और 88क उपबंधों के अनुसार और उनके अधीन रहते हुए; इन धाराओं में विनिर्दिष्ट कटौतियों अनुज्ञात की जाएंगी। इसमें आगे यह उपबंध भी है कि धारा 88 या धारा 88क के अधीन कटौतियों की रकम का योग किसी भी दशा में निर्धारिती की कुल आय पर उस आय कर की रकम से (जो अध्याय 8 के अधीन कटौतियों को अनुज्ञात करने के पूर्व संगणित की गई है) अधिक नहीं होगा, जिससे वह किसी निर्धारण वर्ष के लिए प्रभार्य है।

II. धारा 88 और 88क के उपबंधों उस निर्धारिती को लागू हैं जो,—

(क) कोई व्यष्टि है, या

(ख) कोई हिन्दू अवधिकरण कुटुम्ब है, या

(ग) ऐसे व्यक्तियों का संगम या व्यष्टियों का निकाय है, जिसमें, दोनों दशाओं में, केवल पति, पत्नी हैं जो गोवा राज्य तथा दादरा और नागर हवेली तथा दमण और दीव संघ राज्य क्षेत्रों में प्रवृत्त सामुदायिक संपत्ति की पद्धति से शासित होते हैं।

धारा 88 के अधीन इस धारा के अधीन कोई निर्धारिती उसकी कुल आय पर किसी निर्धारण वर्ष के लिए प्रभार्य आय-कर की रकम में से (जो अध्याय 8 के अधीन कटौतियों के अनुज्ञात करने से पूर्व संगणित की गई) विसके लिए वह प्रभार्य है, उसकी उपधारा (2) में निर्दिष्ट कुल राशियों के योग के 20 प्रतिशत के बराबर रकम की कटौती का हकदार होगा।

ये राशियां निम्नलिखित हैं—

जीवन बीमा प्रीमियम, भविष्य निधि अभिदाय, आवासीय गृह संपत्ति के क्रप/निर्माण के लिए सरकार, बैंक आदि से लिए गए, क्रहन की/का कित्त/भागतः संदाय/प्रतिसंदाय के लिए किया गया भुगतान। लेवक, नाटककार, कलाकार, संगीतज्ञ, अभिनेता या खिलाड़ी (जिसके अंतर्गत खेलकूद में भाग लेने वाला भी है) की दशा में अर्हक रकमों की संगुण अधिकतम सोमा 70,000 रु. की है, किसी व्यष्टि या किसी हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब या किसी व्यक्तियों के संगम या व्यष्टियों के निकाय की दशा में 50,000 रु. है।

धारा 88 के अधीन दावा की गई रिवेट का योग मद 2(k)(i) योग में उपदर्शित किया जाना चाहिए।

धारा 88क के अधीन : इस धारा के अधीन कोई निर्धारिती जिसने कर से प्रभाव्य आय में से पूर्व वर्ष में कतिपय नए शेयर या यूनिट अर्जित किए हैं अपनी कुल आय पर किसी निर्धारण वर्ष के लिए प्रभाव्य आय कर की रकम में से (जो अध्याय 8 के अधीन कटौती अनुज्ञात करने से पूर्व संगणित की गई है) ऐसे निर्धारिती के शेयरों या यूनिटों की लागत के बीच प्रतिशत के बराबर रकम की कटौती का हकदार होगा।

ये शेयर और यूनिट निम्नलिखित हैं—

(i) ऐसे साधारण शेयर जो पात्र पूंजी पुरोधरण का भाग बनाते हैं, या

(ii) धारा 10 के खंड (23व) के अधीन विनिर्दिष्ट किसी पारस्परिक निधि की या भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963, (1963 का 52) की धारा 3 के अधीन स्थापित भारतीय यूनिट ट्रस्ट की किसी स्कीम के अधीन पुरोधृत यूनिट, यदि ऐसों यूनिटों में अभिदाय की राशि, ऐसी स्कीम के अधीन केवल पात्र पूंजी पुरोधरण को अंतिम अभिदाय के छह मास के अंतर प्रतिश्रुत की जाती है।

अधिकतम अर्हक रकम, जिसकी बाबत कोई निर्धारिती इस धारा के अधीन रिवेट का दावा कर सकेगा, 25,000 रु. है। धारा 88क के अधीन दावाकृत रिवेट का योग मद 2(k)(ii) योग में उपदर्शित किया जाना चाहिए।

मद 2(k)(i) और 2(k)(ii) की रकम का योग मद 2(k)(iii) में उपदर्शित किया जाना चाहिए।

(ख) धारा 89(i) के अधीन राहत (कृपया ब्यौरे संलग्न करें)।

2(क) और (ख) की रकम का योग कृपया बाह्य स्तम्भ में उपदर्शित करें। योग

3. यहां संदेय आय कर की अतिशेष रकम उपदर्शित करे (अर्थात् 1-2)।

4. यहां संबंधित स्तंभों में (क) अग्रिम कर की किस्तों और (ख) स्रोत पर कटौती किए गए (संग्रहित) करों का ब्यौरा दें। धारा 206ग के अधीन स्रोत पर संग्रहित किया गया कर किसी अन्य आय के सामने उपदर्शित किया जा सकता है।

7. स्वतः निर्धारण पर (अर्थात्, क्षिरणी फाइल करने से पहले) संदत्त कर और ब्याज का ब्यौरा दें और इस प्रकार संदत्त की गई रकम के समर्थन में चालान भी संलग्न करें।

8. यहां अन्य पूर्व संदत्त कर, यदि कोई हो, उपदर्शित किए जाने हैं। कृपया ऐसे संदाय का सबूत संलग्न करें।

9. यहां संदत्त कर ब्याज की कुल राशि दी जानी है (अर्थात् 6 + 7 + 8)

10. यहां, यथास्थिति, संदेय कर/ब्याज या शोध्य प्रतिदाय उपदर्शित किया जाना है। प्रतिदाय को उपदर्शित करने के लिए इसे क्रहन (-) के चिन्ह से दर्शाएं।

पृष्ठ - 6

भाग - 3

आय जिसके लिए छूट का दावा किया गया है।

1. यहां आय जिसके लिए छूट का दावा किया गया है, उपदर्शित की जाएगी। ऐसी आय की मद के लिए जिसके लिए छूट का दावा किया गया है, कृपया उसकी प्रकृति, वह रकम जिसके लिए छूट का दावा किया गया है और उस दावे के लिए कारण विनिर्दिष्ट करें।

भाग-4 संलग्न दस्तावेजों/विवरणों की सूची

- यहां आय की विवरणी के साथ संलग्न दस्तावेजों/विवरणों का पूरा व्यूरा है।

सत्यापन

उस पर हस्ताक्षर करने से पहले, सत्यापन के नीचे दिए गए अनुदेशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। सत्यापन में सभी सुसंगत स्तंभों को भरें। उपर्युक्त रूप में स्थान और तारीख लिखें। जहां कहीं आवश्यक हो, विवरणी के साथ मुख्यालयमें के वस्तावेज संलग्न करें।"

[सं 8868/फा. सं. 142/1/91 – टीपीएल]
मुनील चौपड़ा, निदेशक (टीपीएल)

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
(Central Board of Direct Taxes)

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th April, 1991

INCOME - TAX

S.O. 258 (E).— In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:—

- These rules may be called the Income-tax (Eighth Amendment) Rules, 1991.
- In the Income-tax Rules, 1962,—
 - in sub-rule (1) of rule 12, after the word and figures "section 139", the following words, figures and brackets shall be inserted and shall be deemed to have been inserted with effect from the 1st day of April, 1989, namely:—"or clause (i) of sub-section (1) of section 142";
 - in Appendix II, for Form Nos. 2 and 3, the following Forms shall be substituted with effect from the 15th day of May, 1991, namely:—

FORM NO. 2

RETURN OF INCOME
[SEE RULE 12(1)(b)(i)]

Receipt No. _____
Date _____

[For assessees (other than companies and those claiming exemption under section (11) whose total income includes "Profits and gains of business or profession")]

(PLEASE READ THE ATTACHED NOTES CAREFULLY BEFORE FILLING THIS FORM)

- | | |
|--|-----------------------------|
| 1. Original/Revised/U/s 142(1)(i)/148/237 | 2. Assessment Year 19 _____ |
| 3. If revised, Receipt No. and date of filing of original return | 4. PAN/
GIR No. _____ |
| | Ward/Circle/
Range |

19

6. Status

7. Residential Status

5. Name (Surname First) (in Block Letters)

8. Office Address (in Block Letters)

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

Telephone

PIN

9. Residential Address (in Block Letters)

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

Telephone

PIN

10. Please indicate :

- | | | | | |
|--|--------|--|--|--------|
| (a) Are you a citizen of India? | Yes/No | (e) Is this your first Assessment? | Yes/No | |
| (b) Are you a person of Indian origin? | Yes/No | (f) Are you assessed to Wealth-tax? | Yes/No | |
| (c) Are you an NRI in whose case any part of income is to be taxed in accordance with the provisions of Chapter XIIA?
(If Yes, please file the details in a separate sheet) | | (g) Have you claimed any Double Taxation Relief? | | |
| | | Yes/No | (i) Under Agreement with Foreign Countries | Yes/No |
| | | | (ii) In respect of Country with which no Agreement exists
Name of the country _____ | Yes/No |
| (d) Does the HUF have at least one member whose total income is taxable for this Assessment Year ? | () | (h) Are the accounts required to be audited under this Act or any other law? | Yes/No | |
| | Yes/No | If yes, whether report attached? | Yes/No | |

11. In case of a firm, receipt No. & date of furnishing Form No. 11/11A/12 (Strike out whichever is not applicable)

PART-I COMPUTATION OF INCOME INCLUDING INCOME OF OTHER PERSONS INCLUDIBLE IN ASSESSEE'S TOTAL INCOME AND NET AGRICULTURAL INCOME**A. SALARIES****Government Yes / No**

Name(s) and Address(es) of Employer(s) _____

1. Salary (including all allowances)

Rs. _____

2. Less : Allowances exempt u/s 10

- (a) _____
- (b) _____
- (c) _____

Rs. _____

Rs. _____

Rs. _____

Rs. _____

(i) Cost of Acquisition	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----
(ii) Cost of Improvement	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----
(iii) Cost of Transfer	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----
8. Total of deductions of 7	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----
9. Balance (6 - 8)	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----
10. Less: Other deduc- tion(s)	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----
11. Balance (9 - 10)	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----
12. Add/Deduct: Amount deemed to be Capital Gains (Other than U/s 50) (Please specify)				
(a)	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----
(b)	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----
13. Total [12(a) + 12(b)]	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----
14. Total (11 + 13)	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----
15. Short-term Capital Gains U/S 50				Rs. -----

16. INCOME CHARGEABLE UNDER HEAD "CAPITAL GAINS":

	Upto 15/9	16/9 to 15/12	16/12 to 31/3
SHORT-TERM CAPITAL GAINS U/S 50	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----
OTHER SHORT-TERM CAPITAL GAINS	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----
LONG-TERM CAPITAL GAINS	Rs. -----	Rs. -----	Rs. -----
TOTAL:	Rs. -----	Rs. -----	Rs. ----- Grand Total Rs. -----

E. INCOME FROM OTHER SOURCES

1. (a) Dividends	Rs. -----		
(b) Interest	Rs. -----		
(c) Winnings from lotteries, cross word puzzles, races etc.	Rs. -----		
(d) Rental income from machinery, plants, buildings etc.	Rs. -----		
(e) Others	Rs. -----		
2. Total of 1 (a) to 1 (e)			Rs. -----
3. Less: Deductions; (Please specify)			
Depreciation	Rs. -----		
4. Total of deductions of 3	Rs. -----		
5. INCOME CHARGEABLE UNDER THE HEAD "INCOME FROM OTHER SOURCES" (2-4)	Rs. -----		Rs. -----

F. UNABSORBED LOSSES OR ALLOWANCES BROUGHT FORWARD FROM PRECEDING ASSESSMENT YEARS

	8th	7th	6th	5th	4th	3rd	2nd	1-t	Amount(s) to be set off against current year's income (Rs.)	Indicate whether determined or as per last return	Indicate whether same business continued (Yes/No)
1. -----											
a. Assessment year (Please specify)											
b. Business loss											
i. Speculation											
ii. Other than Speculation											
c. Depreciation											
d. Investment Allowance											
e. Any other loss/ Allowance (Please specify)											
2. Depreciation earlier to 8th preceding Assessment Year									A.Y. Amount (Rs.)		

G. STATEMENT OF TOTAL INCOME

1. A. SALARIES	(Item A.8)	Rs.-----		
B. INCOME FROM HOUSE PROPERTY	(Item B.9)	Rs.-----		
C. PROFITS AND GAINS OF BUSINESS OR PROFESSION	(Item C. 18)	Rs.-----		
D. CAPITAL GAINS	(Item D. 16)	Rs.-----		
E. INCOME FROM OTHER SOURCES	(Item E. 5)	Rs.-----		
2. Total (A To E)		Rs.-----		
3. Less: Brought forward unabsorbed losses or allowances from preceding assessment years:				
I. a. ----- b.(i) ----- b.(ii) ----- c. ----- d. ----- e. ----- 2. -----	(Item F.)	Rs.-----		
4. Gross Total income (2-3)		Rs.-----		
5. Less: Deductions under Chapter VI-A: (Please specify)	Gross Amount (a) (Rs.)	Qualifying Amount (b) (Rs.)	Deductible Amount (c) (Rs.)	
-----	-----	-----	-----	
-----	-----	-----	-----	
-----	-----	-----	-----	
-----	-----	-----	-----	
-----	-----	-----	-----	
Total			Total of (c)	Rs.-----

6. Total Income (4-5)	Rs.-----
7. Total Income (as rounded off to the nearest multiple of ten rupees) (In words)	Rs.----- Lacs Thousands Hundreds Tens
-----	-----
-----	-----
-----	-----
8. Net Agricultural Income for rate purposes	Rs.-----
9. Income included in items A to E being income arising to spouse/minor child/son's wife/son's minor child or any other person or association of persons.	Rs.-----
10. Name & relationship of such person	-----
11. Income included in items A to E which is chargeable to tax at special rates	Rs.-----

PART-II--STATEMENT OF TAXES

1. Tax on Total Income	(a) At Special rates	Rs.-----	
	(b) At normal rates	Rs.-----	Total Rs.-----
2. Less : (a) Rebate Under sections 88 and 88A :			
(Please specify item)	Gross Amount Rs.	Qualifying Amount Rs.	Tax Rebate i.e. 20% of the qualifying amount Rs.
(i) U/S 88	-----	-----	-----
-----	-----	-----	-----
-----	-----	-----	-----
-----	-----	-----	-----
-----	-----	-----	-----
(ii) U/S 88A	-----	-----	(i) Total -----
-----	-----	-----	-----
-----	-----	-----	-----
TOTAL (Rs.)	-----	-----	(ii) Total -----
			(iii) [i.e. (i)+(ii)]
			Rs.-----

(b) Rebate in respect of share income from URF/AOP/BOI at the average rate of Income-tax	Rs.	Total Rs.
(c) Relief Under Section 89(1)	Rs.	Rs.
3. Balance (1-2)		
4. Add		
(a) Interest on Late filing of return	Rs.	
(b) Interest for default in payment of Advance tax	Rs.	
(c) Interest for deferment of Advance tax	Rs.	Total Rs.
5. TOTAL TAX AND INTEREST PAYABLE (3 + 4)		Rs.
6. Prepaid Taxes	(A) Advance tax Instalments (Attach Challans)	

Amount Rs.	1st	2nd	3rd	Total
Date				
Name of Bank				
Branch				

(B) Tax Deducted/Collected at Source from [Attach certificate(s)] :

(a) Salaries	Rs.
(b) Interest	Rs.
(c) Dividends	Rs.
(d) Any other income (Please specify)	Rs.
(e) Total [(a) to (d)]	Rs.

7. Tax on Self-assessment (Attach challan)

Date of Payment	Amount		
	Income-tax	Interest out of 4 above	Total
19	Rs.	Rs.	Rs.
8. Other prepaid taxes, if any (Please specify and attach proof)		Rs.	
9. TOTAL (6 to 8)		Rs.	
10. TAX/INTEREST PAYABLE OR REFUND DUE (i.e. Difference of 5 & 9)		Rs.	

PART-III— INFORMATION RELEVANT TO BUSINESS OR PROFESSION

1. General Particulars :

a. Name in which business/profession is carried on

.....

b. Name(s) and address(es) of branch(es)

.....

c. Nature of business or profession

.....

d. Method of Accounting : Mercantile/Cash/Mixed

.....

e. Method of Stock Valuation

.....

2. In the case of a Firm/AOP/BOI, please furnish following additional information :

S. No.	Name of the partner/ member	Share of profit ratio	Interest paid to partner/ member	Salary/remuneration paid to partner/ member	Commission/Bonus paid to partner/ member
(a)	(b)	(c)	(d)	(e)	(f)
.....

3. Amount deducted in computing income from Profits and Gains of Business or Profession

S. No.	Particulars	Amount (Rs.)	S. No.	Particulars	Amount (Rs.)
(a)	Depreciation	(g)	
(b)		(h)	
(c)		(i)	
(d)		(j)	
(e)		(k)	
(f)		(l)	

PART-IV. INCOME CLAIMED/EXEMPT

Nature of Income	Amount (Rs.)	Reasons for claim
1.		
(a)		
(b)		
(c)		
(d)		

PART-V LIST OF DOCUMENTS/STATEMENTS ATTACHED

1.	
(a)	
(b)	
(c)	
(d)	
(e)	
(f)	
(g)	
(h)	
(i)	

VERIFICATION

I.....(name in full and block letters)* son/daughter/wife of solemnly declare that to the best of my knowledge and belief the information given in this return and the annexures and statements accompanying it is correct and complete and that the amount of total income and other particulars shown therein are truly stated and relate to the previous year(s) relevant to the assessment year 19.....

*I further solemnly declare that during the said previous year(s)—

- (a) no other income accrued or arose to or was received by me from any asset held in my name or in the name of any other person;
- (b) there is no other income, including income of any other person, in respect of which I am chargeable to tax under the Income-tax Act, 1961.

*I further solemnly declare that during the said previous year(s)—

- (a) no other income accrued or arose to or was received by *the person for and on whose behalf this return is furnished/the person in respect of whose total income I am assessable from any asset held in *the name of the person or and on whose behalf this return is furnished/the name of the person in respect of whose total income I am assessable, or in the name of any other person;
- (b) there is no other income including income of any other person in respect of which the said person is chargeable to tax under the Income-tax Act, 1961.

I further declare that I am making this return in my capacity as.....(designation) and that I am competent to make this return and verify it.

Place.....

Date.....

**(Name and Signature)

*Strike out whichever is not applicable.

**Before signing the declaration the signatory should satisfy himself that this return and the accompanying annexures and statements are correct and complete in all respects. Any person making a false statement in the return or the accompanying annexures or statements shall be liable to prosecution under section 277 of the Income-tax Act, 1961 and on conviction be punishable under that section with rigorous imprisonment and with fine.

INCOME-TAX DEPARTMENT

ITS.2

NOTES (TO BE DETACHED AND RETAINED BY THE ASSESSEE)

Form No. 2

[Income-tax Act, 1961/Rule 12(1)(b)(i)]

General

- I. Form No.2 is for assessees (other than companies and those claiming exemption under section 11) whose total income includes "Profits and gains of business or profession".
- II. All Parts and columns must be filled in the manner provided hereunder. If any Part or column does not apply, please mention NA (Not Applicable) and do not put any other mark or symbol. Please do not use the phrase 'As per Record' or words to that effect.
- III. The numbers given in these notes under each page refer to the corresponding item numbers on the respective pages of the Return of Income.
- IV. In case space provided under any Head of Income is found insufficient, then give computation in respect of each such source of income on separate sheet(s) using the columns indicated for that purpose under the relevant Head of Income in the Return Form. The sum totals of such computation done should be indicated in the columns provided under the relevant Head in the Return Form. Similarly, any other information asked for in this Form, which cannot be completely furnished on account of paucity of space, may be furnished on a separate sheet.
- V. References to sections and rules in these notes are references to the sections and the rules of the Income-tax Act, 1961 and the Income-tax Rules, 1962, respectively.

Page-1

1. Strike out whichever is not applicable. If it is return for assessment year 1991-92 being filed for the first time then it is an Original Return. To indicate this, leave 'Original' as it is and strike out the rest, e.g. ORIGINAL. Similarly, to indicate a return being filed in response to a notice issued under S.142(1)(i) leave 'Original' and U/s 142(1)(i) as it is and strike out the rest.
2. Indicate the assessment year for which the return is filed. (Assessment year is a period of 12 months immediately following the financial year. Thus, for the period 1-4-1990 to 31-3-1991, the assessment year will be 1991-92.)
3. If this is a revised return, first give the receipt number and then the date of filing the original return
Example : If the original return is filed on 15-06-1991, for which the Department had issued receipt No. 4210, it should be indicated in the boxes as :

4	2	1	0	—	1	5	—	0	6	—	1	9	9	1
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

4. The Permanent Account Number given to the tax payer and Ward/Circle/Range are to be quoted here. If it is not so given, indicate the GIR number, if any. If neither is given, write NOT ALLOTTED in the first row of boxes and mention Income-tax Ward/Circle/Range where assessed or assessable in the lower row of boxes after ascertaining the same from the Public Relation Officer or at the Receipt Counter of the Income-tax Office.
5. Write your name using block letters. Surname should be given first, wherever applicable. Leave one box blank after each limb. Example : for Satya Prakash Sharma, write

S	H	A	R	M	A		S	A	T	Y	A		P	R	A	K	A	S	H
---	---	---	---	---	---	--	---	---	---	---	---	--	---	---	---	---	---	---	---

6. For indicating the status, please use one of the following codes :

(a) Individual	01
(b) Hindu Undivided Family (other than mentioned below)	02
(c) Hindu Undivided Family which has at least one member with total income of the previous year exceeding Rs.22,000.	03
(d) Unregistered Firm	04
(e) Registered firm (other than the one engaged in profession)	05
(f) Registered firm engaged in profession	06

(g)	Association of persons (AOP)	07
(h)	Association of persons (Trusts)	08
(i)	Body of individual (BOI)	09
(j)	Artificial juridical person	10
(k)	Co-operative society	11
(l)	Local authority	16

Example : If it is the case of a Hindu Undivided Family, which has at least one member with total income exceeding Rs.22,000, the correct code will be 03.

7. Please use one of the following codes to indicate the residential status :—

Resident	01
Non-resident	02
Resident but not ordinarily resident	03

Relevant provisions are in Section 6.

8 & 9. Give your complete Office and Residential addresses along with PIN codes then Telephone Numbers if any.

10. Strike out whichever is not applicable.

11. Please mention receipt No. and date of filling Form No.II/IIA/12, as the case may be, in the given space.

Page-2 Part -I

A. SALARIES

Give the name(s) and address(es) of the employer(s). If you are in the employment of Government, strike out 'NO'. In any other case, strike out 'Yes'.

1. Indicate here the gross salary received/receivable from the employer in relation to the assessment year for which the return is furnished [e.g. Salary including arrears or advance of salary, payment received in lieu of leave not availed of, bonus, wages, fees, pension (including commuted value of pension), any annuity or gratuity and house rent and all other cash allowances excepting value of perquisites and profits in lieu of salary]. Salary received/receivable from more than one employer should be included in the gross salary. Relevant provisions are in sections 15 & 17 of the I.T. Act, 1961.

In the case of an individual, if any amount is received in the current year or in the earlier year(s) as gratuity which has been claimed as exempt, a separate statement may be attached.

2. Indicate here the allowances to the extent exempt under section 10.

3. Indicate here the balance (i.e. 1-2).

4. Add the value of perquisites (other than those mentioned in column 2) and profits in lieu of salary. Specify each item separately along with the monetary value thereof, in the given column(s). If the space is inadequate, attach separate sheet.

Perquisites provided by an employer can be :

- (i) Free or concessional accommodation - Section 17(2)(i) and (ii)
- (ii) Free or concessional benefits/amenities—Section 17(2)(iii):
 - (a) Conveyance —rule 3(c)
 - (b) Gas, electricity, water- rule 3(d)
 - (c) Domestic or personal services
 - (d) Personal travelling
 - (e) Any other item (give details)

(iii) Payment by employer in respect of obligations of assessee (including children's education, income-tax etc.) and sums payable by employer for life insurance or annuity—Section 17(2)(iv) and (v).

5. The sum of items 3 and 4 should be given here. Please attach salary certificate (s)
6. Admissible deductions from salary income should be claimed here. Specify each item separately, e.g. :
 - Standard deduction : A sum equal to 33-1/3% of the salary or twelve thousand rupees whichever is less, is allowed in computing income under the head "Salaries".
 - Entertainment allowance—Section 16(ii)
 - Tax on Employment—Section 16(iii)

7. The total amount of deductions claimed from gross salary is to be given here.
8. Indicate here the income chargeable under the head "SALARIES".

B. INCOME FROM HOUSE PROPERTY

1. Please give complete postal address(es) of the property(ies). If the assessee owns more than one property, please mention that on a separate sheet and attach that to the Return.
2. To indicate whether the property is self occupied or otherwise, strike out 'Yes' or 'No', as the case may be.
3. Indicate here the annual lettable value or the annual rent received/receivable, whichever is higher. If you own more than one house property, please give separate computation in respect of each such property using the columns indicated here.
4. The deductions admissible under section 23 should be claimed here, such as :
 - (a) Municipal Taxes : Assessee can claim deduction only if these are (i) borne by him and not by tenant and (ii) paid during the year. Please attach proof of such payment.
 - (b) New construction allowance. The relevant provisions are given in the second proviso to Section 23(1).
 - (c) If one or more of such properties are in the occupation of the owner for the purposes of his own residence, that property may be specified in respect of which the assessee claims the annual value be taken at 'nil' in accordance with the provisions of section 23(2).

Specify each item of deduction separately alongwith the amount claimed deductible thereunder.

5. The sum total of deductions claimed u/s 23 is to be indicated here.
6. Indicate here the balance (i.e. 3-5).
7. Indicate here the deduction(s) claimed u/s 24 (specifying each item separately), such as :
 - (i) Repairs—The assessee is entitled to one sixth of the annual value as repairs if it is not borne by a tenant—Section 24(1)(i).
 - (ii) Insurance—Section 24(1)(ii).
 - (iii) Annual Charge—Section 24(1)(iv).
 - (iv) Ground Rent—Section 24(1)(v)
 - (v) Interest on borrowed capital—Section 24(1)(vi)
 - (vi) Land Revenue—Section 24(1)(vii)
 - (vii) Collection Charges (the admissible limit is the actual expenditure or 6% of the annual value, whichever is less)—Section 24(1)(viii)
 - (viii) Vacancy allowance—Section 24(1)(ix)
 - (ix) Unrealisable rent—Section 24(1)(x)
8. The sum total of deductions claimed u/s 24 is to be indicated here.

9. The income chargeable under the head "INCOME FROM HOUSE PROPERTY" (i.e. 6—8) is to be indicated here.

[Page--3]

C. PROFITS AND GAINS OF BUSINESS OR PROFESSION

1. Business or Profession (other than speculation business)

Please furnish with the Return following documents/information material to computation of income:

- I. If regular books of account are maintained, copies of—
 - (a) manufacturing account, trading account, profit and loss account or income and expenditure account or any other similar account and balance sheet.
 - (b) in the case of—
 - (i) a proprietary business or profession, the personal account of the proprietor ;
 - (ii) a firm, association of persons or body of individuals, personal accounts of the partners or members.
 - (c) where the accounts of the assessee have been audited, copies of the audited profit and loss account and balance sheet and the auditor's report and the cost audit report (if applicable).
- II. If regular books of account are not maintained, attach a statement indicating the amounts of turnover or gross receipts, gross profits, expenses and net profit of the business or profession and the basis on which such amounts have been computed, and also disclosing the amounts of the total sundry debtors, sundry creditors, value of stock-in-trade and cash balance as at the end of the previous year.
- III. (a) (i) If the accounts are audited under section 44AB, the report of such audit together with the requisite particulars.
 - (ii) In case the assessee has claimed deduction under Section 80HHC in respect of profits retained for export business, the report of the accountant relating to the deduction together with the requisite particulars.
 - (iii) In case the assessee has claimed deduction under section 32AB or 33AB or 80HHA or 80HHD, report(s) of the accountant in respect of the deduction(s) so claimed.
- (b) In case the provisions of sections 44AC, 44B, 44BB and 44BBA are applicable, details regarding the same.
- IV. Additional information to be furnished by assessee engaged in contract work : If the value of materials supplied by the person with whom the contract was made or the amount of security deposit (out of the payment due for work done) retained by him has not been included in the gross receipts shown, please attach a statement showing the value of materials and the amount of security deposit.
- V. Additional information to be furnished by producers of cinematograph films : Please indicate whether the statement of payments to persons engaged in the production of cinematograph films has been delivered to the concerned Assessing Officer under section 285B.
- VI. In case of a dealer, broker, agent or any other person concerned in the management of a stock or commodity exchange, he should furnish a statement of the names and addresses of all persons to whom he or the exchange has paid in the previous year any sum or aggregate sums :
 - (a) In excess of Rs. 2,000 by way of 'difference'.
 - (b) in excess of Rs. 10,000 in connection with the transfer, whether by way of sale, exchange or otherwise, of assets, or on whose behalf or from whom he or the exchange has received any sum together with particulars (amount, date, etc. of such payments and receipts).

- VII. If the assessee has 'paid during the previous year, rent, commission, royalty or brokerage or any annuity (not being annuity assessable under the head "Salaries") exceeding one thousand rupees, separate statement (according to nature of payment) showing the names and addresses of the payees and the amounts paid should be furnished in a separate sheet alongwith return. If any payee is a non-resident, it should be indicated whether tax has been deducted at source and paid to the credit of the Central Government or not. Also please attach statement containing names of persons and gross amounts in cases of sales and purchases exceeding Rs.10,000 in value.
- VIII. If the assessee is liable to deduct tax at source under section 192, 193, 194A, 194B, 194BB, 194C, 194D, 194E or 195, state whether the prescribed returns have been furnished to the concerned Assessing Officer and indicate the date(s) of furnishing such return(s).

Net Profit/Loss as per Profit and Loss Account

Give here the profit/loss as per Profit & Loss Account from business/profession (other than speculation business). Where the assessee has more than one business/profession, or has any deemed income or income from a discontinued business/profession, computation for each such business/profession should be given in separate sheets (using the same format as given in this sub-part) and attached to the return.

2. Adjustments :

- A. Please indicate additions and deductions of amounts which have not been adjusted in the Profit and Loss Account in accordance with Sections 28 to 44C.
- B. Also please furnish with the Return :
- I. Particulars in respect of depreciation allowance :
- (a) in respect of each block of assets :
- (i) description of assets forming part of the block in the beginning of the previous year, their written down value, description and cost of assets purchased during the year and the description and sale price of any asset sold during the year;
 - (ii) written down value at the end of the year;
 - (iii) the rate at which depreciation claimed and the amount of depreciation;
- (b) Description of assets forming part of the block of assets eligible for 100% depreciation during the year. Also state whether any of these assets were sold during the year and if so, the break-up of the sale price in respect of each such asset.
- (c) Description of assets forming part of the block of assets which exists but whose written down value has been reduced to NIL as the full value of the consideration received on the transfer of any asset forming part of the block during the year exceeds the written down value of the said block at the beginning of the year together with the cost of any asset of that block purchased during the year.
- II. Particulars in respect of Investment allowance/Investment deposit account :
- (a) Details of ship or aircraft or plant or machinery purchased during the year on which Investment allowance has been claimed and the rate thereof (Also attach supporting evidence of acquiring the asset).
- (b) Details of deposit(s) made with Development Bank in accordance with the Investment Deposit Account Scheme, 1986 [section 32AB(1)(a)][attach proof of deposit(s)].
- (c) Details of ship or aircraft or plant or machinery purchased on which deduction under Investment deposit account claimed [Section 32AB(1)(b)] (attach supporting evidence for the purchase).
- (d) Details of assets purchased out of the withdrawals made in accordance with the Investment Deposit Account Scheme, 1986 or the Investment Deposit Account Scheme, 1986 (Tea). [Attach supporting evidence for the purchase of the new asset, the amount(s)

withdrawn from the Industrial Development Bank of India or the National Bank for Agriculture and Rural Development, as the case may be, and the date(s) of the withdrawal(s).

- (e) Details of expenditure incurred out of the amount(s) withdrawn from National Bank for Agriculture and Rural Developinent in accordance with the Investment Deposit Account Scheme, 1986 (Tea), giving the break-up of the amount and the date(s) of the withdrawal(s).
3. Indicate the aggregate amount of adjustments separately under the Add and Deduct columns.
4. Net profit/loss (i.e. balance after adjustments of 1 and 3) should be indicated here.
5. 'Share in Profit/Loss of RF(s)' : The space provided is for indicating share from one firm. In case, assessee is a partner in more than one Registered Firm, then mention such share in profit/loss of Registered Firms on separate sheet(s) using the same columns as indicated here and attach that to the Return. Also please attach copy/copies of personal account(s) in the firm(s).
6. Adjustments : Under 'Add' and 'Deduct' columns, mention those additions and deductions which the assessee is liable/entitled to in relation to share in profit/loss of RF shown in 5 above and not already adjusted in the case of such RF.
7. Indicate the aggregate amount of adjustments separately under the Add & Deduct columns.
8. Net profit/loss (i.e. balance after adjustments of 5 and 7) should be indicated here.
9. I. Please mention here Share in Profit or Loss of URF/AOP/BOI separately in the given space and take the sum total of all these to the outer column. (Strike out whichever is not applicable). If the space provided is insufficient, use a separate sheet and attach that to the return. Where such income is not included here in the income of the assessee e.g. incomes falling in clause (a) of the proviso² to section 86(v), the details thereof and reasons for non-inclusion should be mentioned on a separate sheet and attached to the return. Further, it may be clarified whether the said share is to be included in the total income for rate purposes only or otherwise. If there is a loss, please exclude losses falling under section 77(2).
- II. Assessee should also furnish with the Return :
- (i) If a partner in an URF or a member of an AOP/BOI, his personal account(s) in such URF/AOP/BOI.
 - (ii) Complete details regarding discontinued business/profession on a separate sheet.
 - (iii) Details of the amount(s) deemed to be his income under Section 32A/32AB/33AB/ 80HHD(5).
 - (iv) If the assessee has received income from his employee as contribution to any fund specified in section 2(24)(x) during the previous year, which is chargeable to tax under the head 'Profits and Gains of Business or Profession' or 'Income from Other Sources' details of such income as well as of sums credited by the assessee to the employee's account in the relevant funds on or before the due date mentioned in section 36(1)(va).
- III. If the space provided is insufficient, then mention details on a separate sheet and attach that to the Return.
10. Under 'Add' and 'Deduct' columns mention those additions and deductions which the assessee is liable/entitled to in relation to share in Profit/Loss of URF/AOP/BOI shown in 9 above and not already adjusted in the case of URF/AOP/BOI.
11. Indicate the aggregate amount of adjustments separately under the Add & Deduct columns.
12. Net profit/loss (i.e. balance after adjustments of 9 and 11) should be indicated here.
13. Indicate here the result of 4, 8 & 12 [i.e. 'RESULTANT INCOME OR LOSS FROM BUSINESS OR PROFESSION' (OTHER THAN SPECULATION BUSINESS)].

14. Mention the amount of income from Speculation Business If this represents share from RF/URF/AOP/BOI then it should be clearly stated and complete details of such RF/URF/AOP/BOI, such as the names of partners/members, their profit sharing ratios and copy of personal account of the assessee in such RF/URF/AOP/BOI should also be furnished and attached to the Return.
15. Adjustments : Please indicate additions and deductions of amounts which have either not been adjusted in the Profit and Loss Account, or if adjusted, these are higher or lower than the admissible amounts. Additions/deductions which the assessee is liable/entitled to in relation to share in profit/loss of RF/URF/AOP/BOI and not already adjusted in the case of such RF/URF/AOP/BOI should also be indicated here.
16. Indicate the aggregate amount of adjustments separately under the Add & Deduct columns.
17. Indicate here the chargeable INCOME FROM SPECULATION BUSINESS (i.e. the adjusted balance of 14 and 16).
18. Indicate here the “INCOME CHARGEABLE UNDER THE HEAD PROFITS AND GAINS OF BUSINESS OR PROFESSION” (i.e. 13+17). In case the amount at 17 is a loss then the same cannot be adjusted against 13. In that case the amount at 13 should be repeated at 18.

Page 4 D. CAPITAL GAINS

1. Give the description of the assets transferred. Separate columns have been provided for short-term and long-term assets. The particulars of assets transferred should accordingly be given in the respective columns. If the transfer involves more than two short term/long term assets separate computation sheet, in the given format, should be attached to the Return.
2. Indicate here the date of acquisition of the asset by the assessee.
3. Give here the date on which the asset has been transferred.
4. Please indicate in months the period for which the asset has been held by the assessee before transfer.
5. Please indicate which of the following modes of transfer is involved :
 - (i) the sale, exchange or relinquishment of the asset; or
 - (ii) the extinguishment of any rights therein; or
 - (iii) the compulsory acquisition thereof under any law; or
 - (iv) in a case where the asset is converted by the owner thereof into, or is treated by him as, stock-in-trade of a business carried on by him, such conversion or treatment; or
 - (v) any transaction involving the allowing of the possession of any immovable property to be taken or retained in part performance of a contract of the nature referred to in section 53A of the Transfer of Property Act, 1882 (4 of 1882); or
 - (vi) any transaction (whether by way of becoming a member of, or acquiring shares in, a co-operative society, company or other association of persons or by way of any agreement; or any arrangement or in any other manner whatsoever) which has the effect of transferring, or enabling the enjoyment of, any immovable property.

In case of compulsory acquisition, please mention on a separate sheet the Act under which the said acquisition has been made as also the dates of Notification and Possession of the property by the concerned Authority.
6. The gross amount realised/realisable from the transfer of the asset is to be indicated here.
7. Please indicate here :
 - (i) Cost of Acquisition : It is the cost incurred by the assessee in acquiring the asset or the cost in terms of sections 49 and 55(2).

- (ii) Cost of Improvement : It is 'nil' in relation to 'goodwill' while in relation to other assets, it is the cost incurred in, improving the asset—Section 55(1)(b).
- (iii) Cost of transfer : It is the cost in connection with the transfer of the assets—Section 48(1)(a)(i)
8. The sum total of deductions of 7 is to be indicated here.
9. Indicate here the balance amount (6-8). If this results in a loss, indicate it by a minus (—) symbol.
10. Other deductions : The deductions admissible against short-term and long-term capital gains are to be indicated here separately. Please specify each item alongwith the amount deductible thereunder. If the space is inadequate, use separate sheet(s). If the balance at 9 in relation to any Long-Term Capital Asset is a loss, the amount of such loss should be arrived at in accordance with the provisions of Section 48(3).

The admissible deductions are :

I. Short-term capital gains :

- (i) Amount exempt under section 54B(1), 54D(1), or 54G(1)
- (ii) Amount deposited under Section 54B(2), 54D(2) or 54G(2)

II. Long-term capital gains :

- (i) Amount exempt under Section 53, 54(1), 54B(1), 54D(1), 54F(1) or 54G(1)
- (ii) Amount deposited under Section 54(2), 54B(2), 54D(2), 54E(1), 54F(4) or 54G(2)
- (iii) Under Section 48(2).

11. Please indicate here the balance amount (9-10). If the balance of 9 is a loss, the same should be repeated here.
12. Amount deemed to be income under the head 'Capital Gains' (other than u/s 50) should be indicated here. Please specify each item separately alongwith the amount includible thereunder. The relevant provisions relating to such deemed income are in Sections 45(2)/(3)/(4)/(5), 54(2), 54D(2), 54E(2), 54F(4) and 54G(2).
13. The total amount of deemed capital gains (other than u/s 50) is to be indicated here. It should be indicated separately in respect of short term and long term assets.
14. Indicate here the net result of 11 and 13 separately for short term and long term capital gains.
15. Indicate here the Short-term Capital Gains u/s 50. The relevant details thereof should be mentioned on a separate sheet and attached to the Return.
16. The period-wise amount(s) of Short-term Capital Gains u/s 50, Other Short-term and Long-term Capital Gains/Losses under the head "CAPITAL GAINS" should be indicated in the inner columns and the aggregate amount of these in the Grand Total.

E. INCOME FROM OTHER SOURCES :

1. (a) Please mention the gross amount of dividend(s). Attach a separate sheet giving the following information :
- (i) name of the company; (ii) number of shares; (iii) gross amount of dividend; (vi) tax deducted at source.
- If the assessee has received any sum of the nature described under section 2(22)(c) and which is to be deemed as dividend, a statement should be furnished giving name and address of the company, nature of payment received and the sum so received.
- Please attach dividend warrants and other supporting evidence.
- (b) Please mention the gross amount of interest(s) received/receivable. Attach a separate sheet, giving information regarding each item of interest received/receivable and attach supporting evidence.

- (c) Give here the gross amount of winnings from lotteries, cross word puzzles and races, etc. and attach supporting evidence. Please attach separate computation if there are two or more items.
- (d) Indicate here the income from machinery, plant or furniture let on hire and also such income from building were its letting is inseparable from the letting of the said machinery, plant or furniture if it is not chargeable to Income-tax under the head "Profits and gains of Business or Profession".
- (e) Specify other incomes chargeable under the head "Income from Other Sources".

2. The sum total of gross receipts is to be indicated here.
3. Specify the item(s) and the amount(s) of deduction(s) claimed thereunder. The relevant provisions are in Section 57.
4. The total of deductions claimed should be indicated here.
5. The income chargeable under the head "INCOME FROM OTHER SOURCES" is to be given here.

F. UNABSORBED LOSSES OR ALLOWANCES BROUGHT FORWARD FROM PRECEDING ASSESSMENT YEARS.

1. Give here details of unabsorbed losses or allowances brought forward from the eight Assessment Years immediately preceding the Assessment Year for which the Return is being filed. If the space provided is found insufficient, give the details on a separate sheet using the columns indicated here and attach that to the Return.

In case where profits are insufficient to absorb brought forward losses/allowances and current depreciation, the same should be deducted, subject to the latest decision of the Supreme Court, in the following order :

- Current scientific research expenditure [section 35(1)]
- Current depreciation [section 32(1)]
- Brought forward business losses [section 72(1)]
- Unabsorbed family planning promotion capital expenditure [section 36(1)(ix)]
- Unabsorbed depreciation [section 32(2)]
- Unabsorbed scientific research capital expenditure [section 35(4)]
- Unabsorbed development allowance [section 33A(2)(ii)]
- Current development allowance [section 33A(2)(i)]
- Unabsorbed investment allowance [section 32A(3)(ii)]
- Current investment allowance [section 32A(3)(i)]

2. Indicate here unabsorbed depreciation pertaining to the period earlier to the eighth preceding Assessment Year.

G. STATEMENT OF TOTAL INCOME

1. Give here the amounts chargeable to tax under different Heads of Income against items A to E. These should be same as shown against items A.8 and B.9 at page 2 item C.18 at page 3 and items D.16 and E.5 at page 4 respectively.
2. The sum total of A to E should be indicated here.
3. Indicate here the Unabsorbed Losses and/or Allowances brought forward from preceding assessment years as claimed in item F. at page 5 of the Return to be set off against current year's income.

4. The Gross Total Income chargeable to tax (2-3) is to be given here
5. I. The deduction(s) which the assessee wants to claim under Chapter VI-A should be indicated here.
- II. Please give the itemwise gross amount of payment/contribution the qualifying amount and the net amount deductible. If the space provided is insufficient give the computation on a separate sheet and attach that to the Return.
- III. Please also attach proof of payment/contribution to support the claim.
- The eligible deductions under Chapter VI-A relate to :
- (i) Deposits under the National Savings Scheme 1987 or payment to deferred annuity plan of Life Insurance Corporation. These are deductible @ 100% subject to the ceiling of Rs. 40,000/- (Section 80CCA).
 - (ii) Investment made under Equity Linked Saving Scheme. This is deductible @ 100% subject to the ceiling of Rs. 10,000/- (Section 80CCB)
 - (iii) Premium paid to GIC for medical insurance. The ceiling is Rs. 3,000/- in respect of premium for Medical insurance. (Section 80D)
 - (iv) Deduction in respect of expenditure incurred for medical treatment etc. of handicapped dependant(s). The ceiling is Rs. 6000/- (Section 80DD).
 - (v) Donations to certain funds, charitable institutions, etc. Only donations to certain funds, charitable institutions etc. are eligible for deduction under section 80G if the aggregate of the sums exceeds Rs.250/. The over-all ceiling is 10% of gross total income (as reduced by the amount on which no tax is payable or with reference to which the taxpayer is entitled to any deduction under Chapter VI-A). (Section 80G).
 - (vi) Rent paid for furnished/unfurnished residential accommodation. Taxpayers not in receipt of any house rent allowance are eligible for a deduction in respect of the rent paid for residential accommodation situated in any one of the classified cities including the urban agglomerations. The deduction is admissible in respect of the rent paid in excess of 10% of the total income subject to an overall ceiling of Rs.1000/- p.m or 25% total income, whichever is less. (Section 80GG)
 - (vii) Donation for scientific research, rural development. Deduction in respect of certain donations for scientific research or rural development or conservation of natural resources or any sum paid for afforestation is available at 100% under Section 80GGA.
 - (viii) 20 per cent. of profits and gains from newly established industrial undertakings or hotel business in backward areas subject to certain conditions. (Section 80HH).
 - (ix) 20 per cent. of profits and gains from newly established small scale industrial undertakings in certain areas subject to certain conditions. (Section 80HHA).
 - (x) 50 per cent. of profits and gains from projects outside India subject to certain conditions. (Section 80HHB)
 - (xi) 100 per cent. of profits and gains derived from export of specified goods or merchandise if sale proceeds are receivable in convertible foreign exchange subject to certain conditions (Section 80HHC)
 - (xii) Income of approved hotels or of travel agents or of tour operators for services provided to foreign tourists if receipts are in convertible foreign exchange to the extent of 50 per cent. of profits from such services plus balance of such profits of the relevant previous year as is debited to the profit and loss account and credited to a reserve account—subject to certain conditions and specified purposes. (Section 80HHD).
 - (xiii) 20 per cent. of profits and gains from industrial undertakings, etc. set up after 31-3-1981 (25 % of profits and gains from newly established industrial undertakings, etc. set up after 31-3-1990) subject to certain conditions (Section 80-I)
 - (xiv) Deduction in respect of profits and gains from newly established industrial undertakings or ships or hotel business in certain cases (Section 80J)

- (xv) 33-1/3% of profits and gains derived from the business of poultry farming. (Section 80JJ)
 - (xvi) Dividend, interest income etc. Income by way of interest on certain deposits on shares, units etc is eligible for deduction upto over all ceiling of Rs.13,000/- . (Section 80L)
 - (xvii) Specified incomes of Co-operative Societies subject to varying limits and certain conditions (Section 80-P)
 - (xviii) 25 per cent. of professional income of authors of text books in Indian languages subject to certain conditions. (Section 80QQA)
 - (xix) Remuneration from certain foreign sources in the case of professors, teachers, etc. The overall ceiling is 50% of the remuneration or 75% thereof brought into India in accordance with the foreign exchange regulations, whichever is higher. (Section 80R)
 - (xx) Professional income from certain foreign sources in the case of authors, playwrights, artists, musicians, actors or sportsmen (including athletes). The overall ceiling is 50% of the income or 75% thereof brought into India in accordance with the foreign exchange regulations, whichever is higher. (Section 80RR)
 - (xxi) Remuneration received for services rendered outside India—The overall ceiling is 50% of the remuneration or 75% thereof brought into India in accordance with the foreign exchange regulations whichever is higher. (Section 80RR A)
 - (xxii) Deduction of Rs. 15,000 can be claimed by individuals who are totally blind or permanently physically handicapped or mentally retarded. (Section 80U).
6. The Total Income chargeable to tax (4—5) is to be given here.
7. Mention here the total income, as rounded off to the nearest multiple of ten rupees, both in figures and words in the manner provided.
8. The net agricultural income computed in accordance with Part IV of the First Schedule to the relevant Finance Act is to be given here.
9. Income arising to other persons and included in the assessee's total income is to be given here.
10. Give here the name and relationship of such other person(s).
11. Give details on a separate sheet if any income is chargeable to tax at a special rate e.g. under section 115BB in respect of winnings from lotteries etc. or section 115E in the case of NRIs or at a maximum marginal rate under any other provisions of the Act.

Page-6

PART-II

STATEMENT OF TAXES

1. The total tax payable on the total income is to be given here.

2. Indicate here—

(a) rebate claimed U/Ss 88 and 88A. These are :

1. Section 87 of the Act envisages that in computing the amount of Income-tax on the total income of an assessee with which he is chargeable for any assessment year, there shall be allowed from the amount of Income-tax (as computed before allowing the deduction under Chapter VIII) in accordance with and subject to the provisions of sections 88 and 88A, the deductions specified in those sections.

If further provides that the aggregate amount of the deductions under section 88 or section 88A shall not, in any case, exceed the amount of Income-tax (as computed before allowing the deductions under Chapter VIII) on the total income of the assessee with which he is chargeable for any assessment year.

H. Provisions of Sections 88 and 88A are applicable to an assessee, being—

- (a) an individual, or
- (b) a Hindu undivided family, or
- (c) an association of persons or a body of individuals consisting in either case, only of husband and wife governed by the system of community of property in force in the State of Goa and the Union territories of Dadra and Nagar Haveli and Daman and Diu.

U/S 88 : Under this section, an assessee shall be entitled to a deduction, from the amount of Income-tax (as computed before allowing the deductions under Chapter VIII) on his total Income with which he is chargeable for any Assessment Year, of an amount equal to 20% of the aggregate of sums referred to in sub-section(2) thereof.

These sums are—

Payments towards life insurance premium, provident fund, contribution, instalments/part payments/repayment of loans from Government, Bank etc .for purchase/construction of residential house property. Overall ceiling on qualifying amounts are Rupees 70,000/-in the case of an author, playwright, artist, musician, actor or sportsman (including an athlete and Rs.50,000/-in the case of an Individual or a Hindu undivided family or an Association of Persons or a Body of Individuals.

Total of Rebate claimed U/S 88 should be indicated in item 2.(a) (i) Total.

U/S 88A : Under this section, an assessee who has acquired certain new shares or units in the previous year out of his income chargeable to tax shall be entitled to a deduction, from the amount of Income-tax (as computed before allowing the deductions under Chapter VIII on his total Income with which he is chargeable for any Assessment Year, of an amount equal to 20 % of the cost of such shares or units to such assessee.

These shares and units are—

- (i) equity shares forming part of any eligible issue of capital; or
- (ii) units issued under any scheme of any Mutual Fund specified under clause (23D) of section 10 or of the Unit Trust of India, established under section 3 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963),if the amount of subscription to such units is subscribed, within a period of six months from the close of subscription under such scheme, only to eligible issue of capital.

Maximum qualifying amount in relation to which an assessee can claim rebate under this section is Rs. 25,000/-

Total of Rebate claimed U/S 88A should be indicated in item 2.(a)(ii) Total.

Total of amounts at 2.(a)(i) and 2.(a)(ii) should be indicated in item 2.(a)(iii).

(b) rebate in respect of share income from URF/AOP/BOI at the average rate of Income-tax. Please attach the details of computation of such rebate(s).

(c) relief under Section 89(1). Please attach the details.

Total of amounts of 2.(a), (b) and (c) may please be indicated in the outer column Total.

3. Indicate here the balance amount of income tax payable (i.e. 1—2).
4. Give here interests chargeable for late filing of return, default in payment of advance tax or defrayment of advance-tax separately. These should be computed in the manner laid down in sections 234A, 234B and 234C.
5. The total amount of tax and interest payable (3+4) is to be indicated here.
6. Give the particulars of (A) advance tax instalments and (B) tax deducted/collected at source in the respective columns. Tax collected at source under section 206C may be indicated against 'any other income'.

7. Give details of the tax and interest paid on self assessment (i.e. before filing the return) and also attach challan(s) in support of the amounts so paid.
8. Other pre-paid taxes, if any, are to be indicated here. Please attach proof of such payment.
9. The sum total of Tax/Interest paid is to be given here (i.e. 6+7+8).
10. The Tax/Interest payable or refund due, as the case may be, is to be indicated here. For indicating refund, precede it by a minus (—) symbol.

Page—7 Part-III

INFORMATION RELEVANT TO BUSINESS OR PROFESSION

1.
 - (a) Give full name(s) in which the business/profession is carried on and the address(es) thereof. If the space provided is insufficient, please mention such name(s) and address(es) on a separate sheet and attach that to the return.
 - (b) Give full name(s) and address(es) of the branch(es).
 - (c) In case of a business, please specify whether it is Trading/Manufacturing/Wholesale/Retail sale/Export/Import etc. and the main item(s) dealt with. If profession, mention the name of the profession.
 - (d) Tick the relevant and strike out others.
 - (e) Please mention whether it is 'cost' or 'market price' or 'otherwise'. If 'otherwise', give its name and method.
2. Please give here complete information in the appropriate columns.
3. I. Give here specific particulars of the deductions claimed in computing income from Profits and Gains of Business or Profession. If a deduction in respect of Investment Deposit Account is claimed, please attach necessary certificate(s).
- II. Please indicate in the space provided, deduction claimed on account of depreciation. Use the remaining space for indicating deductions admissible in relation to :

Item	Section
(i) Investment allowance	32A
(ii) Investment Deposit Account	32AB
(iii) Development allowance	33A
(iv) Tea Development allowance	33AB
(v) Rehabilitation allowance	33B
(vi) Expenditure on scientific research	35
(vii) Expenditure on acquisition of patent rights or copyrights	35A
(viii) Expenditure on know-how	35AB
(ix) Payment to association and institution :	
(a) for carrying out rural development programmes	33CCA
(b) for carrying out programmes of conservation of natural resources or afforestation	35CCB
(x) Amortization of preliminary expenses	35D
(xi) Expenditure on prospecting for certain minerals	35E
(xii) Bonus to employees	36(1)(ii)
(xiii) Interest on borrowed capital	36(1)(iii)

(xiv) Bad debts	36(1)(vii)
(xv) Entertainment expenditure	37
(xvi) Expenditure on :	
(a) advertisement	37
(b) travelling	37

Page—8 Part-IV

INCOME CLAIMED EXEMPT

1. Income claimed exempt should be indicated here. For an item of income claimed exempt, please specify its nature, the amount claimed exempt and the reasons for the claim.

Part—V

LIST OF DOCUMENTS/STATEMENTS ATTACHED

1. Give here complete particulars of documents/statements attached to the return of income.

VERIFICATION

Read the instructions below the verification carefully before signing it. Fill all the relevant columns in the verification. Give the place and date as indicated. Please attach the document of power of attorney alongwith the return, wherever necessary.

FORM NO. 3

RETURN OF INCOME (SEE RULE 12(1)(b)(iii))

Receipt No. _____

Date _____

[For assessees (other than companies and those deriving income from property held for charitable and religious purposes claiming exemption under section 11) whose total income does not include "Profits and gains of business or profession"]

[PLEASE READ THE ATTACHED NOTES CAREFULLY BEFORE FILLING THIS FORM]

1. ORIGINAL/REVISED/U/S 142(1)(i)/148/237

2. Assessment Year 19_____

3. If revised, Receipt No. and
date of filing of original return4. PAN/
GIR No. _____19 Ward /Circle/
Range _____

6. Status _____ 7. Residential Status _____

5. Name (Surname First) (in Block letters)

8. Office Address (in Block letters)

Telephone _____

Pin _____

6. Balance (3-5)	Rs. _____
7. Other deductions	
(a) Repairs	Rs. _____
(b)	Rs. _____
(c)	Rs. _____
(d)	Rs. _____
(e)	Rs. _____
(f)	Rs. _____
(g)	Rs. _____
(h)	Rs. _____
(i)	Rs. _____
8. Total of deductions of 7	Rs. _____
9. INCOME CHARGEABLE UNDER THE HEAD "INCOME FROM HOUSE PROPERTY" (6-8)	Rs. _____

C. CAPITAL GAINS

	Short-term Assets	Long-term Assets	
1. Particulars of asset transferred			
2. Date of Acquisition			
3. Date of transfer			
4. No. of months asset held before transfer			
5. Mode of Transfer			
6. Full value of Consideration	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
7. Deductions :			
(i) Cost of Acquisition	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
(ii) Cost of Improvement	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
(iii) Cost of Transfer	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
8. Total of deductions of 7	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
9. Balance (6-8)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
10. Less : Other deduction(s)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
11. Balance (9-10)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
12. Add/Deduct :			
Amount deemed to be Capital Gains (Other than U/s. 50) (Please specify)			
(a)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
(b)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
13. Total [12(a)+12(b)]	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
14. Total (11-13)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
15. Short-term Capital Gains U/S 50			Rs. _____
16. INCOME CHARGEABLE UNDER THE HEAD "CAPITAL GAINS":			

	Upto 15/9	16/9 to 15/12	16/12 to 31/3
SHORT-TERM CAPITAL GAINS U/S 50	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
OTHER SHORT-TERM CAPITAL GAINS	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
LONG-TERM CAPITAL GAINS	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
Total	Rs. _____	Rs. _____	Grand Total Rs. _____

D. INCOME FROM OTHER SOURCES

1. (a) Dividends	Rs. _____
(b) Interest	Rs. _____
(c) Winnings from lotteries, cross Word puzzles, races etc.	Rs. _____

(d) Rental income from machinery, plants, buildings etc.	Rs. _____
(e) Others	Rs. _____
2. Total of 1(a) to 1(e)	Rs. _____
3. Less : Deductions; (Please specify)	
Depreciation	Rs. _____
	Rs. _____
4. Total of deductions of 3	Rs. _____
5. INCOME CHARGEABLE UNDER THE HEAD "INCOME FROM OTHER SOURCES" (2-4)	

E. UNABSORBED LOSSES BROUGHT FORWARD FROM PRECEDING ASSESSMENT YEARS

E STATEMENT OF TOTAL INCOME

1.	A. SALARIES	(Item A.8)	Rs.....
	B. INCOME FROM HOUSE PROPERTY	(Item B.9)	Rs.....
	C. CAPITAL GAINS	(Item C.16)	Rs.....
	D. INCOME FROM OTHER SOURCES	(Item D.5)	Rs.....
2.	Total (A to D)		Rs.....
3.	Less : Brought forward unabsoibed losses from earlier years :		
	1. a....., b....., 1 a....., c.....	(Item E.)	Rs.....
4.	GROSS TOTAL INCOME (2-3)		Rs.....
5.	Less : Deductions under Chapter VI-A :		

(Please specify)	Gross Amount (a) (Rs.)	Qualifying Amount (b) (Rs.)	Deductible Amount (c) (Rs.)
.....
.....
.....
Total	Total of (c)	Rs.

8. NET AGRICULTURAL INCOME FOR RATE PURPOSES Rs.

9. Income included in items A to D being in some arising to spouse/minor child/son's wife/son's minor child or any other person or association of persons. Rs.

10. Name & relationship of such person _____

11. Income included in items A to D which is chargeable to tax at special rates Rs.....

PART-II STATEMENT OF TAXES

1. Tax on Total Income (a) At special rates Rs.
 (b) At normal rates Rs. Total Rs.

2. Less : (a) Rebate Under Sections 88 and 88A :

(b) Relief Under Section 89(1) Rs. Total Rs.

3. Balance (1–2)

4. Add

(a) Interest on last filing of return Rs.....
 (b) Interest for default in payment of Advance tax Rs.....
 (c) Interest for deferment of advance tax Rs..... Total Rs.

5. TOTAL TAX AND INTEREST PAYABLE (3+4) Rs.

Amount Rs.	1st	2nd	3rd	Total
Date				
Name of Bank				
Branch				

(B) Tax Dedected/Collected at Source from [Attach certificate(s)] :

(a) Salaries	Rs.....
(b) Interest	Rs.....
(c) Dividends	Rs.....
(d) Any other Income (Please specify)	Rs.....
(e) Total [(a) to (d)]	Rs.....

7. Tax on Self-assessment (Attach Challan) _____ Amount _____

Date of Payment

R₃..... **R₉**..... **R₅**.....

8. Other prepaid taxes, if any (Please specify and attach proof)	Rs.....
9. Total (6 to 8)	Rs.....
10. TAX/INTEREST PAYABLE OR REFUND DUE (i.e. Difference of 5 & 9)	Rs.....

PART-III INCOME CLAIMED EXEMPT

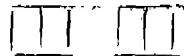
Nature of Income	Amount (Rs.)	Reasons for claim
1.		
(a)		
(b)		
(c)		
(d)		

PART-IV LIST OF DOCUMENTS/STATEMENTS ATTACHED

1.	
(a)	
(b)	
(c)	
(d)	
(e)	
(f)	
(g)	
(h)	
(i)	

VERIFICATION

I.....(name in full and block letters)* son/daughter/wife of..... solemnly declare that to the best of my knowledge and belief the information given in this return and the annexures and statements accompanying it is correct and complete and that the amount of total income and other particulars shown therein are truly stated and relate to the previous year(s) relevant to the assessment year 19



*I further solemnly declare that during the said previous year(s)-

- (a) no other income accrued or arose to or was received by me from any asset held in my name or in the name of any other person;
- (b) there is no other income, including income of any other person, in respect of which I am chargeable to tax under the Income-tax Act, 1961.

*I further solemnly declare that during the said previous year(s)-

- (a) no other income accrued or arose to or was received by *the person for and on whose behalf this return is furnished/the person in respect of whose total income I am assessable from any asset held in *the name of the person for and on whose behalf this return is furnished/the name of the person in respect of whose total income I am assessable, or in the name of any other person;
- (b) there is no other income including income of any other person in respect of which the said person is chargeable to tax under the Income-tax Act, 1961.

I further declare that I am making this return in my capacity as.....(designation) and that I am competent to make this return and verify it.

Place.....

Date.....

**(Name and Signature)

*Strike out whichever is not applicable.

**Before signing the declaration the signatory should satisfy himself that this return and the accompanying annexures and statements are correct and complete in all respects. Any person making a false statement in the return or the accompanying annexures or statement shall be liable to prosecution under section 227 of the Income-tax Act, 1961 and on conviction be punishable under the section with rigorous imprisonment and with fine.

INCOME-TAX DEPARTMENT

IT S. 3

NOTES (TO BE DETACHED AND RETAINED BY THE ASSESSEE)

[NOTES (To be detached and retained by the Assessee)

FORM NO. 3
(Income-tax Act, 1961/Rule 12(1)(b)(iii)]

General

- I. Form No. 3 is for assessees (other than, companies and those deriving income from property held for charitable and religious purposes claiming exemption under section 11) whose total income does not include "Profits and gains of business or profession".
- II. All Parts and columns must be filled in 'the manner' provided hereunder. If any Part or column does not apply, please mention NA (Not Applicable) and do not put any other mark or symbol. Please do not use the phrase 'As per Record' or words to that effect.
- III. The numbers given in these notes under each page refer to the corresponding item numbers on the respective pages of the Return of Income.
- IV. In case space provided under any Head of Income is found insufficient, then give computation in respect of each such source of income on separate sheet(s) using the columns indicated for that purpose under the relevant Head of Income in the Return Form. The sum totals of such computation done should be indicated in the columns provided under the relevant Head in the Return Form. Similarly, any other information asked for in this Form, which cannot be completely furnished on account of paucity of space, may be furnished on a separate sheet.
- V. References to sections and rules in these notes are references to the sections and the rules of the Income-tax Act, 1961 and the Income-tax Rules, 1962, respectively.

Page-

1. Strike out whichever is not applicable. If it is a return for assessment year 1991-92 being filed for the first time then it is an Original Return. To indicate this, leave 'Original' as it is and strike out the rest, e.g. ORIGINAL. Similarly, to indicate a return being filed in response to a notice issued under S. 142 (1)(i) leave 'original' and U/S 142(1)(i) as it is and strike out the rest.
2. Indicate the assessment year for which the return is filed. (Assessment year is a period of 12 months immediately following the financial year. Thus, for the period 1-4-1990 to 31-3-1991, the assessment year will be 1991-92.)
3. If this is a revised return, first give the receipt number and then the date of filing the original return Example: If the original return is filed on 15-06-1991, for which the Department had issued receipt No. 4210, it should be indicated in the boxes as:

4	2	1	0	—	1	5		0	6	—	1	9	9	1
---	---	---	---	---	---	---	--	---	---	---	---	---	---	---

4. The Permanent Account Number given to the taxpayer and Ward/Circle/Range are to be quoted here. If it is not so given, indicate the GIR number, if any. If neither is given, write NOT ALLOTTED in the first row of boxes and mention Income-tax Ward/Circle/Range where assessed or assessable in the lower row of boxes after ascertaining the same from the Public Relation Officer or at the Receipt Counter of the Income-tax Officer.

5. Write your name using block letters. Surname should be given first, wherever applicable. Leave one box blank after each limb. Example: for Satya Prakash Sharma, write

S H A R M A	S A T Y A	P R A K A S H
-------------	-----------	---------------

6. For indicating the status, please use one of the following codes:

(a) Individual	01
(b) Hindu Undivided Family (other than mentioned below)	02
(c) Hindu Undivided Family which has at least one member with total income of the previous year exceeding Rs. 22,000.	03
(d) Unregistered Firm	04
(e) Registered firm (other than the one engaged in profession)	05
(f) Registered firm engaged in profession	06
(g) Association of persons (AOP)	07
(h) Association of persons (Trusts)	08
(i) Body of individuals (BOI)	09
(j) Artificial juridical person	10
(k) Co-operative society	11
(l) Local authority	16

Example : If it is the case of a Hindu Undivided Family, which has at least one member with total income exceeding Rs. 22,000/- the correct code will be 03.]

7. Please use one of the following codes to indicate the residential status:—

Resident.01 Non-resident.02 Resident but not ordinarily resident.03
Relevant provisions are in Section 6.

- 8 & 9. Give your complete Office and Residential addresses along with PIN codes and Telephone Numbers, if any.

10. Strike out whichever is not applicable.

Page-2 Part -I

A. SALARIES

Give the name(s) and address(es) of the employer(s). If you are in the employment of Government, strike out 'NO'. In any other case, strike out 'Yes'.

1. Indicate here the gross salary received/receivable from the employer in relation to the assessment year for which the return is furnished [e.g. Salary including arrears or advance of salary, payment received in lieu of leave not availed of, bonus, wages, fees, pension (including commuted value of pension), any annuity or gratuity and house rent and all other cash allowances excepting value of perquisites and profits in lieu of salary]. Salary received/receivable from more than one employer should be included in the gross salary. Relevant provisions are in sections 15 & 17 of the I.T. Act, 1961.

In the case of an individual, if any amount is received in the current year or in the earlier year(s) as gratuity which has been claimed as exempt, a separate statement may be attached.

2. Indicate here the allowances to the extent exempt under section 10.
3. Indicate here the balance (i.e. 1-2).

4. Add the value of perquisites (other than those mentioned in column 2) and profits in lieu of salary. Specify each item separately along with the monetary value thereof, in the given column(s). If the space is inadequate, attach separate sheet.

Perquisites provided by an employer can be:

- (i) Free or concessional accommodation—Section 17(2)(i) and (ii)
- (ii) Free or concessional benefits/amenities—Section 17(2)(iii):
 - (a) Conveyance—rule 3(c)
 - (b) Gas, electricity, water—rule 3(d)
 - (c) Domestic or personal services
 - (d) Personal travelling
 - (e) Any other item (Give details)
- (iii) Payment by employer in respect of obligations of assessee (including children's education, income-tax etc.) and sums payable by employer for life insurance or annuity—Section 17(2)(l) and (v).

5. The sum of items 3 and 4 should be given here. Please attach salary certificate(s).

6. Admissible deductions from salary income should be claimed here. Specify each item separately e.g.:

- Standard deduction : A sum equal to 33-1/3% of the salary, or twelve thousand rupees, whichever is less, is allowed in computing income under the head 'Salaries'.
- Entertainment allowance—Section 16(ii)
- Tax on Employment—Section 16(iii)

7. The total amount of deductions claimed from gross salary is to be given here.

8. Indicate here the income chargeable under the head "SALARIES".

B. INCOME FROM HOUSE PROPERTY

1. Please give complete postal address(es) of the property(ies). If the assessee owns more than one property, please mention that on a separate sheet and attach that to the Return.
2. To indicate whether the property is self occupied or otherwise, strike out 'Yes' or 'No', as the case may be.
3. Indicate here the annual lettable value or the annual rent received/receivable, whichever is higher. If you own more than one house property, please give separate computation in respect of each property using the columns indicated here.
4. The deductions admissible under section 23 should be claimed here, such as:
 - (a) Municipal Taxes: Assessee can claim deduction only if these are (i) borne by him and not by tenant and (ii) paid during the year. Please attach proof of such payment.
 - (b) New construction allowance. The relevant provisions are given in the second proviso to Section 23(1).
 - (c) If one or more of such properties are in the occupation of the owner for the purposes of his own residence, that property may be specified in respect of which the assessee claims the annual value be taken at 'nil' in accordance with the provisions of section 23(2).

Specify each item of deduction separately alongwith the amount claimed deductible thereunder

5. The sum total of deductions claimed u/s 23 is to be indicated here.

6. Indicate here the balance (i.e. 3-5).
7. Indicate here the deduction(s) claimed U/s 24 (specifying each item separately), such as:
 - (i) Repairs—The assessee is entitled to one-sixth of the annual value as repairs if it is not borne by a tenant—Section 24(1)(i).
 - (ii) Insurance—Section 24(1)(ii)
 - (iii) Annual Charge—Section 24(1)(iv)
 - (iv) Ground Rent—Section 24(1)(v)
 - (v) Interest on borrowed capital—Section 24(1)(vi)
 - (vi) Land Revenue—Section 24(1)(vii)
 - (vii) Collection Charges (the admissible limit is the actual expenditure or 6% of the annual value whichever is less)—Section 24(1)(viii)
 - (viii) Vacancy allowance—Section 24(1)(ix)
 - (ix) Unrealisable rent—Section 24(1)(x)
8. The sum total of deductions claimed u/s 24 is to be indicated here.
9. The income chargeable under the head “INCOME FROM HOUSE PROPERTY” (i.e. 6-8) is to be indicated here.

Page-3

C. CAPITAL GAINS

1. Give the description of the assets transferred. Separate columns have been provided for short-term and long-term assets. The particulars of assets transferred should accordingly be given in the respective columns. If the transfer involves more than two short term/long term assets, separate computation sheet, in the given format, should be attached to the Return.
2. Indicate here the date of acquisition of the asset by the assessee.
3. Give here the date on which the asset has been transferred.
4. Please indicate in months the period for which the asset has been held by the assessee before transfer.
5. Please indicate which of the following modes of transfer is involved:
 - (i) the sale, exchange or relinquishment of the asset; or
 - (ii) the extinguishment of any rights therein; or
 - (iii) the compulsory acquisition thereof under any law; or
 - (iv) in a case where the asset is converted by the owner thereof into, or is treated by him as, stock-in-trade of a business carried on by him, such conversion or treatment; or
 - (v) any transaction involving the allowing of the possession of any immovable property to be taken or retained in part performance of a contract of the nature referred to in section 53A of the Transfer of Property Act, 1882 (4 of 1882); or
 - (vi) any transaction (whether by way of becoming a member of, or acquiring shares in, a co-operative society, company or other association of persons or by way of any agreement or any arrangement or in any other manner whatsoever) which has the effect of transferring, or enabling the enjoyment of, any immovable property.

In case of compulsory acquisition, please mention on a separate sheet the Act under which the said acquisition has been made as also the dates of Notification and Possession of the property by the concerned Authority.
6. The gross amount realised/realisable from the transfer of the asset is to be indicated here.

7. Please indicate here:
- (i) Cost of Acquisition: It is the cost incurred by the assessee in acquiring the asset or the cost in terms of sections 49 and 55(2).
 - (ii) Cost of Improvement: It is 'nil' in relation to 'goodwill' while in relation to other assets, it is the cost incurred in improving the asset—Section 55(1)(b).
 - (iii) Cost of transfer: It is the cost in connection with the transfer of the asset—Section 48(1)(a)(i).
8. The sum total of deductions of 7 is to be indicated here.
9. Indicate here the balance amount (6-8). If this results in a loss, indicate it by a minus(—) symbol.
10. Other deductions: The deductions admissible against short-term and long-term capital gains are to be indicated here separately. Please specify each item alongwith the amount deductible thereunder. If the space is inadequate, use separate sheet(s). If the balance at 9 in relation to any long-Term capital asset is a loss, the amount of such loss should be arrived at in accordance with the provisions of Section 48 (3).
- The admissible deductions are:
- I. Short-term capital gains:
- (i) Amount exempt under section 54B(1), 54D(1) or 54G(1).
 - (ii) Amount deposited under Section 54B(2), 54D(2), or 54G(2).
- II. Long-term capital gains:
- (i) Amount exempt under Section 53, 54(1), 54B(1), 54D(1), 54F(1), or 54G(1).
 - (ii) Amount deposited under Section 54(2), 54B(2), 54D(2), 54E(1), 54F(4) or 54G(2).
 - (iii) Under Section 48(2).
11. Please indicate here the balance amount (9-10) It the balance of 9 is a loss, the same should be repeated here.
12. Amount deemed to be income under the head 'Capital Gains' (other than U/s 50) should be indicated here. Please specify each item separately alongwith the amount includible thereunder. The relevant provisions relating to such deemed income are in Sections 45(2)/(3)/(4)/(5), 54(2), 54B(2), 54D(2), 54E(2), 54F(4) and 54G(2).
13. The total amount of deemed capital gains (other than U/S 50) is to be indicated here. It should be indicated separately in respect of short term and long term assets.
14. Indicate here the net result of 11 and 13 separately for short term and long term capital gains.
15. Indicate here the Short Term Capital Gains U/S 50. The relevant details thereof should be mentioned on a separate sheet and attached to the Return.
16. The periodwise amount(s) of Short-term Capital Gains U/S 50, Other Short-term and Long-term Capital Gains/Losses under the head "CAPITAL GAINS" should be indicated in the inner columns and the aggregate amount of these in the Grand Total.
- D. INCOME FROM OTHER SOURCES:**
1. (a) Please mention the gross amount of dividend(s). Attach a separate sheet giving the following information:
- (i) name of the company; (ii) number of shares; (iii) gross amount of dividend; (iv) tax deducted at source.
- If the assessee has received any sum of the nature described under section 2(22)(c) and which is to be deemed as dividend, a statement should be furnished giving name and address of the company, nature of payment received and the sum so received.
- Please attach dividend warrants and other supporting evidence.

- (b) Please mention the gross amount of interest(s) received/receivable. Attach a separate sheet, giving information regarding each item of interest received/receivable and attach supporting evidence.
- (c) Give here the gross amount of winnings from lotteries, crossword puzzles and raffles, etc. and attach supporting evidence. Please attach separate computation if there are two or more items.
- (d) Indicate here the income from machinery, plant or furniture let on hire and also such income from building where its letting is inseparable from the letting of the said machinery, plant or furniture if it is not chargeable to Income-tax under the head “Profits and gains of Business or Profession”.
- (e) Specify other incomes chargeable under the head “Income from Other Sources”.
2. The sum total of gross receipts is to be indicated here.
3. Specify the item(s) and the amount(s) of deduction(s) claimed thereunder. The relevant provisions are in Section 57.
4. The total of deductions claimed should be indicated here.
5. The income chargeable under the head ‘INCOME FROM OTHER SOURCES’ is to be given here.

Page-4

E. UNABSORBED LOSSES BROUGHT FORWARD FROM PRECEDING ASSESSMENT YEARS

1. Give here details of unabsorbed losses under the heads ‘Capital gains’ and ‘Income from other Sources’. Relevant provisions are contained in sections 74 and 74A of the Income-tax Act.

If the space provided is found insufficient, give the details on a separate sheet using the columns indicated here and attach that to the Return.

F. STATEMENT OF TOTAL INCOME

1. Give here the amounts chargeable to tax under different Heads of Income against items A to D. These should be same as shown against items A.8 and B. 9 at page 2, items C. 16 and D. 5 at page 3 respectively.
2. The sum total of A to D should be indicated here.
3. Indicate here the unabsorbed Losses brought forward from preceding assessment years as claimed in item E. at page 4 of the Return to be set off against current year’s income.
4. The Gross Total Income chargeable to tax (2-3) is to be given here.
5. I. The deduction(s) which the assessee wants to claim under Chapter VI-A should be indicated here.
 II. Please give the itemwise gross amount of payment/contribution, the qualifying amount and the net amount deductible. If the space provided is insufficient, give the computation on a separate sheet and attach that to the Return.
 III. Please also attach proof of payment/contribution to support the claim.

The eligible deductions under Chapter VI-A relate to:

- (i) Deposits under the National Savings Scheme, 1987 or payment to deferred annuity plan of Life Insurance Corporation. These are deductible @100% subject to the ceiling of Rs. 40,000/ (Section 80CCA)
- (ii) Investment made under Equity Linked Savings Scheme. This is deductible @100% subject to the ceiling of Rs. 10,000 (Section 80CCB)

- (iii) Premium paid to GIC for medical insurance. The ceiling is Rs. 3,000/- in respect of premium paid for Medical insurance. (Section 80D)
- (iv) Deduction in respect of expenditure incurred for medical treatment etc. of handicapped dependent(s). The ceiling is Rs. 600/- (Section 80DD)
- (v) Donations to certain funds, charitable institutions, etc. Only donations to certain funds, charitable institutions etc. are eligible for deduction under section 80G if the aggregate of the sums exceeds Rs. 250/-. The over all ceiling is 10% of gross total income (as reduced by the amount on which no tax is payable or with reference to which the taxpayer is entitled to any deduction under Chapter VI-A). (Section 80G).
- (vi) Rent paid for furnished/unfurnished residential accommodation. Taxpayers not in receipt of any house rent allowance are eligible for deduction in respect of the rent paid for residential accommodation situated in any one of the classified cities including the urban agglomerations. The deduction is admissible in respect of the rent paid in excess of 10% of the total income subject to an over all ceiling of Rs. 1000/- p.m. or 25% of total income, whichever is less. (Section 80GG).
- (vii) Donation for scientific research, rural development. Deduction in respect of certain donations for scientific research or rural development or conservation of natural resources or any sum paid for afforestation is available at 100% under Section 80GGA.
- (viii) Dividend, interest income etc. Income by way of interest on certain deposits on shares, units etc. is eligible for deduction upto over all ceiling of Rs. 13,000/- (Section 80L)
- (ix) Specified incomes of Co-operative Societies subject to varying limits and certain conditions. (Section 80-P)
- (x) Remuneration from certain foreign sources in the case of professors, teachers, etc. The overall ceiling is 50% of the remuneration or 75% thereof brought into India in accordance with the foreign exchange regulations, whichever is higher. (Section 80R)
- (xi) Remuneration received for services rendered outside India—The overall ceiling is 50% of the remuneration or 75% thereof brought into India in accordance with the foreign exchange regulations, whichever is higher. (Section 80RRA)
- (xii) Deduction of Rs. 15,000 can be claimed by individuals who are totally blind or permanently physically handicapped or mentally retarded. (Section 80U)

6. The Total Income chargeable to tax (4—5) is to be given here.
7. Mention here the total income, as rounded off to the nearest multiple of ten rupees, both in figures and words in the manner provided.
8. The net agricultural income computed in accordance with Part IV of the First Schedule to the relevant Finance Act is to be given here.
9. Income arising to other persons and included in the assessee's total income is to be given here.
10. Give here the name and relationship of such other person(s).
11. Give details on a separate sheet if any income is chargeable to tax at a special rate e.g. under section 115BB in respect of winnings from lotteries etc. or section 115E in the case of NRIs or at a maximum marginal rate under any other provisions of the Act.

Page-5 PART-II

STATEMENT OF TAXES

1. The total tax payable on the total income is to be given here.

2. Indicate here—

(a) rebate claimed U/Ss 88 and 88A. These are:

I. Section 87 of the Act envisages that in computing the amount of Income-tax on the total income of an assessee with which he is chargeable for any assessment year, there shall be allowed from the amount of Income-tax (as computed before allowing the deductions under Chapter VIII), in accordance with and subject to the provisions of sections 88 and 88A, the deductions specified in those sections.

It further provides that the aggregate amount of the deductions under section 88 or section 88A shall not, in any case, exceed the amount of Income-tax (as computed before allowing the deductions under Chapter VIII) on the total income of the assessee with which he is chargeable for any assessment year.

II. Provisions of Section 88 and 88A are applicable to a assessee, being—

(a) an individual, or

(b) a Hindu undivided family, or

(c) an association of persons or a body of individuals consisting in either case, only of husband and wife governed by the system of community of property in force in the State of Goa and the Union territories of Dadra and Nagar Haveli and Daman and Diu.

U/S 88 : Under this section, an assessee shall be entitled to a deduction, from the amount of Income-tax (as computed before allowing the deductions under Chapter VIII) on his total Income with which he is chargeable for any Assessment Year, of an amount equal to 20% of the aggregate of sums referred to in sub-section (2) thereof.

These sums are—

Payments towards life insurance premium, provident fund contribution, instalments/part payments/repayment of loans from Government, Bank etc. for purchase/construction of residential house property. Overall ceiling on qualifying amounts are Rupees 70,000/- in the case of an author, playwright, artist, musician, actor or sportsman (including an athlete) and Rs. 50,000/- in the case of an Individual or a Hindu undivided family or an Association of Persons or a Body of Individuals.

Total of Rebate claimed U/S 88 should be indicated in item 2.(a) (i) Total.

U/S 88A : Under this section, an assessee who has acquired certain new shares or units in the previous year out of his income chargeable to tax shall be entitled to a deduction, from the amount of Income-tax (as computed before allowing the deductions under Chapter VIII) on his total Income with which he is chargeable for any Assessment Year, of an amount equal to 20% of the cost of such shares or units to such assessee.

These shares and units are —

(i) equity shares forming part of any eligible issue of capital; or

(ii) units issued under any scheme of any Mutual Fund specified under clause (23D) of section 10 or of the Unit Trust of India, established under section 3 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963), if the amount of subscription to such units is subscribed, within a period of six months from the close of subscription under such scheme, only to eligible issue of capital.

Maximum qualifying amount in relation to which an assessee can claim rebate under this section is Rs. 25,000/-.

Total of Rebate claimed U/S 88A should be indicated in item 2. (a) (ii) Total.

Total of amounts at 2. (a) (i) and 2.(a)(ii) should be indicated in item 2.(a)(iii).

(b) relief under Section 89(1) Please attach the details.

Total of amounts of 2.(a) and (b) may please be indicated in the outer column Total.

3. Indicate here the balance amount of income tax payable (i.e. 1—2).
4. Give here interests chargeable for late filing of return, default in payment of advance tax or deferment of advance tax separately. These should be computed in the manner laid down in sections 234A, 234B and 234C.
5. The total amount of tax and interest payable (3+4) is to be indicated here.
6. Give the particulars of (A) advance tax instalments and (B) tax deducted/collected at source in the respective columns. Tax collected at source under section 206C may be indicated against 'any other income'.
7. Give details of the tax and interest paid on self-assessment (i.e. before filing the return) and also attach challan(s) in support of the amounts so paid.
8. Other pre-paid taxes, if any, are to be indicated here. Please attach proof of such payment.
9. The sum total of Tax/Interest paid is to be given here (i.e. 6+7+8).
10. The Tax/Interest payable or refund due, as the case may be, is to be indicated here. For indicating refund, precede it by a minus(—) symbol.

Page-6 Part-III

INCOME CLAIMED EXEMPT

1. Income claimed exempt should be indicated here. For an item of income claimed exempt please specify its nature, the amount claimed exempt and the reasons for the claim.

Part-IV

LIST OF DOCUMENTS/STATEMENTS ATTACHED

1. Give here complete particulars of documents/statements attached to the return of income.

VERIFICATION

Read the instructions below the verification carefully before signing it. Fill all the relevant columns in the verification. Give the place and date as indicated. Please attach the document of power of attorney alongwith the return, wherever, necessary.

[No. 8868/F.N. 142/1/91-TPL
SUNIL CHOPRA, Director (TPL)

